और डीजल-खर्च में राहत, खनन क्षेत्र में सुरक्षित रोजगार,पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य-सुविधा और स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा। इन बिंदुओं पर चुनावी प्रचार केंद्रित रहा। चुनाव-दर-चुनाव वादे सुनने के बाद इस बार मतदाताओं ने "कौन करेगा?" पर वोट किया, "कौन कह रहा है?" पर नहीं। यही कारण रहा कि मुकाबला जातीय आधार पर विभाजित होने के बावजूद अंत तक खुला रहा। निकट अंतरसीट की संवेदनशीलता का संकेत करीब चार हजार वोटों का छोटा अंतर अपने आप में स्पष्ट संदेश देता है। रजौली में न तो किसी दल की स्थायी जीत है और न किसी की अपरिहार्य हार। मतदाता चाहें तो कुछ ही बूथों के झुकाव से अगली बार पूरी तस्वीर बदल सकते हैं। दोनों प्रमुख दलों के लिए यह चेतावनी भी है और अवसर भी।

☞ **प्रत्याशियों की साख, जीत-हार का सबसे बड़ा कारक :-** विमल राजवंशी की जीत का कारण सिर्फ दल नहीं था, बल्कि उनकी जमीनी उपस्थिति, सामाजिक स्वीकार्यता और कम समय में प्रभावी प्रचार-रणनीति ने निर्णायक योगदान किया। दूसरी ओर पिंकी चौधरी ने भी मजबूत संघर्ष और संगठनात्मक पैठ का प्रभाव दिखाया। ग्रामीण महिलाओं, युवा मतदाताओं और परंपरागत आरजेडी समर्थकों को जोड़ने में वे सफल रहीं, जिससे मुकाबला आखिरी क्षण तक बराबरी का बना रहा। इस चुनाव ने यह स्थापित किया कि रजौली में नेता की व्यक्तिगत विश्वसनीयता और उसकी 'ग्राउंड एक्टिविटी' अभी भी सबसे मजबूत राजनीतिक मुद्रा है। जन संदेश काम और पारदर्शिता सबसे बड़ी अपेक्षा रजौली के मतदाताओं ने इस चुनाव के जरिये स्पष्ट संदेश दिया। उन्हें विकास चाहिए, नौकरशाही में सुगमता चाहिए, योजनाओं का लाभ सबको चाहिए, और नेता ऐसा चाहिए जो केवल चुनाव के समय नहीं, पूरे कार्यकाल में दिखाई दे। मतदाता यह भी देखना चाहते हैं कि चुनावी घोषणाएँ सिर्फ मंच पर ही न रहें, बल्कि पंचायत-स्तर पर उनके प्रभाव दिखें। पंचायत प्रतिनिधि, जीविका समूह, युवा मंच और स्थानीय सलाहकार मंडलों को भी नियमित संवाद में शामिल करने की जरूरत अब और बढ़ गई है। अगले पाँच वर्षों की चुनौती, जनादेश को बनाए रखना विमल राजवंशी के सामने सबसे बड़ी चुनौती अब जनता के भरोसे को विकास में बदलने की है। विशेषकर सड़क निर्माण की त्वरित शुरुआत, सरकारी योजनाओं की समय पर डिलीवरी, जल-जीवन-हरियाली जैसी योजनाओं की निगरानी, और खनन क्षेत्र में सुरक्षित-नियमित रोजगार के लिए नीतिगत हस्तक्षेप। वहीं आरजेडी के लिए यह हार नहीं, बल्कि मजबूत आधार का संकेत है। कुछ बूथों और कुछ पंचायतों में ही बेहतर प्रबंधन से अगली बार समीकरण बदल सकते हैं। चुनाव 2025 ने रजौली को बिहार की उन सीटों में शामिल कर दिया है जहाँ मतदाता परिवर्तनशील, जागरूक और पैनी निगाह से राजनीति का मूल्यांकन करते हैं। दलगत लहरें यहाँ असर डालती जरूर हैं, पर निर्णय अंततः मतदाता के अपने स्थानीय अनुभवों से बनता है। इस बार की जीत LJP(R) के खाते में गई है, पर भविष्य की तस्वीर अभी खुली है। रजौली ने जिस परिपक्वता से जनादेश दिया है, वह बिहार की राजनीति में स्थानीय मुद्दों के बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है और यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है।

-: नवादा विधानसभा चुनाव 2025 :-
दो ध्रुव और राजनीति की बदलती परछाइयाँ, कौशल की कौशलता धराशायी

विभा देवी की पुनर्वापसी, राजबल्लभ यादव की बरी-होने के बाद बढ़ी राजनीतिक पकड़ और कौशल यादव की "कौशलता" पर उठे सवाल नवादा विधानसभा चुनाव 2025 ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यह सीट बिहार की राजनीति में सिर्फ एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि पारिवारिक संघर्ष, जातीय समीकरण और अदालती फैसलों से प्रभावित जटिल राजनीतिक भूगोल है। इस बार की लड़ाई में तीन मुख्य किरदार थे-जदयू की विभा देवी, राजद के कौशल यादव, और पृष्ठभूमि में गहराई से प्रभाव डालते पूर्व विधायक राजबल्लभ यादव।

☞ **राजबल्लभ यादव की आठ साल की कैद और बरी-होने का असर :-** नवादा की राजनीति में राजबल्लभ यादव एक ऐसा नाम हैं जिसकी प्रतिध्वनि किसी भी चुनावी प्रक्रिया में नजरअंदाज नहीं की जा सकती। 2016 के एक हाई-प्रोफाइल पॉस्को मामले में आरोपित होने से लेकर 2018 में आजीवन कारावास की सजा तक, और फिर आठ साल जेल में बिताने के बाद पटना हाईकोर्ट द्वारा 14 अगस्त 2025 को बरी किए जाने तक यह पूरा अध्याय नवादा के मतदाताओं की स्मृति में जीवित था। उनकी रिहाई सिर्फ एक कानूनी फैसला नहीं थी; उसने राजनीतिक प्रवाह को अचानक बदल दिया। समर्थकों के लिए यह "अन्याय पर न्याय की जीत" थी, जबकि विरोधियों के लिए "वापसी करती बाहुबलियत" का संकेत। परंतु यह निर्विवाद है कि उनकी वापसी ने नवादा विधानसभा के चुनाव को भावनात्मक, जातीय और राजनीतिक, तीनों स्तरों पर प्रभावित किया।

☞ **विभा देवी दल परिवर्तन से लेकर निर्णायक जीत तक :-** राजबल्लभ यादव की पत्नी और नवादा की पूर्व सांसद विभा देवी ने चुनाव से पहले एक तेज और रणनीतिक कदम उठाया। राजद छोड़कर जदयू में शामिल होना। राजनीतिक हलकों में इसे "नवादा समीकरण का टर्निंग प्वाइंट" माना गया। जदयू का संगठित ढांचा, एनडीए की प्रत्याशी-निर्माण रणनीति और यादव वोट बैंक पर राजबल्लभ परिवार की पारंपरिक पकड़, इन तीनों ने मिलकर विभा देवी को मजबूत आधार दिया। चुनाव परिणामों में यह बढ़त साफ दिखाई दी। कुल 87,423 वोट और करीब 27,600 मतों की भारी बढ़त के साथ उन्होंने स्पष्ट जीत हासिल की। उनकी जीत यह भी संकेत देती है कि नवादा में "महिला नेतृत्व" और "परिवार की राजनीतिक निरंतरता" दोनों को जनसमर्थन मिला है। कौशल यादव चुनौती, संघर्ष और छिनती जमीन राजद ने इस बार नवादा में कौशल यादव पर दांव लगाया था। युवापन, जातीय आधार और पार्टी का भरोसा उनके साथ था। लेकिन चुनाव ने दिखाया कि मैदान उतना सरल नहीं था। यादव वोट बैंक का विभाजन विभा देवी के प्रति सहानुभूति की लहर, राजबल्लभ की रिहाई से उपजा भावनात्मक माहौल, राजद की स्थानीय संगठनात्मक कमजोरी, इन सभी ने मिलकर कौशल यादव की जमीन खिसका दी। वे दूसरे स्थान पर

अवश्य रहे, परंतु हार का अंतर यह संकेत देता है कि नवादा में राजद की चुनौती अब और कठिन हो चुकी है। उनकी 'कौशलता' पर प्रश्नचिह्न इसलिए भी उठे कि पार्टी के मजबूत क्षेत्रों में भी उनकी पकड़ उतनी सघन नहीं दिखी जितनी चुनावी माहौल मांग रहा था। अन्य प्रत्याशी नाव में थे, पर लड़ाई किनारे की ही रही और निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में थे, परंतु मुकाबले की रेखा बहुत जल्द दो ध्रुवों पर टिक गई।

☞ **जदयू का विभा धड़ा बनाम राजद का कौशल धड़ा :-** तीसरे-चौथे स्थान वाले प्रत्याशी केवल मत-विभाजन तक सीमित रहे और परिणाम निर्धारण में उनकी भूमिका सीमित ही रही।

☞ **जातीय समीकरण :-** यादव बनाम यादव की लड़ाई नवादा में यादव समुदाय निर्णायक भूमिका निभाता है। 2025 का चुनाव इस दृष्टि से अनोखा रहा कि यादव राजनीति दो ध्रुवों में बंटी। राजबल्लभ-विभा खेमे का यादव आधार राजद के परंपरागत यादव मतदाता यह विभाजन ही इस चुनाव का मूल निर्णायक कारक बना।

☞ **राजनीति का नया नक्शा, विभा की जीत, बारूदी संकेत :-** नवादा की जनता ने इस चुनाव में जिस तरह विभा देवी के पक्ष में मतदान किया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि क्षेत्र की राजनीति केवल पार्टी-समर्थन पर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत विश्वास, परिवार की पकड़ और सामाजिक निष्ठा पर भी आधारित है। राजबल्लभ यादव की बरी-होने के बाद लौटी राजनीतिक ऊर्जा भी एक महत्वपूर्ण तत्व रही। नवादा विधानसभा 2025 की कहानी एक ऐसी राजनीतिक पटकथा है जिसमें न्यायालय का फैसला, जेल के वर्षों की छाया, जातीय गणित, परिवार की राजनीतिक विरासत और दल बदलने की साहसिक रणनीति सब कुछ एक साथ चल रहा था। विभा देवी की जीत इस कथा का वर्तमान अध्याय है, पर इसका भविष्य अभी लिखा जाना बाकी है। कौशल यादव को संगठनात्मक मजबूती और राजनीतिक आत्मावलोकन की जरूरत होगी, जबकि राजबल्लभ यादव की रिहाई आने वाले समय में नवादा की राजनीति को और दिशा दे सकती है। वहीं जनसूराज ने भी नवादा में 19हजार से अधिक मत प्राप्त कर अपनी मजबूत संकेत भी दिया। नवादा विधानसभा क्षेत्र से लोक चेतना पार्टी के प्रत्याशी अनीता कुमारी भी अपनी जमानत बचाने में कामयाब नही हो सकी।

-: वारिसलीगंज विधानसभा चुनाव 2025 :-
जातीय समीकरणों, जनअसंतोष और बाहुबल के बीच बदलता जनादेश

वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र ने 2025 के चुनाव में जो संदेश दिया है, वह न केवल जिले बल्कि पूरे दक्षिण बिहार की राजनीति को नई दिशा बताता है। राज्य भर में भाजपा की प्रचंड लहर, बड़े नेताओं की ताबड़तोड़ रैलियाँ, और "डबल इंजन" के नारे के बावजूद वारिसलीगंज में भाजपा प्रत्याशी की हार ने राजनीतिक विश्लेषकों को चौंकाया है। लेकिन स्थानीय मतदाता इसे किसी विस्मय की तरह नहीं देखते। उनके अनुसार यह परिणाम स्थानीय मुद्दों, जातीय संतुलन, और नेता की कार्यशैली के वास्तविक आकलन का सीधा प्रतिबिंब है।

बीते एक दशक से वारिसलीगंज की राजनीति लगातार उथल-पुथल और ध्रुवीकरण की स्थिति में रही है। विकास कार्यों का वादा, बाहुबलियों का प्रभाव, जातीय गोलबंदी, और दलों के अंदरूनी समीकरण हर बार परिणाम की दिशा तय करते रहे हैं। इस बार भी चुनावी हवा ऊपर से भले मजबूत दिखे, पर नीचे जमीन पर समीकरण बिल्कुल अलग कहानी बयान कर रहे थे। वारिसलीगंज की धड़कन वारिसलीगंज का कोई भी चुनाव जातीय समीकरणों को समझे बिना नहीं पढ़ा जा सकता। यहाँ पाँच-छह प्रमुख जाति समूहों की जनसंख्या और उनकी राजनीतिक सक्रियता चुनाव परिणाम का मूल आधार होती है। यादव, भूमिहार, कुशवाहा, पासवान, अल्पसंख्यक एवं महादलित समूह, इन सबका एक-एक प्रतिशत संतुलन चुनाव की जमीन को बदल देता है। भाजपा ने इस बार उम्मीदवार चयन में जातीय समीकरण साधने की कोशिश तो की, पर स्थानीय सामाजिक संरचना उससे पूरी तरह मेल नहीं खा सकी। कई जातीय समूहों में भीतर ही भीतर असंतोष था कि उम्मीदवार चयन में स्थानीय पहचान और वर्षों की मेहनत को नजरअंदाज किया गया। दूसरी ओर प्रतिद्वंद्वी दलों ने इस असंतोष को भांपते हुए बेहद रणनीतिक तरीके से अपना खेल खेला। यादव, अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग के साझा मोर्चे को सक्रिय करने के साथ भूमिहार और कुछ सवर्ण वोटों को भी नाराजगी के कारण तोड़ लिया गया।

जातीय संतुलन का यह टूटना भाजपा प्रत्याशी की राह में सबसे बड़ी चुनौती बन गया। चाहे राज्य में लहर कितनी ही प्रचंड क्यों न हो, यदि स्थानीय जातीय समूह अपनी गणना बदल दें तो परिणाम लहर को चीरकर निकल जाता है, वारिसलीगंज इसका उदाहरण बन गया। एंटी-इनकमबेंसी और जनसमस्याओं की अनदेखी इस चुनाव में एंटी-इनकमबेंसी का असर केवल सरकार के स्तर पर नहीं, बल्कि स्थानीय नेतृत्व की कार्यशैली पर ज्यादा दिखा। मतदाताओं का सामान्य निष्कर्ष था कि बीते वर्षों में जलजमाव और नाली की समस्या नगर में ही नहीं, ग्रामीण इलाकों में भी विकराल रही, किसानों को समय पर सिंचाई, डीजल सब्सिडी और खाद उपलब्धता में शिकायतें बनी रहीं, स्वास्थ्य उपकेंद्रों की स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ, अपराध और नशाखोरी के बढ़ते मामलों पर कोई ठोस कदम नहीं उठा। इन मुद्दों पर विधायक की सक्रियता पर लगातार सवाल उठते रहे। चुनाव के दौरान लोगों का एक बड़ा वर्ग यह कहता सुना गया "राज्य सरकार काम करे तो अलग बात है, पर हमारे विधायक को तो क्षेत्र में दिखना चाहिए।" यही असंतोष धीरे-धीरे "परिवर्तन" की जमीन तैयार करता गया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा की हार का एक बड़ा कारण यह रहा कि पार्टी ने राज्य की हवा को स्थानीय नाराजगी पर भारी मान लिया। मगर जमीनी राजनीति में ऐसा कम ही होता है। मतदाता अब राज्य के बड़े मुद्दों से ज्यादा अपने गांव, अपने मोहल्ले और अपनी सड़क की बदहाली देखकर वोट करता है।

☞ **भाजपा की सुनामी के बीच स्थानीय हार : कारण क्या? :-** 2025 में भाजपा ने बिहार में जिस तरह का वोट शेयर हासिल किया, वह ऐतिहासिक था। अनेक सीटों पर प्रत्याशी भारी अंतर से विजयी रहे। प्रधानमंत्री की लोकप्रियता, केंद्र सरकार की योजनाएँ, और विपक्ष की कमजोर रणनीति ने भाजपा को बड़ा फायदा दिया। लेकिन वारिसलीगंज में कहानी बिल्कुल उलट रही। इसके प्रमुख कारणों को तीन हिस्सों में बाँटा जा सकता है-स्थानीय नेतृत्व की कमजोरी, पार्टी संगठन बूथ स्तर पर मजबूत नहीं दिखा, स्थानीय कार्यकर्ताओं में उत्साह कम दिखाई दिया। कुछ क्षेत्रों में "बूथ मैनेजमेंट" लगभग औपचारिकता भर रह गया।

☞ **उम्मीदवार की जनस्वीकृति सीमित :-** भले ही उम्मीदवार पार्टी का मजबूत चेहरा थे, पर आम जनता में उतनी पैठ नहीं बना सके। वर्षों से

स्थापित स्थानीय चेहरों या प्रभावशाली जातीय समूहों से संवाद का अभाव दिखा। बाहरी लहर से ज्यादा असर स्थानीय राजनीति का भाजपा की लहर राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर थी, लेकिन वारिसलीगंज में लोगों ने इसे प्राथमिकता नहीं दी। वे अपने क्षेत्रीय मुद्दों और स्थानीय प्रतिनिधित्व को तरजीह दे रहे थे।

☞ **दो बाहुबलियों का प्रभाव : अदृश्य पर निर्णायक शक्ति :-** वारिसलीगंज की राजनीति वर्षों से बाहुबलियों की छाया में रही है। यहाँ दो प्रमुख बाहुबली नेता क्षेत्र में सामाजिक एवं राजनीतिक प्रभाव रखते हैं। इन दोनों का खेल इस बार भी निर्णायक साबित हुआ।

☞ **पहला पक्ष : परंपरागत जातीय प्रभाव वाला बाहुबली :-** इस बाहुबली का प्रभाव कुछ जातियों और परंपरागत वोट बैंक पर काफी गहरा माना जाता है। इस चुनाव में उसने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार के पक्ष में चुपचाप काम किया। उसके समर्थकों ने गाँव-गाँव जाकर वोटों की गोलबंदी की, जिसका सीधा नुकसान भाजपा को हुआ।

☞ **दूसरा पक्ष : नए उभरते सामाजिक गठजोड़ वाला बाहुबली :-** यह समूह हाल के वर्षों में अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्गों में अपनी पकड़ मजबूत कर चुका है। इसने भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ एक अलग ध्रुवीकरण खड़ा किया। उसके सक्रिय होने से कई बूथों पर भाजपा का पारंपरिक वोट भी खिसक गया। इन दोनों बाहुबलियों का प्रभाव भले खुले तौर पर नहीं दिखा, लेकिन ग्रामीण इलाकों के मतदान पैटर्न में उनके नेटवर्क का असर साफ दिखा।

☞ **चुनाव प्रचार में दिखा 'वादा बनाम विश्वास' का फर्क :-** चुनावी रैलियों में बड़े नेताओं की भीड़ थी, गूंजते नारे थे, वादों की बारिश थी लेकिन ग्रामीणों का एक वर्ग लगातार कहता रहा। "बड़े नेता आते हैं, बात बोलकर चले जाते हैं, काम तो हमारा विधायक ही करेगा।" मतदाताओं को यह महसूस हुआ कि मंच पर किए जा रहे वादों और उनके वास्तविक जीवन में दिख रहे विकास के बीच बड़ा अंतर है। शहरी मोहल्लों से लेकर दूरदराज गाँव तक लोगों के मन में यही सवाल था। शिक्षा, स्वास्थ्य,पानी, अस्पताल, जैसी बुनियादी चीजें नहीं सुधरीं, तो किस बात पर हम वोट दें?" यहीं से विश्वास दरकना शुरू हुआ और मतदान के दिन लोगों ने चुपचाप अपनी नाराजगी मतपेटी में डाल दी।

☞ **निर्णायक मोर्चे पर अल्पसंख्यक और महादलित वोटों की भूमिका :-** अल्पसंख्यक और महादलित समूह वारिसलीगंज में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। अल्पसंख्यक वोट लगभग एकमुश्त भाजपा विरोधी खेमे में गया, महादलित वोटों का बड़ा हिस्सा भी स्थानीय असंतोष से प्रभावित दिखा, ओबीसी वोट दो हिस्सों में बँट गया, जिससे भाजपा को पर्याप्त बढ़त नहीं मिल सकी। इस संयुक्त मोर्चे ने भाजपा प्रत्याशी के लिए राह और मुश्किल बना दी।

☞ **मतदाता अब केवल पार्टी नहीं, काम देखता है :-** 2025 का परिणाम यह बताता है कि जातीय समीकरण अभी भी बिहार राजनीति की धुरी हैं, बाहुबली नेताओं का प्रभाव कम नहीं हुआ है, लेकिन इन सबके ऊपर मतदाता का असंतोष निर्णायक शक्ति बन चुका है, लोग अब स्थानीय समस्याओं और जनप्रतिनिधि की सक्रियता को प्रथम प्राथमिकता देते हैं। वारिसलीगंज की जनता का संदेश साफ है "हम पार्टी नहीं बदलना चाहते; हम कामकाज और नेतृत्व बदलना चाहते हैं। इस चुनाव के साथ वारिसलीगंज की राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी है।

☞ **अब सवाल यह है कि नया नेतृत्व :-** क्या स्वास्थ्य और शिक्षा की स्थिति बदलेगी? क्या अपराध और नशाखोरी पर रोक लगेगी? क्या किसानों को राहत और युवाओं को रोजगार मिलेगा? क्या जातीय राजनीति से ऊपर उठकर सर्वसमावेशी विकास की राह बनेगी? यदि नया प्रतिनिधि इन बिंदुओं पर सुधार लाता है, तो आने वाले वर्षों में वारिसलीगंज की तस्वीर बदल सकती है। अन्यथा, यह क्षेत्र फिर से वही राजनीति भुगतेगा जिसमें जातीय गोलबंदी, बाहुबल और नाराजगी ही चुनाव की दिशा तय करते हैं। वारिसलीगंज विधानसभा चुनाव 2025 केवल एक चुनाव नहीं था, बल्कि यह उस बदलते राजनीतिक मानस का दर्पण है जिसमें मतदाता अब भावनाओं या लहरों से नहीं, अपनी धरती की सच्चाई देखकर वोट करता है। भाजपा की सुनामी भी यहाँ स्थानीय मुद्दों, सामाजिक समीकरणों और नेतृत्व की कार्यशैली के आगे टिक न सकी। दो बाहुबलियों का प्रभाव, जातीय गोलबंदी, और विधायक के प्रति बढ़ते जनअसंतोष ने मिलकर एक ऐसा माहौल बनाया जिसने परिणाम को पूरी तरह उलट दिया। यह चुनाव इस सच्चाई की पुष्टि करता है कि लहरें चुनाव जीताती हैं, लेकिन जनविश्वास चुनाव जिताता है और वारिसलीगंज ने इस बार जनविश्वास को ही अपना निर्णायक आधार बनाया।और राजद की प्रत्याशी बाहुबली अशोक महतो की पत्नी अनीता देवी ने दूसरे बाहुबली अखिलेश सिँह की पत्नी पूर्व विधायक अरुणा देवी को साढ़े सात हजार मतों से पराजित किया। और यहाँ की राजनीति फिजा और हवा को बदल दिया।

-: हिसुआ विधानसभा 2025 :-
अनिल सिंह की प्रचंड जीत और बदलती जनभावनाओं का संकेत

हिसुआ विधानसभा क्षेत्र ने 2025 के चुनाव में वह तस्वीर उकेरी, जिसकी कल्पना शायद दोनों प्रमुख दलों-भाजपा और कांग्रेस ने अलग-अलग ढंग से की थी। परंतु अंतिम नतीजों ने इस बात पर स्पष्ट मुहर लगा दी कि यहाँ का मतदाता इस बार बदलाव के मूड में था। भाजपा प्रत्याशी अनिल सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस की नीतू सिंह को लगभग 27 हजार मतों के भारी अंतर

से पराजित कर राजनीतिक समीकरणों में नई रेखाएँ खींच दीं।

☞ **यह सिर्फ लहर नहीं, स्थानीय स्वीकृति भी :-** अनिल सिंह की जीत को केवल राज्यव्यापी राजनीतिक माहौल का परिणाम मान लेना आधा सच होगा। हिसुआ में यह जीत उस व्यापक जन-संतोष का भी संकेत है, जो लंबे समय से उपेक्षित स्थानीय मुद्दों के समाधान की तलाश कर रहा था। गाँवों में सड़क व पेयजल की दिक्कतें, किसानों की लागत बढ़ने की शिकायत और कस्बाई क्षेत्रों में ट्रैफिक व सुरक्षा की चुनौतियाँ, ये सब प्रश्न लंबे समय से जनता के मन में थे। अनिल सिंह ने चुनाव के दौरान इन्हें अपनी प्राथमिक प्रतिबद्धताओं में शामिल कर स्थानीय विश्वास हासिल किया।

☞ **कांग्रेस की हार: संगठनात्मक कमजोरी व मत-संयोजन की कमी :-** कांग्रेस प्रत्याशी नीतू सिंह की हार सिर्फ एक व्यक्ति की पराजय नहीं मानी जा सकती। यह उस राजनीतिक ढाँचे की कमजोरी भी है, जो हिसुआ जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में मजबूत जनसंपर्क व बूथ प्रबंधन की माँग करता है। नीतू सिंह का व्यक्तिगत प्रभाव क्षेत्र में मौजूद था, परंतु कांग्रेस का संगठनात्मक ढीलापन, जातीय समीकरणों पर कमजोर पकड़, और नई पीढ़ी से जुड़ने की कमी ने मुकाबले को एकतरफा कर दिया।

☞ **जातीय समीकरण: परंपरागत वोटों का खिसकना बड़ा कारण :-** हिसुआ में परंपरागत जातीय समीकरणों का प्रभाव हमेशा से चुनाव परिणाम तय करता रहा है। इस बार देखा गया कि भाजपा ने अगड़ा वर्ग, वैश्य समुदाय, तथा ओबीसी युवा मतदाताओं में खास पकड़ बनाई। महागठबंधन के परंपरागत वोटों विशेषकर दलित और कुछ पिछड़े वर्गों में बिखराव दिखाई दिया। यह बिखराव नीतू सिंह के लिए निर्णायक क्षति साबित हुआ।

☞ **महिला मतदाताओं का निर्णायक झुकाव :-** इस चुनाव में महिला मतदाताओं की भागीदारी अधिक और उत्साहपूर्ण रही। सरकारी योजनाओं-उज्ज्वला, हर घर नल जल, आवास, आहार, जीविका दीदी कार्यक्रमों, तथा प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण का असर स्पष्ट था। अनिल सिंह को महिला मतदाताओं का अनुपातिक रूप से अधिक समर्थन मिला, जिसने जीत के अंतर को और चौड़ा किया।

☞ **स्थानीय मुद्दे और विकास की चाह :-** हिसुआ लंबे समय से कुछ बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। हिसुआ-राजगीर मार्ग का विस्तार, सिंचाई सुविधाओं की कमी, चिकित्सा ढाँचे की खस्ताहाली, छोटी व मध्यम इकाइयों के लिए रोजगार अवसरों की कमी, चुनावी संवाद में इन मुद्दों पर अनिल सिंह की ठोस योजनाएँ और सख्त प्रशासनिक रुख को मतदाताओं ने प्राथमिकता दी।

☞ **युवा मतदाता निर्णायक कारक :-** विधानसभा क्षेत्र में लगभग 30% वोटर युवा हैं। जिस तरह बेरोजगारी, कौशल विकास और स्थानीय नौकरी अवसर इस वर्ग के बड़े सवाल हैं, भाजपा ने डिजिटल अभियान और प्रचार की रफ्तार में युवाओं को प्रभावी ढंग से जोड़ लिया। वहीं कांग्रेस का डिजिटल आउटरीच अपेक्षाकृत कमजोर रहा।

☞ **चुनाव परिणाम का व्यापक राजनीतिक संदेश :-** हिसुआ का यह जनादेश कई स्तरों पर संकेत देता है। मतदाता अब जातीय समीकरणों से आगे बढ़कर स्थानीय नेतृत्व की क्षमता और सरकार की कार्यशैली को ज्यादा प्राथमिकता दे रहे हैं। भाजपा को क्षेत्र में जो प्रचंड समर्थन मिला, वह आने वाले चुनाव वर्षों में पार्टी की रणनीति को और मजबूत करेगा। कांग्रेस को यहाँ अपना संगठन खड़ा करने के लिए जमीनी स्तर पर नई शुरुआत करनी होगी।

☞ **आगे की राह :-** अनिल सिंह की जीत जितनी बड़ी है, अपेक्षाएँ भी उतनी ही बड़ी हैं। हिसुआ के मतदाता बुनियादी ढाँचे, रोजगार और सुरक्षा के मुद्दों पर अब वास्तविक कार्यवाही देखना चाहते हैं। विधानसभा क्षेत्र के लिए यह एक अवसर है कि नए प्रतिनिधि अपने मजबूत जनादेश को विकास की गति में बदलें।●

व्यवहार न्यायालय में मनाया गया संविधान दिवस

● **मो० सईद**

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अंतर्गत व्यवहार न्यायालय गया में संविधान दिवस के सुअवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गया श्री मदन किशोर कौशिक एवं अपने न्यायिक पदाधिकारीगण एवं कर्मचारीगण के साथ संविधान की प्रस्तावना पढ़कर संविधान दिवस मनाया गया। जिसके माध्यम से समाज में संविधान के मूल उद्देश्यों एवं तत्वों के प्रति जागरूक किया गया। प्रधान जिला जज महोदय ने उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी और हमारे पूर्वजों तथा स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग के बाद हमें यह महान संविधान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि संविधान की उद्देशिका के हर शब्द को जीवन में आत्मसात करना चाहिए, क्योंकि यही हमें जीवन में आगे बढ़ने की दिशा देता है। उन्होंने संविधान में प्रदत्त पाँच स्वतंत्रताओं में से विचारों की स्वतंत्रता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि यह स्वतंत्रता

ही मानव समाज को निरंतर सोचने और आगे बढ़ने की शक्ति देती है। उन्होंने सोशल मीडिया और रील्स के माध्यम से विचारों को जाति, धर्म या संप्रदाय के आधार पर प्रभावित किए जाने पर चिंता जताई और कहा कि ऐसे माहौल में हमें अपनी वैचारिक स्वतंत्रता को संरक्षित रखने का संकल्प लेना होगा। इस मौके पर सभी न्यायिक पदाधिकारीगण ,व्यवहार न्यायालय के कर्मचारीगण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार गया के कर्मचारीगण उपस्थित थे।●

अररिया में दो-दो सीट पर भाजपा व कांग्रेस और एक सीट पर राजद व एक सीट पर एआईएमआईएम को मिली जीत

मनोज विश्वास
विधायक फारबिसगंज

अविनाश मंगलम
विधायक रानीगंज

देवयंती यादव
विधायक नरपतगंज

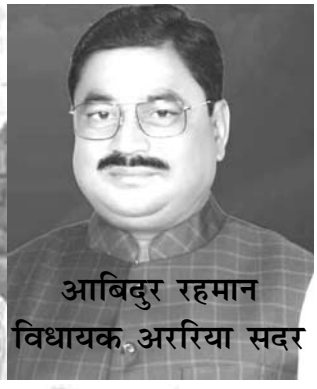

आबिदुर रहमान
विधायक अररिया सदर

मोहम्मद मुर्शीद आलम
विधायक जोकीहाट

● अब्दुल कैय्यूम

अररिया जिला के सभी छह विधानसभा सीट का मतगणना अररिया बाजार समिति अररिया में 14 नवंबर को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो गया। डीएम अनिल कुमार व अंजनी कुमार सुरक्षा का कमान खुद ही संभाल रहे थे। सम्पन्न मतगणना के बाद घोषित चुनाव परिणाम में दो - दो सीट पर भाजपा व कांग्रेस और एक सीट पर राजद व एक सीट पर एआईएमआईएम के प्रत्याशी को जीत मिली। भाजपा ने सिकटी व नरपतगंज विधानसभा से जीत हाशिल की। जबकि अररिया व फॉरबिसगंज विधानसभा से कांग्रेस ने परचम लहराया। वही रानीगंज सीट से राजद व जोकीहाट से एआईएमआईएम ने जीत दर्ज की। जिले के सबसे हॉट सीट कहे जाने वाली जोकीहाट विधानसभा सीट पर एआईएमआईएम के प्रत्याशी मोहम्मद मुर्शीद आलम ने स्व. तस्लीम उद्दीन के विरासत को हिला कर जीत हाशिल की। ' जोकीहाट विधानसभा से एआईएमआईएम के प्रत्याशी मोहम्मद मुर्शीद आलम को 83737 मत प्राप्त हुआ। जबकि जदयू प्रत्याशी मंजर आलम को54934 मत प्राप्त हुए। वही जनसुराज पार्टी के पूर्व मंत्री स्व. तस्लीम उद्दीन के बड़े पुत्र सरफराज आलम को 35354 तथा राजद प्रत्याशी सह पूर्व मंत्री शाहनवाज आलम को 29659 मत मिले। इस प्रकार एआईएमआईएम के उमीदवार मोहम्मद मुर्शीद आलम ने जदयू के उमीदवार मंजर आलम को 28803 मतों से हरा कर जोकीहाट विधानसभा पर शानदार कब्जा जमाया। ' 'रानीगंज विधानसभा सीट पर राजद प्रत्याशी अविनाश मंगलम ने जदयू प्रत्याशी अचमित ऋषिदेव को 8530 मतों से पराजित कर रानीगंज विधानसभा का विधायक निर्वाचित हुए। राजद उमीदवार अविनाश मंगलम को 111590 मत प्राप्त हुए जबकि जदयू उमीदवार 103060 मत प्राप्त हुआ।

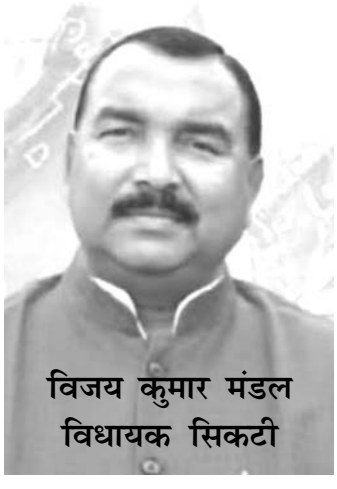

विजय कुमार मंडल
विधायक सिकटी

अररिया सदर विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी आबिदुर रहमान ने शगुफ्ता अजीम को 12781 मतों के अंतर से हराया। आबिदुर रहमान को कुल 91529 मत मिले जबकि शगुफ्ता अजीम को 78788 मत प्राप्त हुआ। वही एआईएमआईएम प्रत्याशी मंजूर आलम को 53421 मत मिले। 'फॉरबिसगंज विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी मनोज विश्वास को 120114 मत प्राप्त हुआ। वही भाजपा प्रत्याशी विद्यासागर केसरी को 119893 मत प्राप्त हुआ। इस प्रकार कांग्रेस प्रत्याशी मनोज विश्वास ने 221 मतों से भाजपा प्रत्याशी विधासागर केशरी को हराया। सिकटी विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार मंडल ने महागठबंधन के वी आई पी उमीदवार हरि नारायण प्रामाणिक को 19 हजार 322 मतों से पराजित कर छक्का मारा। नरपतगंज विधानसभा सीट पर भाजपा के उमीदवार देवयंती यादव ने राजद प्रत्याशी मनीष यादव को 25353 मतों से पराजित किया। भाजपा प्रत्याशी देवयंती यादव को 120557 मत मिले वही मनीष यादव को 95204 मत प्राप्त हुआ।●

मोहम्मद मुर्शीद आलम बने जोकीहाट के विधायक

● अब्दुल कैय्यूम

दो भाइयों की आपसी लड़ाई में जोकीहाट विधानसभा सीट पर एआईएमआईएम का हुआ कब्जा

अररिया (अब्दुल कैय्यूम)। अररिया जिला का सब से हॉट सीट माने जाने वाला जोकीहाट विधानसभा थी। जोकीहाट सीट पर दशकों से पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व.तस्लीम उद्दीन के साम्राज्य बना हुआ था। लेकिन 2025 के विधानसभा चुनाव में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व.तस्लीम उद्दीन के के इस साम्राज्य को एआईएमआईएम उमीदवार मोहम्मद मुर्शीद आलम उखाड़ने में कामयाब हुए। उन्होंने 2025 के विधानसभा चुनाव में जोकीहाट का विधायक बन कर करिश्मा कर दिया। उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व.तस्लीम उद्दीन के इस अभेद किले को ढा कर नया किला बनाने में सफल रहा। जानकारी के अनुसार जोकीहाट विधानसभा सीट पर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व.तस्लीम उद्दीन परिवारों का दबदबा रहा हैं। लेकिन 2025 के विधानसभा चुनाव परिणाम ने इस दबदबे को

खत्म कर दिया। एआईएमआईएम के उमीदवार मोहम्मद मुर्शीद आलम ने जोकीहाट विधानसभा सीट से शानदार जीत हाशील की। जोकीहाट विधानसभा सीट पर दोनों भाइयों की आपसी लड़ाई ने स्व. तस्लीम उद्दीन के इस किले को ध्वस्त कर दिया। जोकीहाट विधानसभा में 2025 में पतंग ने शानदार तरीके से उड़ान भरी। उन्होंने 28803 मतों से विजय झंडा लहराया। हालांकि मुर्शीद आलम विधायक बनने से पूर्व पलासी प्रखंड के मुखिया संघ के अध्यक्ष रहे है। वे लगातार 20 वर्षो से राजनीति मे हैं। उन्होंने जोकीहाट की राजनीति को वर्षो से करीब से देखा था। वे वर्षो से यहां के जनता के बीच रहकर उनके सुख दु:ख-सुख में शामिल होता था। उन्होंने अपने साक्षत्कार में कहा था कि जोकीहाट की जनता दोनों भाइयों से ऊब चुकी है वे लोग नई विकल्प ढूंढ रहे थे। जिस का परिणाम सामने हैं। इस के लिये उन्होंने जोकीहाट के तमाम जनता को दिल से सुक्रिया अदा किया हैं। साथ ही साथ उन्होनो पार्टी सुप्रीमो व विहार अध्यक्ष अख्तरुल इमाम साहेब को बधाई दी हैं।●

ठाकुरगंज से गोपाल अग्रवाल की शानदार जीत

● फरीद अहमद

विधानसभा चुनाव 2025 में ठाकुरगंज विधानसभा क्षेत्र एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गया है। इस बार की बदलाव की हवा स्पष्ट थी। जदयू के गोपाल कुमार अग्रवाल ने यहां जीत दर्ज करके राजनीतिक मजबूती का एक मजबूत संदेश भेजा है।

जीत का परिदृश्य :- गोपाल कुमार अग्रवाल को इस चुनाव में 85,243 वोट मिले, जो कुल वोटों का लगभग 34.71% था। उनका सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी था एआईएमआईएम के गुलाम हसनैन, जिन्हें 76,421 वोट मिले। आरजेडी के सउद आलम, जो पिछली बार इस सीट पर विजयी रहे थे, इस बार तीसरे नंबर पर रहे। उन्हें 60,036 वोट मिले। अग्रवाल की जीत का मार्जिन लगभग 8,822 वोटों का रहा।

सीट की पिच :- ठाकुरगंज विधानसभा क्षेत्र किशनगंज लोकसभा क्षेत्र में आता है। यह एक सामान्य सीट है और यहां की जनसंख्या में लगभग 58% मुस्लिम मतदाता हैं, जो चुनाव की दिशा और रणनीति दोनों को प्रभावित करते हैं। पिछले चुनाव (2020) में, ये सीट आरजेडी के सउद आलम के पास थी, जिन्होंने 23,887 वोटों

की बढ़त से जीत हासिल की थी।

रणनीतिक जीत :- गोपाल कुमार अग्रवाल की यह जीत सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह जद (यू) और एनडीए के लिए भी एक स्ट्रैटेजिक जीत मानी जा सकती है। उनकी जीत ने आरजेडी को इस जनसंख्यात्मक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में टक्कर दी है। एआईएमआईएम की मजबूत प्रदर्शन (76,421 वोट) इस बात की ओर इशारा करता है कि मुस्लिम वोट बैंक बंट रहा था, और यह विभाजन जद (यू) के पक्ष में काम आया। पिछली बार अप्रत्यक्ष रूप से हार का सामना करने वाले अग्रवाल ने इस चुनाव में अपने वोट बेस को मजबूत किया है, और यह जीत उनके राजनीतिक अनुभव और स्थानीय पकड़ का नतीजा माना जा सकता है।●

साजिश, हमला या हत्या?

रानी कुमारी पर गंभीर आरोप साक्ष्य मिटाने से लेकर अवैध कब्जा तक

● धर्मेन्द्र सिंह

मृतक राजेन्द्र द्विवेदी की संदिग्ध मृत्यु का मामला अब और पेचीदा होता जा रहा है। परिवार ने आरोप लगाया है कि यह प्राकृतिक मृत्यु नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या का मामला है और हत्या के बाद अब साक्ष्य मिटाने की कोशिशें की जा रही हैं। शिकायतकर्ता राघवेन्द्र दुबे ने सदर थाना किशनगंज को दिये आवेदन में रानी कुमारी नामक महिला और उसकी भाभी पर हत्या, षड्यंत्र, साक्ष्य छुपाने और संपत्ति पर कब्जे की गंभीर शिकायत की है।

अस्पताल से घर और फिर पोस्टमॉर्टम तक हर कदम पर संदेह :- शिकायतकर्ता के अनुसार स्व. राजेंद्र द्विवेदी (सेवानिवृत्त कर्मचारी, BSNL) को 1 अक्टूबर की शाम "Brain Haemorrhage" की सूचना देते हुए रानी कुमारी ने परिवार से पैसे मांगे, और प्ब्न में किसी परिजन को मिलने भी नहीं दिया। परिवार जब 3 अक्टूबर को सिलीगुड़ी पहुंचा, तो न उन्हें ICU में जाने दिया गया, न ही डॉक्टरों से बात करने दी गई। सबसे चौंकाने वाला तथ्य, अस्पताल ने MLC (Medico Legal Case) दर्ज ही नहीं किया, जबकि बाद में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर, गर्दन और छाती पर गंभीर चोटें पाई गईं।

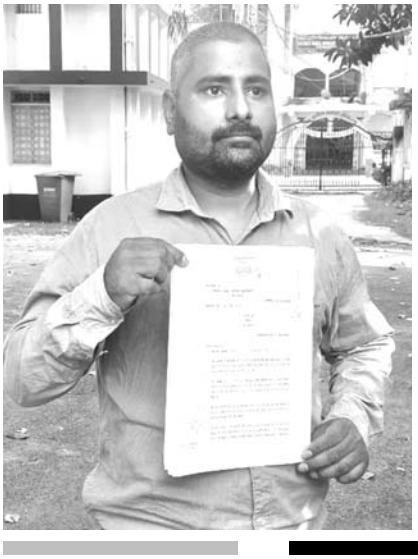

पोस्टमॉर्टम में खुलासा, मौत प्राकृतिक नहीं, हिंसक चोटों से हुई :- 15 अक्टूबर 2025 के पोस्टमॉर्टम में पाए गए निष्कर्ष चौंकाने वाले हैं। दाहिने कान के पीछे 6×4 सेमी का गहरा जख्म, गर्दन से कंधे तक 15×6 सेमी का bruised area, छाती में दोनों ओर सूजन और sternum fracture, मृत्यु का कारण- Ante mortem Head, Neck-Chest Injury.

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक मृत्यु तीन दिन पहले (13 अक्टूबर के आसपास) हुई, जबकि अस्पताल की रिपोर्ट में दो दिन पहले बताई गई, जो कि स्पष्ट विरोधाभास है। इसी के आधार पर परिवार का आरोप है कि "यह पूरी तरह से शारीरिक हमले, दुराचार और हत्या की ओर संकेत करता है, जिसे अस्पताल के मिलीभगत से 'Natural CVA' दिखाकर छिपाया गया।"

शव देने का समय छिपाया, रानी कुमारी के साइन, संदेह और गहरा :- अस्पताल से शव प्राप्त करने की रसीद में मृत्यु का समय व शव मिलने का समय नहीं दिया गया है, जबकि रानी कुमारी के हस्ताक्षर मौजूद हैं। परिजन का कहना है किख़ "मृत्यु का समय बताने से सच्चाई उजागर हो जाती, इसलिए जानबूझकर इसे खाली छोड़ा गया।"

साक्ष्य मिटाने की कोशिश, ताला तोड़कर घर में घुसी रानी :- शिकायत के अनुसार 7 व 9 नवंबर को रानी कुमारी ने एक अज्ञात पुरुष के साथ रूईधासा स्थित घर में पीछे व आगे से ताला तोड़कर प्रवेश किया और कपड़े, अटैची, मच्छरदानी सहित कई सामान एक वाहन में भरकर ले गई, जो परिजनों के अनुसार "हत्या के साक्ष्य मिटाने की साजिश" का हिस्सा था।

स्थानीय लोग घटनास्थल पर मौजूद थे, और पीड़ित पक्ष ने 112 पर कॉल भी किया।

परिवार का आरोप, संपत्ति हड़पना भी बड़ी

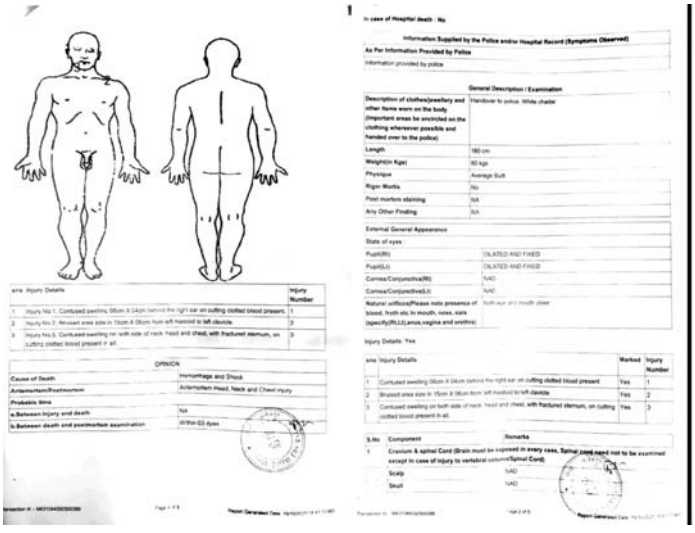

sno	Injury Details	Injury Number
1	Injury No 1. Contused swelling 06cm X 04cm behind the right ear on cutting clotted blood present.	1
2	Injury No 2. Bruised area size in 15cm X 06cm from left mastoid to left clavicle.	2
3	Injury No 3. Contused swelling on both side of neck, head and chest, with fractured sternum, on cutting clotted blood present in all.	3

OPINION	
Cause of Death	Hemorrhage and Shock
Antemortem/Postmortem	Antemortem Head, Neck and Chest injury
Probable time	
a.Between injury and death	NA
b.Between death and postmortem examination	Within 03 dyas

Page 1 of 5

In case of Hospital death : No

Information Supplied by the Police and/or Hospital Record (Symptoms Observed)
As Per Information Provided by Police
Information provided by police

General Description / Examination

Description of clothes/jewellery and other items worn on the body (Important areas be encircled on the clothing wherever possible and handed over to the police)	Handover to police. White chader
Length	180 cm
Weight(in Kgs)	80 kgs
Physique	Average Built
Rigor Mortis	No
Post mortem staining	NA
Any Other Finding	NA

External General Appearance	
State of eyes	
Pupil(Rt)	DILATED AND FIXED
Pupil(Lt)	DILATED AND FIXED
Cornea/Conjunctiva(Rt)	NAD
Cornea/Conjunctiva(Lt)	NAD
Natural orifices(Please note presence of blood, froth etc In mouth, nose, ears (specify(Rt,Lt),anus,vagina and urethra)	both eye and mouth close

Injury Details: Yes

sno	Injury Details	Marked	Injury Number
1	Contused swelling 06cm X 04cm behind the right ear on cutting clotted blood present	Yes	1
2	Bruised area size in 15cm X 06cm from left mastoid to left clavicle	Yes	2
3	Contused swelling on both side of neck, head and chest, with fractured sternum, on cutting clotted blood present in all	Yes	3

S.No	Component	Remarks
1	Cranium & spinal Cord (Brain must be exposed in every case, Spinal cord need not to be examined except in case of injury to vertebral column/Spinal Cord)	
	Scalp	NAD
	Skull	NAD

Page 2 of 5

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक दिल्ली से प्रकाशित

जर्नलिज़्म टुडे

उत्तर प्रदेश की महिला के फर्जी मुकदमों से परेशान किशनगंज के वरिष्ठ नागरिक - 16 दिनों से न्याय के लिए दर-दर भटक रहे परिजन

मोहम्मद अजीमुद्दीन

किशनगंज/देवरिया, किशनगंज (बिहार) के थाना क्षेत्र से जुड़े एक संवेदनशील मामले में स्थानीय थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन ने मूल प्राथमिकी दर्ज करने और जांच प्रारंभ करने की तत्परता दिखाई है, लेकिन उत्तर प्रदेश के सलेमपुर थाना प्रशासन के असहयोग के कारण पीड़ित परिवार को अब तक न्याय नहीं मिल सका है। पीड़ित पक्ष के अनुसार, रानी कुमारी नामक एक महिला पिछले कई दिनों से देवरिया जिले के महिला थाना में लगातार फर्जी मामले दर्ज करा रही है। इन मामलों में उन्होंने किशनगंज निवासी वरिष्ठ नागरिक रविंद्र नाथ दुबे, जो कि सेवानिवृत्त केंद्रीय विद्यालय शिक्षक हैं, को झूठे आरोपों में फंसाना चाह रही है। परिवार का कहना है कि उन्होंने रानी कुमारी को कभी देखा तक नहीं, फिर भी महिला थाने में उनके विरुद्ध बार-बार शिकायतें दी जा रही हैं। पिछले 16 दिनों से परिवार न्याय की मांग को लेकर किशनगंज से लेकर देवरिया तक अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है, परंतु अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। परिवार ने मामले से संबंधित पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट एवं साक्ष्य संबंधित विभागों को सौंपे हैं तथा पुलिस प्रशासन से तत्काल निष्पक्ष जांच और उत्पीड़न पर रोक लगाने की मांग की है।

03 MONDAY,03.NOVEMBER,2025

کشن گنج کے بزرگ شہری اتر پردیش کی ایک خاتون کی طرف سے درج کرائے گئے جھوٹے مقدمات سے پریشان

کشن گنج/دیوریا، (محمد عظیم الدین): کشن گنج ضلع کے بہار تھانے کے علاقے سے جڑے ایک حساس معاملے میں مقامی پولیس اسٹیشن کے انچارج ابھیشیک کمار رنجن نے ابتدائی ایف آئی آر درج کرنے اور تحقیقات شروع کرنے میں جلد بازی کا مظاہرہ کیا، لیکن اتر پردیش کے سلیم پور پولیس اسٹیشن انتظامیہ کے تعاون کے فقدان کی وجہ سے متاثرہ خاندان کو ابھی تک انصاف نہیں مل سکا ہے۔ متاثرہ فریق کے مطابق رانی کماری نامی خاتون کئی دنوں سے دیوریا ضلع کے خواتین پولیس اسٹیشن میں بار بار جھوٹے کیس درج کروا رہی ہے۔ ان معاملات میں وہ ریٹائرڈ ٹیچر رویندر ناتھ دوبے کو جھوٹے الزامات میں پھنسانے کی کوشش کر رہی ہے۔ اہل خانہ کا دعویٰ ہے کہ انہوں نے رانی کماری کو کبھی دیکھا تک نہیں، پھر بھی وہ بار بار ان کے خلاف خواتین پولیس اسٹیشن میں شکایتیں درج کرا رہی ہے۔ گزشتہ 16 دنوں سے خاندان انصاف کی مانگ کو لے کر کشن گنج سے دیوریا تک حکام کے دربار کا چکر لگا رہا ہے، لیکن کوئی ٹھوس کارروائی نہیں کی گئی۔ لواحقین نے کیس سے متعلق شواہد متعلقہ محکموں کو جمع کرائے ہیں اور پولیس انتظامیہ سے فوری غیر جانبدارانہ تحقیقات اور ہراساں کرنے کے لئے درج کرائے گئے مقدمے کے خاتمے کا مطالبہ کیا ہے۔

वजह :- शिकायतकर्ता का कहना है कि रानी कुमारी और उसकी भाभी शुरू से ही स्व. राजेंद्र द्विवेदी की संपत्ति हड़पने की कोशिश में थीं। परिवार का दावा है "रानी कुमारी ने इलाज के नाम पर पैसे लिए, घर पर कब्जा करने की कोशिश की और अब हत्या को छिपाने हेतु साक्ष्य मिटा रही है।"

कोर्ट की कड़ी टिप्पणी, SP व SHO से रिपोर्ट तलब :- इस पूरे विवाद में एक और महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब शिकायतकर्ता की याचिका पर CJ.M. कोर्ट, किशनगंज ने सुनवाई करते हुए पाया कि शिकायतकर्ता ने थाना व एसपी को आवेदन दिया, लेकिन किसी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

अदालत ने आदेश दिया :- SP किशनगंज, SHO सदर थाना, दोनों से रिपोर्ट तलब की जाए कि अब तक क्या कानूनी कार्रवाई हुई। ऑर्डरशीट के अनुसार आरोप "गंभीर प्रकृति" के हैं और विस्तृत जांच आवश्यक है।

परिजनों की मांग, हत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की जाए :- परिवार ने पुलिस से इन धाराओं में FIR दर्ज करने की मांग की है। साथ ही वे चाहते हैं कि अस्पताल रिकॉर्ड, CCTV, मेडिकल रजिस्टर तुरंत सीज हों। विशेष मेडिकल बोर्ड से मामले की पुनः जांच हो। रानी कुमारी और उसकी भाभी को गिरफ्तार किया जाए।

क्या न्याय मिलेगा या मामला दबा दिया जाएगा? परिजनों का दर्द और सवाल दोनों गहरे हैं। क्यों अस्पताल ने MLC नहीं दर्ज किया? क्यों परिवार को ICU में नहीं जाने दिया गया? क्यों मृत्यु का समय छिपाया गया? क्यों पुलिस ने एक माह तक कोई FIR नहीं की? क्या यह हत्या है जिसे "बीमारी" दिखाकर छुपाया गया? किशनगंज के इस बहुचर्चित मामले में अब सभी की निगाहें अदालत, पुलिस और उच्चाधिकारियों की ओर हैं। क्या न्याय होगा या यह मामला भी कई अन्य मामलों की तरह फाइलों में दब जाएगा? ●

चिटफंड कंपनी फरार, महिलाओं से ठगी का आरोप

● धर्मेन्द्र सिंह

शहर के हलिम चौक पावर हाउस क्षेत्र में एक चिटफंड कंपनी द्वारा महिलाओं से ठगी किए जाने का मामला 18 नवंबर को उजागर हुआ। कंपनी के दफ्तर पर ताला लटका मिलने के बाद दर्जनों महिलाएं भड़क उठीं और कार्यालय के बाहर जमकर हंगामा किया। पीड़ित महिलाओं के अनुसार, कंपनी ने डेढ़ लाख रुपये का लोन देने का लालच देकर प्रत्येक महिला से 5-5 हजार रुपये जमा करवाए थे। निर्धारित तिथि पर जब सभी महिलाएं कागजी प्रक्रिया पूरी करने कंपनी कार्यालय पहुंची, तो पाया कि ऑफिस बंद है और कर्मचारी गायब हैं। स्थिति बिगड़ने पर नाराज महिलाओं और स्थानीय लोगों ने किशनगंज-बहादुरगंज मुख्य सड़क को कुछ देर के लिए जाम कर दिया। हंगामे की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत करवाकर स्थिति को सामान्य किया। पुलिस ने बताया कि मामला गंभीर है और कंपनी संचालकों के खिलाफ ठगी व धोखाधड़ी के तहत जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही कंपनी के मालिकों व एजेंटों की तलाश की जा रही है। स्थानीय लोग इसे शहर में बढ़ती फर्जी वित्तीय कंपनियों की गतिविधियों का परिणाम बता रहे हैं और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ●

पहले निर्माण बाद में टेंडर
जांच पूरी होगी या फिर लीपापोती!

● धर्मेन्द्र सिंह

भवन निर्माण विभाग, किशनगंज एक बार फिर विवादों में है। विभाग पर लगातार यह आरोप लगते रहे हैं कि कुछ चुनिंदा ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी नियमों को दरकिनार कर 'पहले भवन/मरम्मत, और बाद में टेंडर' की पद्धति अपनाई जाती है। कई लाख के कामों में यह पैटर्न लगातार देखने को मिल रहा है, जिससे विभागीय कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

❖ **गार्ड रूम, आवासों की मरम्मत और दफ्तरों में निर्माण : सब काम पहले, टेंडर बाद में :-** सूत्रों के अनुसार जिले में हाल ही में जिला कोषागार परिसर में गार्ड रूम निर्माण, समाहरणालय के विभिन्न कक्षों की मरम्मत तथा कई अधिकारियों के आवासीय परिसरों में रिपेयरिंग कार्य पहले पूरा करा दिया गया, और इसके बाद विभाग द्वारा उन्हीं कार्यों के लिए टेंडर जारी किया गया। यह न सिर्फ विभागीय प्रक्रिया का खुला उल्लंघन है बल्कि यह सवाल भी उठाता है कि जब काम पहले ही पूरा हो चुका था, तो टेंडर किस लिए निकाला गया? किसे लाभ पहुंचाने के लिए यह 'कागजी टेंडर' तैयार किया गया? इस पूरे खेल में कमीशन, फर्जी अनुमानों और 'मनचाहे संवेदकों' को लाभ पहुंचाने का आरोप लगातार विभागीय गलियारों में चर्चा का विषय रहा है।

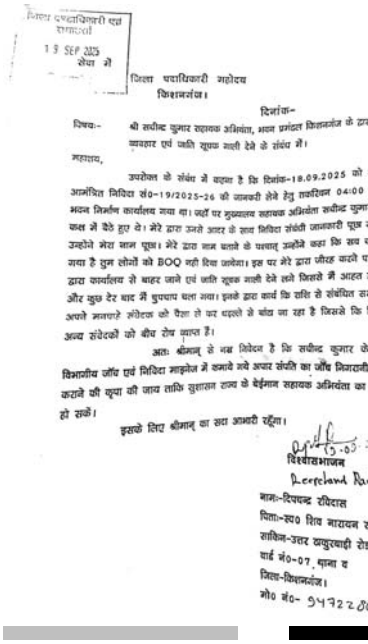

जिला पदाधिकारी एवं समाहर्ता
19 SEP 2025
सेवा में
जिला पदाधिकारी महोदय
किशनगंज।

दिनांक-

विषयः- श्री सचीन्द्र कुमार सहायक अभियंता, भवन प्रमंडल किशनगंज के द्वारा अभद्र व्यवहार एवं जाति सूचक गाली देने के संबंध में।

महाशय,

उपरोक्त के संबंध में कहना है कि दिनांक-18.09.2025 को मुझ के आमंत्रित निविदा सं0-19/2025-26 की जानकारी लेने हेतु तकरीबन 04:00 बजे मैं भवन निर्माण कार्यालय गया था। जहाँ पर मुख्यालय सहायक अभियंता सचीन्द्र कुमार अपने कक्ष में बैठे हुए थे। मेरे द्वारा उनसे आदर के साथ निविदा संबंधी जानकारी पूछा गया तो उन्होंने मेरा नाम पूछा। मेरे द्वारा नाम बताने के पश्चात् उन्होंने कहा कि सब काम हो गया है तुम लोगों को BOQ नही दिया जायेगा। इस पर मेरे द्वारा जीरह करने पर उनके द्वारा कार्यालय से बाहर जाने एवं जाति सूचक गाली देने लगे जिससे मैं आहत हो गया और कुछ देर बाद मैं चुपचाप चला गया। इनके द्वारा कार्य कि राशि से संबंधित सभी कार्य अपने मनचाहे संवेदक को पैसा ले कर पहले से बांटा जा रहा है जिससे कि जिले के अन्य संवेदकों को बीच रोष व्याप्त है।

अतः श्रीमान् से नम्र निवेदन है कि सचीन्द्र कुमार के विरुद्ध विभागीय जाँच एवं निविदा माइनोज में कमाये गये अपार संपति का जाँच निगरानी के द्वारा कराने की कृपा की जाय ताकि सुशासन राज्य के बेईमान सहायक अभियंता का भंडाफोड़ हो सके।

इसके लिए श्रीमान् का सदा आभारी रहूँगा।

विश्वासभाजन
नामः-दिपचन्द्र रविदास
पिताः-स्व0 शिव नारायन रविदास
साकिन-उत्तर खगुरबाड़ी रोड
वार्ड नं0-07, थाना व
जिला-किशनगंज।
मो0 नं0- 9472280900

❖ **बंद दरवाजों के पीछे का गोलमाल, अधिकारी सवालों के घेरे में :-** विभागीय सूत्र बताते हैं कि कई कार्यों में टेंडर की जानकारी चुनिंदा लोगों को ही दी जाती है, जबकि सामान्य संवेदक महीनों तक जानकारी के लिए भटकते रहते हैं। इसी कड़ी में हाल ही में सहायक अभियंता सचीन्द्र कुमार पर एक संवेदक ने गंभीर आरोप लगाए हैं।

❖ **सहायक अभियंता पर जातिसूचक गाली व धमकी का आरोप :-** पीड़ित संवेदक के अनुसार 18 सितंबर 2025 को वह आमंत्रित निविदा संख्या 19/2025-26 से संबंधित जानकारी लेने भवन निर्माण कार्यालय पहुंचे थे। आरोप है कि सहायक अभियंता ने उनका नाम और जाति पूछकर कथित रूप से जातिसूचक टिप्पणी की और कार्यालय से बाहर निकाल दिया। पीड़ित ने इस संबंध में 19 सितंबर को डीएम, एसडीओ और एसपी को आवेदन दिया, लेकिन कार्रवाई के अभाव में उन्होंने 18 अक्टूबर को बिहार राज्य अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग को भी शिकायत भेजी। आरोप यह भी है कि शिकायत वापस लेने के लिए उनके घर पर 'अज्ञात व्यक्तियों' के द्वारा धमकाया जा रहा है। अब मामला राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग, नई दिल्ली तक पहुंच गया है, जहां पीड़ित ने पूरी घटना की जांच और आरोपी अधिकारी के विरुद्ध विभागीय व निगरानी जांच की मांग की है।

❖ **कटघरे में भवन निर्माण विभाग : सवाल, जिनके उत्तर जरूरी :-**

☞ जब निर्माण पहले पूरा हो चुका था तो टेंडर क्यों निकाला गया?

☞ क्या विभाग के चुनिंदा ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए कागजी प्रक्रिया का इस्तेमाल किया गया?

☞ BOQ और निविदा प्रक्रिया में मनमानी क्यों हो रही है?

☞ जातिसूचक टिप्पणी और धमकियों के आरोपों की जांच अब तक क्यों नहीं हुई?

☞ क्या इस मामले में विभागीय लीपापोती की कोशिश जारी है?

❖ **भवन निर्माण विभाग की 'काली करतूतों' से उठेगा पर्दा? :-** किशनगंज के संवेदक लगातार शिकायतें दे रहे हैं कि विभागीय अधिकारी बंद कमरों में बैठकर करोड़ों की परियोजनाओं में मनमानी कर रहे हैं। अब जब मामला आयोगों और उच्चस्तरीय दफ्तरों तक पहुंच चुका है, यह देखना होगा कि क्या सच में जांच होगी या एक बार फिर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा? चर्चा है कि बरसों से किशनगंज भवन निर्माण विभाग में जमे एकाउंटेंट कमलेश सहित विभागीय अधिकारियों की भूमिका पर उठ रहे सवाल, कई बार तबादला के बाद एकाउंटेंट का किशनगंज भवन निर्माण विभाग में प्रतिनियुक्ति कर किया जा रहा टेंडर मैनेज का खेल। पूर्व में भी जिला कोषागार परिसर में गार्डरूम सहित दो दर्जन काम पूरा करने के बाद उसी काम का टेंडर निकालने की जांच पूरी भी नहीं हुई है कि नया खेला सामने आ गया है। किशनगंज भवन निर्माण विभाग में आखिर कब तक काम पहले और टेंडर बाद में वाला खेल चलता रहेगा? कब होगी कार्रवाई? ●

तौसीफ आलम के भड़काऊ बयानों से सियासत तेज

● धर्मेन्द्र सिंह

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच किशनगंज जिले की बहादुरगंज विधानसभा सीट पर एआईएमआईएम की चुनावी सभा ने राजनीतिक माहौल को अचानक गर्म कर दिया है। लौचा नया हाट और बंगाली चौक मैदान में आयोजित दो बड़े जनसभाओं के दौरान एआईएमआईएम प्रत्याशी तौसीफ आलम के तीखे और विवादित बयान सुर्खियों में हैं। दोनों सभाओं में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे।

☞ **तेजस्वी यादव पर तीखा हमला :-** लौचा नया हाट की सभा में तौसीफ आलम ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर जमकर भड़ास निकाली। पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में तेजस्वी द्वारा ओवैसी को "चरमपंथी" कहने पर तौसीफ आलम ने बेहद आक्रामक भाषा का इस्तेमाल करते हुए मंच से ही उन पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि असदुद्दीन ओवैसी पर टिप्पणी करने वालों को "कड़ा राजनीतिक जवाब" मिलेगा। इसी दौरान ओवैसी ने भी अपने संबोधन में कहा कि "लालू परिवार को दाढ़ी रखने और टोपी पहनने वाले लोग चरमपंथी दिखाई देते हैं।" भीड़ ने इन बयानों पर

मिश्रित प्रतिक्रिया दी।

☞ **पप्पू यादव पर भी बरसे तौसीफ आलम :-** बंगाली चौक मैदान में हुई दूसरी बड़ी सभा में तौसीफ आलम ने इस बार निशाना साधा पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव पर। उन्होंने पप्पू यादव के हालिया राजनीतिक बयानों और ओवैसी पर की गई टिप्पणियों का जवाब देते हुए कहा कि पप्पू यादव खुद को जिस "कठोर छवि" के लिए जाना जाता है, उसका सही जवाब उन्हें दिया जाएगा। तौसीफ ने पप्पू यादव की तुलना देश के कुछ बदनाम व्यक्तियों से करते हुए कहा कि वे ओवैसी की सुरक्षा और राजनीति को लेकर अनावश्यक बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि यदि ओवैसी के खिलाफ बयानबाजी जारी रही तो वे पूर्णिया में जाकर राजनीतिक जवाब देंगे। सभा में मौजूद भीड़ इन बयानों को लेकर उत्साह और हैरानी दोनों तरह की प्रतिक्रिया देती दिखी।

☞ **ओवैसी का संबोधन :-** असदुद्दीन ओवैसी ने अपने भाषण में कहा कि मुसलमानों की आवाज उठाना उनका संवैधानिक अधिकार है और इसे चरमपंथ कहना राजनीतिक भ्रम फैलाने जैसा है। उन्होंने कहा कि उन पर की गई आलोचनाओं का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दिया जाएगा।

☞ **चुनावी मौसम में बयानबाजी तेज :-** बहादुरगंज की इन सभाओं के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। एक ओर एआईएमआईएम अपने जनाधार को मजबूत करने में जुटी है, वहीं दूसरी ओर प्रतिद्वंद्वी दल इन बयानों को चुनाव आयोग के नियमानुसार कार्रवाई योग्य बता रहे हैं। कुल मिलाकर, बहादुरगंज की यह चुनावी सभा न सिर्फ भीड़ और उत्साह के लिए याद रहेगी, बल्कि तीखी बयानबाजी और राजनीतिक तापमान बढ़ाने के लिए भी सुर्खियां बटोर रही है।●

अशोक सम्राट भवन में भास्कर महोत्सव

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज के खगड़ा स्थित अशोक सम्राट भवन में आयोजित भास्कर महोत्सव में लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा अपनी पूरी भव्यता व उत्साह के साथ मनाया गया। सांस्कृतिक रंगों से सजे इस आयोजन में श्रद्धा, सामूहिकता और सामाजिक संदेशों का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की सबसे खास झलक उस समय देखने को मिली जब किशनगंज के पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने छठ पूजा का गीत गाकर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एसपी की सुरीली प्रस्तुति को लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से सराहा। महोत्सव में जिलाधिकारी विशाल राज, एसपी सागर कुमार सहित जिले के कई वरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर जिलाधिकारी विशाल राज ने अपने संबोधन में मतदाता जागरूकता अभियान पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का एक-एक वोट अमूल्य है, इसलिए सभी मतदाताओं को उत्साहपूर्वक मतदान में भाग लेना चाहिए। भास्कर महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां हुईं, जिनमें कलाकारों ने स्थानीय लोक संस्कृति को खूबसूरती से मंचित किया। साथ ही समाजिक जागरूकता और जिम्मेदारी का संदेश भी दिया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहनीय बताया। आस्था, मनोरंजन और जन-जागरूकता का ऐसा संतुलित संगम भास्कर महोत्सव को विशेष बना दिया।●

कोचिंग के सपनों से देह व्यापार के अंधेरों तक

नाबालिग की दर्दनाक दास्तां

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले से एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया है। बहादुरगंज के प्रेम नगर क्षेत्र से जान बचाकर भागी एक नाबालिग छात्रा जब स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस तक पहुंची तो उसकी आपबीती सुनकर सभी स्तब्ध रह गए। यह लड़की मध्य प्रदेश के एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखती है। पढ़ाई में तेज और कुछ कर गुजरने का सपना लिए वह परिवार के दबाव और आर्थिक तंगी के बीच अपना रास्ता खुद बनाना चाहती थी। इसी दौरान उसे पटना के प्रसिद्ध शिक्षक 'खान सर' के बारे में पता चला, जिन्होंने उसे मुफ्त में पढ़ाने की सहमति तो दी, मगर रहने का खर्च उठाने के लिए पार्ट-टाइम काम खोजने की सलाह दी।

☞ **नौकरी की तलाश बनी जाल :-** पटना पहुंची छात्रा ने नौकरी की तलाश शुरू की, लेकिन इसी दौरान कुछ दलालों के संपर्क में आने से उसकी जिंदगी खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई। 'मदद' के नाम पर उसे बहलाया-फुसलाया गया और फिर किशनगंज ले जाकर बिसनपुर रेड लाइट एरिया में बेच दिया गया। वहां से उसे बार-बार प्रेम नगर ले जाया जाता, जहां उसे अवैध धंधे में धकेलने की कोशिश होती रही।

☞ **हिम्मत ने बचाई जान :-** कई दिनों तक शोषण और दहशत झेलने के बाद लड़की ने हिम्मत जुटाई। मौका मिलते ही वह वहां से भाग निकली और स्थानीय लोगों से मदद मांगी। बहादुरगंज नगर पंचायत चेयरमैन के पति ने तुरंत कदम उठाते हुए उसे सुरक्षित पुलिस तक पहुंचाया। पुलिस को बयान देते समय लड़की फूट-फूटकर रोने लगी। उसकी दास्तान सुनकर मौजूद लोग भी भावुक हो उठे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और इस काले व्यापार से जुड़े दलालों तथा गिरोह के सदस्यों की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस ने लड़की के परिजनों को सूचित कर दिया है। परिवारजन किशनगंज पहुंचने के लिए रवाना हो चुके हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने दोषियों पर तुरंत और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।●

जुगाड़ वाहनों की बढ़ती संख्या, सड़क सुरक्षा पर बड़ा सवाल

● फरीद अहमद

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज व पौआखाली क्षेत्र में जुगाड़ वाहनों का परिचालन लगातार बढ़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि बिना रजिस्ट्रेशन और बिना सुरक्षा मानकों के बनाए गए ये वाहन सड़कों पर खुलेआम दौड़ रहे हैं, लेकिन परिवहन विभाग और स्थानीय प्रशासन स्थिति पर पूरी तरह चुप है। विभाग इस ओर उदासीन नजर आ रहे है। रोजाना मुख्य सड़कों और गांव के रास्तों पर चल रहे ये जुगाड़ वाहन न सिर्फ ट्रैफिक प्रणाली को असर डाल रहे हैं, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। इन वाहनों में न उचित ब्रेक, न लाइट, न कोई सुरक्षा फीचर होता है। खराब संतुलन और कमजोर ढांचा होने के कारण छोटे हादसे भी बड़ी दुर्घटना में बदल सकते हैं। जुगाड़ वाहन टैक्स, बीमा और रजिस्ट्रेशन से बाहर रहते हैं, जिससे सरकार को प्रत्यक्ष राजस्व हानि होती है। वाहन पर न नंबर होता है, न कोई रिकॉर्ड। किसी दुर्घटना या अपराध की स्थिति में वाहन मालिक का पता लगाना बेहद मुश्किल हो जाता है।

☞ **पर्यावरण प्रदूषण का खतरा :-** अधिकांश जुगाड़ वाहन पुराने इंजन और अनफिट पार्ट्स से चलते हैं, जिससे अत्यधिक धुआं और ध्वनि प्रदूषण फैलता है।●

पौआखाली पुलिस की नशा के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

● फरीद अहमद

किशनगंज जिले के पौआखाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में इखलाक, उम्र 26 वर्ष, पिता-मुर्तजा, विष्णु कुमार राय, उम्र 26 वर्ष, पिता-जयनाथ लाल, दोनों आरोपी पौआखाली थाना क्षेत्र के ही निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने तलाशी के दौरान दोनों के पास से कुल 04 ग्राम ब्राउन शुगर, 3. 31 ग्राम गांजा तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामदगी के आधार पर दोनों युवकों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पौआखाली थानाध्यक्ष अंकित सिंह कहा कि आगे भी नशा के विरूद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।

❖ **थानाध्यक्ष अंकित सिंह की ताबड़तोड़ कार्रवाई** :-दोनों पकड़ाए अभियुक्तों के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर मुख्य तस्कर 01. उमर फारुख उम्र-30 वर्ष पिता-जावेद खान सा-सिमलबाड़ी थाना-पौआखाली को गिरफ्तार किया गया है।

❖ **इसका अपराधिक इतिहास** :- पौआखाली थाना कांड संख्या-45/25 दिनांक-14/06/25 धारा-8(c)/21(a) NDPS Act

पौआखाली थानाध्यक्ष अंकित सिंह ने कहा कि नशा के विरूद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।●

345 लीटर शराब के साथ पिकअप जब्त

● फरीद अहमद

किशनगंज जिले के सुखानी थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तातपौआ मोड़ पर शराब से भरी एक पिकअप गाड़ी को जप्त किया है। यह पिकअप बंगाल से दरभंगा जा रही थी। जांच के दौरान वाहन में 40 कार्टून में कुल 345 लीटर 600 एमएल शराब बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पिकअप के चालक सहायक को मौके पर गिरफ्तार कर लिया, जबकि मुख्य चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। पकड़े गए चालक सहायक की पहचान लाल मोहन मुखिया, जिला दरभंगा निवासी के रूप में हुई है। घटना की पुष्टि सुखानी थानाध्यक्ष मन्नु कुमारी ने की है। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध पिकअप को रोका और तलाशी में भारी मात्रा में शराब बरामद की गई।●

नकली हथियार बनाने वाले फैक्ट्री पर पुलिस की कार्रवाई

❖ **गिरफ्तारी :-** शंकर शर्मा पिता स्व० बिन्देश्वरी शर्मा सा० डुमरा देवराज, थाना लौरिया, जिला प० चम्पारण, बेतिया। अजय शर्मा पिता शंकर शर्मा सा० डुमरा देवराज, थाना लौरिया, जिला प० चम्पारण, बेतिया।

❖ **बरामदगी :-**

(1) एक देशी कट्टा, (2) एक एकनाली बंदूक, (3) एक अर्द्धनिर्मित पिस्टल, (4) पाँच जिंदा कारतुस, (6) एक मिसफायर कारतुस. (7) एक खोखा, (8) एक पिस्टल का मैगजीन, (9) पिस्टल का बैरेल, (10) नौ पीस पिस्टल / कट्टा का हैमर (11) चार पीस ट्रिगर. (12) चौतीस पीस पिस्टल / कट्टा का स्प्रिंग गाईड (13) एक पीस लोहा छेद करने का बरमा (14) एक पीस आग्नेयास्त्र मापने वाला गज (15) दो पीस राईफल का शेयर (16) हथियार कसने वाला यंत्र (टवपबम), (17) एक हथौड़ी, (18) एक रेती, (19) चार पीस हैंड ड्रिल का फल्ली (लोहा छेदने वाला), (20) एक पीस पिस्टल का बैरेल (21) दो पीस हथियार का मोटाई जाँच करने वाला यंत्र (डाया), (22) दो पीस स्लाईड लॉकिंग (23) एक पीस बैरेल का कटा हुआ भाग, (24) एक पीस बैरेल की सिधाई मापने वाला यंत्र (गेज), (25) दो पीस बैरेल क्लिनिंग रड, (26) एक पीस ड्रीड, (27) दो पीस लौंग फ्लायर, (28) एक पिन. (29) एक सेफ्टी शेयर, (30) एक स्कू ड्राईव प्लस, (31) एक पेचकस बरामद किया गया।

❖ **छापामारी दल :-**

☞ श्री विवेक दीप, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-1, बेतिया।

☞ श्री जय प्रकाश सिंह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नरकटियागंज, बेतिया।

☞ श्रीमती रागिनी कुमारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, रामनगर, बगहा।

☞ पु०नि० रमेश कुमार शर्मा, थानाध्यक्ष, लौरिया थाना।

☞ पु०नि० दीपक कुमार, थानाध्यक्ष, रामनगर थाना।

☞ थानाध्यक्ष, गोवर्द्धना थाना।

☞ पु०अ०नि० इन्द्रजीत पासवान, डी०आई०यू०, पुलिस कार्यालय, बेतिया।

☞ पु०अ०नि० ओम प्रकाश, डी०आई०यू०, पुलिस कार्यालय, बेतिया।

☞ पु०अ०नि० सुधीर कुमार, अपर थानाध्यक्ष, लौरिया थाना।

☞ पु०अ०नि० नीशी कुमारी, लौरिया थाना।

☞ पु०अ०नि० सौरभ कुमार, लौरिया थाना।

☞ डी०आई०यू० के टीम में शामिल सिपाही।

● **रवि रंजन मिश्र**

बेतिया पुलिस द्वारा एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लौरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत छापामारी कर हथियार बनाने का एक कारखाना का उद्वेदन किया है। पुलिस ने साथ ही हथियार बनाने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है और भारी मात्रा में निर्माता व अर्ध निर्मित हथियार भी बरामद किया है। उक्त जानकारी देते हुए सीडीपीओ- 1 ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को शांतिपूर्ण संपन्न कराने हेतु पुलिस अधीक्षक , पश्चिम चंपारण बेतिया द्वारा अपराध कर्मियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रमशः में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-1 बेतिया, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नरकटियागंज, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, रामनगर, बगहा एवं जिला आसूचना इकाई, बेतिया के संयुक्त प्रयास से एक इंटेलिजेंस विकसित किया गया। जिससे सूचना मिली कि शंकर शर्मा सा० डुमरा देवराज, थाना लौरिया, जिला प० चम्पारण के घर में एक गन फैक्ट्री संचालित है जिसमें शंकर शर्मा पिता स्व० बिन्देश्वरी शर्मा, 2. अजय शर्मा पिता पंकज शर्मा अपने घर में मिनी गन फैक्ट्री संचालित कर देशी पिस्तौल / कट्टा बनाते है। इस सूचना पर पुलिस अधीक्षक , प० चम्पारण बेतिया द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1 बेतिया,

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नरकटियागंज, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामनगर बगहा, थानाध्यक्ष लौरिया थानाध्यक्ष, गोवर्द्धना एवं थानाध्यक्ष, रामनगर बगहा एवं जिला आसूचना इकाई, बेतिया के संयुक्त रूप से एक टीम गठित कर दिनांक-03.11.2025 की बीते रात्रि उक्त मिनी गन फैक्ट्री की बरामदगी हेतु 1. शंकर शर्मा पिता स्व० बिन्देश्वरी शर्मा, 2. अजय शर्मा पिता पंकज शर्मा अपने घर पर छापामारी के कम में शंकर शर्मा के घर से (1) एक देशी कट्टा. (2) एक एकनाली बंदूक, (3) एक अर्द्धनिर्मित पिस्टल इत्यादि देशी कट्टा/गन बनाने वाले 31 सामानों की बरामगदी हुआ, जिसकी सूची बरामदगी में उल्लेखित है। जिस संबंध में बरामद सभी सामानों की विधिवत जप्ती सूची बनाते हुए 1. शंकर शर्मा एवं 2 अजय शर्मा को गिरफ्तार किया गया जिसके संबंध में लौरिया थाना कांड सं0-463/25 दिनांक-03.11.25 धारा-25(1-B01/25(1-1)/26(1)/25(1-1)/25 (1-11)/26(ii)/35 अर्मस एक्ट दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।●

गन्ना किसानों के हितों के प्रति जिला प्रशासन पूर्णतः प्रतिबद्ध

● रवि रंजन मिश्र

पेराई सत्र 2025-26 की व्यापक तैयारियों की समीक्षा के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी श्री धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के सभी ईख पदाधिकारियों, चीनी मिल प्रबंधकों, किसान प्रतिनिधियों, परिवहन व माप-तौल विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी पेराई सत्र को सुचारू, पारदर्शी और किसान हितकारी बनाना था। बैठक के दौरान ईख पदाधिकारी बेतिया अंचल, श्री रेमन्त झा ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से अब तक की गई तैयारियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने मिलों की पेराई क्षमता, किसानों द्वारा पंजीकरण, पथ क्रय केन्द्रों की वर्तमान स्थिति, तौल व्यवस्था, परिवहन प्रबंधन, कैलेंडर वितरण तथा सट्टा नीति के अनुपालन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जिला पदाधिकारी को अवगत कराया। प्रस्तुति के बाद जिला पदाधिकारी ने अलग-अलग विभागों के अधिकारियों और मिल प्रबंधकों से तैयारी की स्थिति के बारे में विस्तार से सवाल पूछे और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि सट्टा नीति का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी चीनी मिलें विभागीय निर्देशों के अनुरूप पेराई कैलेंडर तैयार करें और उसे किसानों के बीच समय पर वितरित करें, ताकि गन्ना आपूर्ति में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि चालान निर्गमन पूर्ण रूप से पारदर्शी हो और सभी मिलें समानुपातिक तरीके से चालान जारी करें। उन्होंने निर्देश दिया कि पेराई सत्र प्रारंभ होने से पहले सभी पथ क्रय केन्द्रों की स्थापना हर स्थिति में पूरी कर ली जाए। उन्होंने कहा कि गन्ने की पोचिंग किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है, और ऐसा करते पाए जाने पर संबंधित चीनी मिल के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन किसानों के हितों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है और गन्ने का समुचित निष्पादन तथा ईख मूल्य का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा।

जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि मिलें गन्ने की खरीद में सही वजन सुनिश्चित करें और किसी भी प्रकार की घटतौली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने एसडीएम नरकटियागंज और बगहा को विशेष रूप से निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बिचौलियों के माध्यम से गन्ना खरीदने की शिकायतें कई बार मिलती हैं, इसलिए मिल प्रबंधन यह सुनिश्चित करे कि कोई बिचौलिया गन्ना खरीद में हस्तक्षेप न करे। माप-तौल निरीक्षकों को निर्देश दिया गया कि वे प्रत्येक पंद्रह दिनों में सभी मिल गेटों और पथ क्रय केन्द्रों पर स्थापित तौल सेतुओं की विधिवत जांच करें और सुनिश्चित करें कि डिजिटल तौल में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो। यदि किसी निरीक्षक की संलिप्तता घटतौली में पाई जाती है, तो उसके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला पदाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि अनुमंडल पदाधिकारी अतिक्रमित सड़कों से अतिक्रमण को हटवाएं, ताकि पेराई अवधि में बढ़े हुए यातायात के बीच वाहन एवं आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिला परिवहन पदाधिकारी को ओवरलोडिंग रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने को कहा गया। इसके साथ ही एसडीएम और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को सुगर मिलों से समन्वय कर सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने और मिलों से आवश्यकतानुसार वॉलंटियर्स उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने यूपी-बिहार सीमा पर निगरानी को सख्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि चीनी मिल के आरक्षित क्षेत्र के बाहर अथवा राज्य के बाहर का गन्ना क्रय नहीं हो, इस हेतु सख्त निगरानी की जाय। इस प्रकार की गतिविधि में शामिल किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध सीधे एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन ने जिले के सभी गन्ना किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे मिश्रित प्रभेद का गन्ना आपूर्ति में न दें, क्योंकि इससे गुणवत्ता प्रभावित होती है और भुगतान संबंधी कठिनाइयाँ उत्पन्न होती हैं। अनुमंडल पदाधिकारी, बगहा, श्री गौरव कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, नरकटियागंज, श्री सूर्य प्रकाश गुप्ता, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) बेतिया एवं बगहा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बगहा/रामनगर/नरकटियागंज, जिला परिवहन पदाधिकारी, ईख पदाधिकारी, बेतिया अंचल, श्री रेमन्त झा, ईख पदाधिकारी, रामनगर अंचल, श्री श्रीराम सिंह, सहायक निदेशक, ईख विकास, बगहा, श्री अरविन्द कुमार, सहायक निदेशक, ईख विकास, बेतिया, श्री राम ईश्वर प्रसाद, निरीक्षक, माप-तौल श्री अजय कुमार एवं श्री हरिकिशोर द्विवेदी, चीनी मिल प्रतिनिधि श्री बी एन त्रिपाठी, श्री के एस ढ़ाका, श्री के पी सिंह, श्री विनोद राठी, श्री शैलेन्द्र कुमार एवं किसान प्रतिनिधि श्री लालबाबू यादव, श्री छोटे श्रीवास्तव, श्री संजय कुमार, श्री विद्याचरण शुक्ल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।●

24 से 29 नवम्बर तक वसूली कैंप का आयोजन

● रवि रंजन मिश्र

प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट माइनोरिटीज फाइनेंशियल कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना के पत्रांक - 5133 दिनांक 13.11.2025 के निर्देश के आलोक में पश्चिम चम्पारण, बेतिया जिलान्तर्गत विभिन्न अल्पसंख्यक ऋण योजनाओं के अंतर्गत ऋण प्राप्त सभी लाभुकों को महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। निगम के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना, एनएमडीएफसी टर्म लोन योजना एवं मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक शिक्षा ऋण योजना के अंतर्गत ऋण लेने वाले ऋण-ग्राहियों से ऋण वसूली हेतु जिले में विशेष कैंप आयोजित किया जा रहा है। यह ऋण वसूली कैंप 24 नवंबर 2025 से 29 नवंबर 2025 तक प्रतिदिन समाहरणालय परिसर स्थित जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया में आयोजित रहेगा। जिला कार्यालय द्वारा सभी ऋण-ग्राहियों से समय पर उपस्थित होकर अपना बकाया ऋण जमा करने की अपील की गई है।

प्रबंध निदेशक के निर्देश के अनुसार सभी ऋण-ग्राहियों को स्पष्ट रूप से सचेत किया गया है कि समय पर ऋण राशि जमा नहीं करने की स्थिति में बकाया राशि पर अतिरिक्त ब्याज एवं दंड-ब्याज लागू होगा। साथ ही, लगातार लंबित रहने की स्थिति में संबंधित बकायेदारों के विरुद्ध दीवानी एवं फौजदारी मुकदमा भी दर्ज किया जा सकता है। निगम द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि वसूली कैंप में उपस्थित होकर ऋण का भुगतान नहीं करने पर ऋणी द्वारा दिया गया कोई भी स्पष्टीकरण मान्य नहीं होगा और इसके बाद किसी भी प्रकार की राहत या छूट उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। इसके मद्देनजर जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी वसूली शिविर के सभी प्रबंधों एवं आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता सहायक निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण अब्दुल रशीद अंसारी ने की। बैठक में जिला निगम प्रभारी-सह-प्रखण्ड अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, बेतिया सदर श्रीमती प्रीति कुमारी, प्रखण्ड अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, नरकटियागंज श्रीमती रूपा कुमारी एवं ''कार्यालय कर्मी श्री ललन कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में सभी अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि कैंप में आने वाले ऋण-ग्राहियों के लिए आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध रहें तथा वसूली प्रक्रिया सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संचालित हो। जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय ने पुनः सभी ऋण-ग्राहियों से अपील की है कि निर्धारित तिथियों में कैंप में अवश्य उपस्थित होकर अपना बकाया ऋण अदा करें, ताकि किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

पुलिस पदाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद ग्रामीणों ने हटाया जाम

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के खवासपुर थाना क्षेत्र के महुली घाट-जानकी बाजार होकर यूपी जाने वाले मुख्य मार्ग पर लगभग 20 घंटे से लगा जाम बुधवार को दिन में करीब 11 बजे समाप्त हो गया। जाम हटने के बाद आखिरकार वाहनों का परिचालन शुरू हो गया। इस जाम ने पूरे इलाके की व्यवस्था अस्त-व्यस्त कर दी थी। सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई थीं, जिससे आम यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग मजबूरन खेतों की पगडंडियों और कच्चे रास्तों का सहारा लेकर अपनी मंजिल तक पहुंचते देखे गये। यह जाम सड़क दुर्घटना के विरोध में लगाया गया था। महुली घाट-जानकी बाजार मार्ग पर टोटो पलटने से कचहरी टोला निवासी स्व. नागनारायण यादव उर्फ नागा यादव के 48 वर्षीय पुत्र और टोटो चालक मंगरू यादव की मौत हो गई थी। दुर्घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। लोगों ने आरोप लगाया कि सामने से लापरवाही से आ रही एक बाइक के कारण टोटो असंतुलित होकर पलट गया, जिससे चालक की मौके पर ही मृत्यु हो गई। दोपहर बाद लगभग तीन बजे से आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। टायर जलाकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। ग्रामीणों की मांग थी कि हादसे में लापरवाह बाइक चालक के विरुद्ध तुरंत कार्रवाई की जाए और मृतक परिवार को उचित मुआवजा मिले। जाम की सूचना पाकर स्थानीय प्रशासन और खवासपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन स्थिति सामान्य नहीं हो सकी। रात तक आंदोलन जारी रहा और स्थिति लगातार तनावपूर्ण बनी रही। बुधवार की सुबह वरिष्ठ पुलिस पदाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि बाइक चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अवश्य की जाएगी। आशवासन देकर जाम हटाने की अपील की। ग्रामीणों के राजी होने के बाद लगभग 20 घंटे बाद सड़क को खाली कराया गया। जाम हटने के साथ ही पुलिस ने मृतक मंगरू यादव के शव का पंचनामा तैयार कराया और पोस्टमार्टम के लिए उसे आरा सदर अस्पताल भेज दिया। सड़क खुलते ही कई घंटों से फंसे वाहन धीरे-धीरे अपनी मंजिल की ओर रवाना होने लगे और इलाके में सामान्य स्थिति बहाल हो सकी। स्थानीय लोगों में अब भी नाराजगी बनी हुई है।●

असमाजिक तत्वों ने धान के टाल में लगायी आग

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर के जगदीशपुर थाना स्थित रूपबांध में असामाजिक तत्वों ने नशे में धुत होकर धान के खेत के टाल में आग लगा दी। पीड़ितों ने जब पुलिस को सूचना दी तो मौके पर पहुंचने के बदले पीड़ितों को ही थाने पर बुलाने लगी। इसकी सूचना मिलने पर पूर्व विधायक भाई दिनेश मौके पर पहुंच खेत में ही जले टाल के पास किसानों के संग धरना पर बैठ गये। पड़ित किसान व रूपबांध गांव निवासी दुखित यादव ने बताया कि खेत से उनका घर कुछ दूरी पर है। वे तीन बीघे में लगी धान फसल को काट कर टाल लगाकर खेत में ही रखे थे। जब वे खेत में पंहुचे तो देखे कि फसल आग लगने से खाक हो चुकी है। टाल के पास ही शराब की खाली बोतल एवं डिस्पोजल पड़ा था। इससे आशंका हुई कि शराब के नशे में धुत होकर ही असामाजिक तत्वों ने धान के खेत में आग लगायी है। इस पर उन्होंने डायल 112 पर कॉल की। उधर से पुलिस जांच करने खेत में आने के बदले थाने पर ही बलाने लगी। ऐसी सूचना पाकर पूर्व विधायक भाई दिनेश मौके पर पहुंचे। पीड़ित किसानों के साथ धरना स्थल पर खेत में ही बैठ गये। मौके से ही पुलिस कप्तान को घटनास्थल का वीडियो व फोटो भेज कर कार्रवाई की मांग की। कप्तान ने कार्रवाई का भरोसा दिलाया तब धरना दोपहर में समाप्त हुआ। थानेदार राजीव रंजन ने बताया कि उनके मोबाइल पर सूचना मिलते ही उस गांव के चौकीदार कौशल यादव को मौके पर भेजा था। वहीं 30 मिनट के अंदर दारोगा राजकुमार मिश्रा को भेज कर जांच करवाई। पीड़ित पक्ष का केस भी दर्ज किया जा चुका है। पुलिस कर्तव्य के प्रति सक्रिय रहती है।●

खनन विभाग के कर्मियों से मारपीट के बाद ले भागे ट्रैक्टर

● गुड्डू कुमार सिंह

सहार थाना क्षेत्र के बरूही में अवैध बालू खनन के खिलाफ खनन विभाग ने छापेमारी अभियान चलाया। खनन निरीक्षक राज गौरव के नेतृत्व में चलाये गये छापेमारी अभियान के दौरान बरूही सोन नदी के रास्ते पर एक अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को पकड़ा गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर पकड़ते ही बजरेयां गांव निवासी राजेश्वर सिंह का पुत्र मुकेश कुमार द्वारा खनन विभाग के पदाधिकारी संग हाथापाई कर ट्रैक्टर को छुड़ाकर भगा दिया गया। वहीं ट्रैक्टर को भगाने पर खनन विभाग द्वारा मुकेश कुमार को पकड़ कर सहार थाना ले आया गया। यहां खनन निरीक्षक की ओर से सहार थाने में अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को हाथापाई कर छुड़ा कर भगाने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में उक्त नामजद आरोपित पर प्राथमिकी दर्ज कराकर पुलिस के हवाले कर दिया गया। सहार थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर सुबोध कुमार ने बताया कि खनन विभाग द्वारा बालु ट्रैक्टर छुड़ाने के मामले और सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने में एक व्यक्ति को जेल भेज दिया गया है।●

नगर परिषद की जमीन पर बनेंगे ऑटो स्टैंड

● गुड्डू कुमार सिंह

सिंचाई विभाग की जमीन पर ऑटो स्टैंड और नगर परिषद की जमीन पर बाइक स्टैंड बनेगा पीरो, संवाद सूत्र नगर के लोहिया चौक और आसपास के इलाकों को जाम से मुक्ति दिलाने के लिये बुधवार को एसडीओ कृष्ण कुमार उपाध्याय ने नगर परिषद् के कर्मियों के साथ बैठक की। बैठक में सीओ लखेन्द्र कुमार, पीरो नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी सैयत आदिल मोहसीन और योजना पदाधिकारी गौरव पाण्डेय ने उपस्थिति दर्ज करायी। सर्वसम्मति से सिंचाई विभाग की जमीन पर ऑटो स्टैंड बनाने के अलावा नगर परिषद् के पिंक शौचालय के बगल में बाइक स्टैंड, थाना से आगे बाइक स्टैंड और नया बस पड़ाव में नगर परिषद् के शौचालय के पास बाइक स्टैंड बनाने का अहम फैसला लिया गया। एसडीओ ने बताया कि फुटपाथी दुकानदारों को ओझवलियां मोड़ और इब्राहिमपुर मोड़ पर शिफ्ट किया जायेगा। सब्जी मंडी के सामने सड़क पर मांस और मछली की दुकानों को हटाया जायेगा। साथ ही वेंडिंग जोन का निर्धारण करने और एक से पांच दिसंबर तक फुटपाथी दुकानदारों को लोहिया चौक से हटाने की प्रक्रिया चलेगी।●

दलहन और तिलहन का मिनी किट किसानों में वितरित

● गुड्डू कुमार सिंह

इन काईक्वेस्ट टेक्नोलॉजी कंसल्टिंग प्रा. लि. ने गड़हनी फेड फॉर्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड बिहार के संयुक्त तत्वावधान मे निदेशक सिद्धनाथ सिंह के सहयोग से दलहन और तिलहन मिनी किट वितरण कार्यक्रम हुआ। किसानों के बीच बीज वितरण किया गया। अनुमंडल कृषि पदाधिकारी एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने बीज का वितरण किया। कृषि पदाधिकारी ने कहा कि कृषि संस्थानों के माध्यम से उन्नत बीजों का उत्पादन सुनिश्चित करना ताकि किसानों को समय पर गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध हो सके। यह पहल बिहार के किसानों के लिए सतत कृषि विकास और उनकी आजीविका में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। मौके पर सीईओ अरुण कुमार सिंह, निदेशक दयाशंकर सिंह, धीरज कुमार सिंह, नगर अध्यक्ष चंदन सोनी, जयगोबिंद सिंह अभिशेष कुमार बिसेन, अनिल कुमार सिंह विध्याचल सिंह, चंदन कुमार सिंह समेत किसान उपस्थित थे।●

जब मुन्ना के बापू नहीं लौटे!

● बिन्ध्याचल सिंह

हमारे मनस्विवों ने काल को तीन भागो में विभाजित किया है-गत, आगत और विगत। जीवन की पहिया इन्ही तीनो की परिधि के बीच घुमती हुई अन्ततः उस महत् के साथ जा मिलती है। गीता के अनुसार आदि है-अन्तत है और सर्वोपरि हैं। गीता में मानव जीवन के प्रति कितनी उदात् भावना है और आदमी उसे कितनी बेरहमी से कुचल डालता है। कृष्ण कहते है कि उन अठारह दिनो के युद्ध में कोई नही मरा, केवल मैं मरा हुॅ। जो भी सैनिक घायल होकर गिरता था, वह कोई और नहीं, मै ही था।

आज जिस क्षण की चर्चा करने जा रहा हूँ, वह कोई कथा कहानी नही बल्कि ऐसे क्षण की, ऐसी जगह की चर्चा है, जहॉ कई दशक से अधिवक्ता समाज के उन सभी वर्गो की हितो की रक्षा की कानूनी लड़ाई लड़ते आ रहे हैं। मैं एक औरत की व्यथा सुनाने जा रहा हुॅ, जिसके पति को दिन की शुभ रोशनी में मौत की नींद सुला दी जाती है। मैं इस जनपद के उच्च न्यायालय के न्याय कक्ष नम्बर-04 में बैठा हूँ। दीवार की घड़ी की सुई टिक-टिक करती हुई

एक अंक से बढकर दो की ओर रेंग रही है। मैं अपनी घड़ी की सुई की तरफ नजर दौड़ाता हूॅ तो पता चलता है कि आज 11 फरवरी 2016 है। तभी मेरी नजर एक सुन्दर तराशे हुआ चेहरा, जो अभी-अभी मानो किशोरावस्था की दहलीज को लांघकर तरूणावस्था में प्रवेश किया हो, जिसकी खोजी ऑखों में विचित्र आकर्षण है, स्वतः आकर्षित होता हुॅ, बाते होती है और वह बताता है-मैं बक्सर संवाद सूत्र हिन्दुस्तान हुॅ। मेरे बगल में वह औरत जो जवानी की भरी दुपहरी में अकेलेपन का खाल ओढ़े खडी है, जिसका मै वकील हुॅ। वह डबडबायी ऑखों से कभी मेरी ओर तो कभी न्याय पीठिका की ओर देखती है। आज के दिन उस औरत के सुहाग को तार-तार करने वाले की तकदीर का फैसला है। मुकदमा का पुकार होता है, न्यायाधीश महोदय करीब दो बजे दिन में न्याय-पीठिका पर विराजमान होते हैं। उनके सौभ्य मुख पर मुझे तनाव की सिकुड़न नजर नहीं आती है। मुस्कुराते हुए न्याय-कक्ष में बैठे जन समूह की ओर देखते हैं, तभी उनकी भारी भरकम आवाज गुॅजती है। दोनो पक्ष सजा की बिन्दु पर अपना पक्ष रखें। सुनवाई के पश्चात बिजली की तरह एक आवाज कौंधाती है। सभी दोषी को दस साल की सजा एवं जुर्माना। मै संतोष की सांस लेते हुए न्याय कक्ष से बाहर आता हूॅ, तभी वह औरत पीछे से मेरे गाउन के पीछले कोरे को पकड़कर फफकती हुई जोर से चिल्लाती है-सब व्यर्थ, सब निस्सार ''जब मुन्ना के बापू नही लौटे''!●

(लेखक :- आदित्य नारायण सिंह, अधिवक्ता)

झारखण्ड राज्य की 25वीं वर्षगांठ

झारखण्ड की आत्मा और अस्मिता के प्रतीक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती

● गुड्डी साव

झारखंड राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर 21000 ग्राम संगठनों में विशेष कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं और जनप्रतिनिधियों द्वारा उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया गया। इस अवसर पर झारखंड राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने बिरसा चौक स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की । उसके बाद राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के मंत्री जुएल ओराम ने भगवान बिरसा मुंडा के पैतृक गांव खूंटी जिला स्थित उलिहातु पहुंचकर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर परंपरागत जनजातीय विधि विधान से पूजा अर्चना कर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि

दी साथ ही राज्यपाल मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने बिरसा मुंडा के वंशजों से मुलाकात कर उन्हें शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड वीरों की धरती है। हमारे कई वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर झारखंड राज्य को जन्म दिया है। हमारे वीर शहीदों ने ही हम राज्यवासियों को राह दिखाया एवं मजबूत बनाया है। उन्होंने कहा कि जिनके संघर्ष, अथक प्रयास और बलिदान से इस राज्य का निर्माण हुआ है उनके सपनों का झारखंड बनाना हम सभी का कर्तव्य है। वर्तमान समय में हम सभी के कंधों में इस राज्य को सजाने और संवारने की एक बड़ी जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी के आदर्शों पर चलने वाले व्यक्ति आदरणीय दिशोम गुरु बाबा

शिबू सोरेन हम सभी के बीच नही हैं। आज के इस घड़ी में उनकी कमी हम सभी को खल रही है। जब घर से कोई बुजुर्ग सदस्य विदा लेता है तब उस घर पर पूरा सन्नाटा पसर जाता है, आज कहीं न कहीं इस पीड़ा के दौर से मैं गुजर रहा हूं। हमारी सरकार राज्य के गांव-गांव पहुंचकर सभी वर्ग-समुदाय के लोगों के दु:ख, तकलीफ को समझने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासी एवं जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण विकास को दृष्टिगत रखते हुए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का संचालन कर रही है। राज्य सरकार की विकास योजनाओं में आदिवासी तथा जनजातीय समुदायों को सबसे ऊपर रखा जा रहा है। हमारी सरकार अपने कार्यों का 50% खर्च माताओं, बहनों, बेटियों तथा गांव, गरीब, किसान के कल्याणार्थ कर रही है। हमारी सरकार रांची के राज्य मुख्यालय से नहीं बल्कि गांव से चलने वाली सरकार है। प्रत्येक परिवार के घर आंगन तक विकास योजनाओं का पहुंचाने का कार्य निरंतर चलता रहा है, आगे भी चलता रहेगा। आज इस सभा में उपस्थित हमारे कई ऐसे युवा हैं जिनका उम्र

राज्य गठन के बाद हुआ है। आज हमारा राज्य 25 वर्ष का युवा राज्य है। हम युवा वर्ग के साथ मिलकर इस राज्य को अपने बल पर आगे बढ़ाते हुए देश के अग्रणी राज्यों के श्रेणी में लाकर खड़ा करेंगे, इसी लक्ष्य के साथ हमारी सरकार कार्य योजनाओं को मूर्त रूप दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से कुछ वर्ष पहले तक यहां के लोगों को इलाज और पढ़ाई के लिए महाजनों या पैसे वाले लोगों से उधार लेना पड़ता था, लेकिन अब हमारी सरकार इन परिस्थितियों को बदलने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार धीरे-धीरे महिलाओं को मजबूत बनाने को लेकर विशेष कार्य कर रही है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर काम हो रहा है। आने वाले दिनों में खेल, पर्यटन, रोजगार तथा आधारभूत संरचनाओं के विकास पर कई महत्वपूर्ण काम किए जाएंगे, जिसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है। हमारी सरकार की सोच है कि एक-एक झारखंड वासियों के घर-परिवार में खुशहाली आए, लोगों के चेहरों पर मुस्कान हो तथा समस्त राज्यवासी झारखंड के समग्र विकास का सहभागी बने। अंत में सभी को पुन: राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी तथा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को शत-शत नमन किया।●

रन फॉर झारखण्ड कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सोरेन ने दिखाई हरी झंडी

● गुड्डी साव

राज्य स्थापना के 25वें गौरवशाली वर्ष के अवसर पर 11 नवंबर को बापू वाटिका, मोरहाबादी मैदान, रांची से "रन फॉर झारखंड" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने एकता, ऊर्जा और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और झारखंड रजत जयंती कार्यक्रमों एवं धरती आबा भगवान् बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती कार्यक्रमों के श्रृंखला की शुरुआत की। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने इस अवसर पर राज्यवासियों को झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि "मैं उन सभी महान आत्माओं को नमन करता हूं जिनके लंबे संघर्ष, कुर्बानी और शहादत से इस राज्य की पहचान बनी है। झारखंड का

यह 25वां वर्ष गौरव, संकल्प और विकास का प्रतीक है। "रन फॉर झारखंड" के माध्यम से हम राज्य के प्रति अपनत्व, एकता और विकास की भावना को मजबूती देना चाहते हैं। राज्य स्थापना की यह रजत जयंती 15 नवम्बर को पूरे उत्सवपूर्ण माहौल में मनाई जाएगी। इस अवसर पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक सी पी सिंह, विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सचिव श्री मनोज कुमार समेत कार्यक्रम में प्रशासनिक पदाधिकारी, विद्यार्थी, खिलाड़ी और आम नागरिक उपस्थित रहे।●

44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में झारखण्ड ने प्रदर्शित किया प्रदेश की विशिष्टता

● गुड्डी साव

भारत मंडपम, नई दिल्ली से 14 नवंबर को शुभारंभ हुआ। देश की सबसे बड़ी प्रदर्शनी सह बिक्री (भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला) में झारखंड पवेलियन का विधिवत उद्घाटन झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग, पर्यटन, कला संस्कृति एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार ने किया । उन्होंने कहा कि झारखंड प्रदेश देश के अग्रणी प्रदेशों में एक है। इस वर्ष भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले की थीम एक भारत श्रेष्ठ भारत है। झारखंड प्रदेश इसमें अपनी विशिष्टता प्रदर्शित कर रहा है।

भारत मंडपम का यह पटल राज्य की अलग अलग उपलब्धियों और वस्तुओं को प्रदर्शित करने का उपयुक्त पटल है। हमे आशा है यहां आने वाले आगंतुक हमारे द्वारा प्रदर्शित की गई चीजों को पसंद करेंगे। इस अवसर पर मंत्री ने दीप प्रज्वलित किया और पवेलियन में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा और सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित पवेलियन में लगे सभी विभागों के स्टालों का अवलोकन किया। इस वर्ष मेले में झारखंड प्रदेश फोकस स्टेट रहा। अपने स्थापना दिवस के 25 साल पूरा होने का जश्न मनाते हुए प्रदेश के प्रमुख सरकारी संस्थानों के साथ साथ शिल्पकारों के वस्तुओं की प्रदर्शनी सह बिक्री के स्टाल लगाए गए थे। इस अवसर पर उद्योग सचिव, अरवा राजकमल, प्रबंध निदेशक जूडिको श्री वरुण रंजन, उद्योग निदेशक विशाल सागर, संयुक्त निदेशक उद्योग प्रणव कुमार पॉल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित मौजूद थे। भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में देश के सभी राज्य, केंद्र शासित प्रदेश, कई देश के साथ साथ बहुत से निजी संस्थानों ने भाग लिया।●

सीसीएल में 36वीं त्रिपक्षीय सुरक्षा बैठक रही सफल

● गुड्डी साव

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में 36वीं त्रिपक्षीय सुरक्षा बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस बैठक में डीजीएमएस (Directorate General of Mines Safety), सीएमडी सीसीएल श्री निलेंदु कुमार सिंह, सीसीएल प्रबंधन के अन्य अधिकारीगण सीसीएल प्रबंधन तथा सीसीएल सुरक्षा बोर्ड के सदस्यों की सक्रिय एवं सार्थक भागीदारी रही। बैठक की अध्यक्षता श्री लखन लाल महतो, सदस्य, सीसीएल सुरक्षा बोर्ड द्वारा की गई। यह सत्र श्रमिक प्रतिनिधियों की अध्यक्षता के क्रम में आयोजित किया गया, जो सीसीएल में सहयोगात्मक नेतृत्व की दीर्घकालिक परंपरा को दर्शाता है। बैठक के दौरान कार्यस्थल की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने, व्यावसायिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने तथा श्रमिक कल्याण से जुड़ी पहलों .को और प्रभावी बनाने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित सदस्यों ने सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन, निवारक रणनीतियों तथा निरंतर सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाने पर बल दिया। सभी प्रतिभागियों ने संगठन के प्रत्येक स्तर पर एक सुदृढ़ एवं सतत् सुरक्षा संस्कृति को सशक्त बनाने और बनाए रखने के सामूहिक संकल्प को पुन: दृढ़ किया।●

कॉलेजों की मनमानी फीस पर लगेगी लगाम

● गुड्डी साव

झारखंड में इंजीनियरिंग, मेडिकल और मैनेजमेंट जैसे कोर्स की पढ़ाई अब थोड़ी सस्ती और पारदर्शी हो सकती है। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने ऐसे पाठ्यक्रमों की फीस नियंत्रित करने के लिए विधानसभा से पारित 'झारखंड व्यावसायिक शिक्षण संस्थान (शुल्क विनियमन) विधेयक, 2025' को मंजूरी दे दी है। अब गजट नोटिफिकेशन के बाद यह कानून लागू हो जाएगा। इस बिल को विधानसभा के पूरक मानसून सत्र में 25 अगस्त को ध्वनिमत से पारित किया गया था। इसके लागू होने के बाद राज्य के निजी व्यावसायिक कॉलेज अपनी मनमर्जी से फीस नहीं बढ़ा सकेंगे। अब फीस तय करने का जिम्मा एक 'शुल्क विनियमन समिति' के हाथों

में होगा, जो हर कोर्स के लिए तय करेगी कि कौन-सा कॉलेज कितनी फीस ले सकता है। सदन में बिल पेश करते हुए उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा था कि यह कदम छात्रों और अभिभावकों दोनों के हित में है। अब फीस तय करने में पारदर्शिता होगी और कोई भी संस्थान मनमानी नहीं कर सकेगा। शुल्क निर्धारित करने वाली समिति में झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अनुशंसा पर एक अध्यक्ष नियुक्त होंगे। साथ में किसी विश्वविद्यालय के कुलपति, एक चार्टर्ड अकाउंटेंट और अलग-अलग कोर्स के विशेषज्ञ सदस्य होंगे। फीस तय करने से पहले समिति संस्थानों से उनके खर्च और सुविधाओं का ब्योरा मांगेगी और उसके बाद ही अंतिम फैसला लेगी। सुप्रीम कोर्ट पहले ही निर्देश दे चुका है कि राज्यों को निजी व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों की फीस नियंत्रण के लिए कानून बनाना चाहिए। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में यह व्यवस्था पहले से है। अब झारखंड में भी यह कानून धरातल पर उतरने को तैयार है। राज्य सरकार का दावा है कि इससे 'शिक्षा के नाम पर लूट' रुकेगी और छात्रों को राहत मिलेगी।●

सीएमपीडीआई ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का स्मरण किया

● गुड्डी साव

07 नवम्बर को सीएमपीडीआई (मुख्यालय) और इसके सभी क्षेत्रीय संस्थानों में राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' के 150वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में सामूहिक गायन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक (तकनीकी सीआरडी) श्री शंकर नागाचारी, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) श्री अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री राजीव कुमार सिन्हा, मुख्यालय-रांची एवं क्षेत्रीय संस्थान-3, रांची के वरीय अधिकारी एवं कर्मचारी राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' के गायन में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में स्वतंत्रता की भावना और मातृभूमि के समर्पण का प्रतीक राष्ट्रीय गीत के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के प्रति गहरा सम्मान प्रकट किया गया। इस समारोह के जरिए सीएमपीडीआई ने राष्ट्रीय मूल्यों और विरासत को संजोए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को व्यक्त

करते हुए अपने कर्मियों के बीच सामूहिक गौरव की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।●

नेतरहाट में जंगल सफारी का शुभारंभ

● गुड्डी साव

20 नवंबर को नेतरहाट में पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने झारखण्ड के पहले जंगल सफारी का विधिवत उद्घाटन किया। झारखण्ड पर्यटन विभाग एवं वन विभाग झारखण्ड के संयुक्त प्रयास से शुरू की गई यह पहल पर्यटकों को नेतरहाट की प्राकृतिक संपदा का और अधिक नजदीकी एवं रोमांचक अनुभव प्रदान करेगी। उद्घाटन समारोह के दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि नेतरहाट झारखण्ड का प्राकृतिक रत्न है। जंगल सफारी की शुरुआत से पर्यटक अब यहाँ के घने जंगलों, विविध वन्यजीवों और अनछुए प्राकृतिक सौन्दर्य को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से देख सकेंगे। यह पहल प्रदेश में पर्यटन को नई गति देगी और स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर तैयार करेगी।" जंगल सफारी के अंतर्गत पर्यटकों के लिए मार्गदर्शित सफर, सुरक्षा मानकों का पालन, और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं। यह परियोजना राज्य में सस्टेनेबल और एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।●

अंबा प्रसाद को बनाया गया आंध्र प्रदेश का ऑब्जर्वर

● गुड्डी साव

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने चार राज्यों के लिए ऑब्जर्वर्स की घोषणा की है। इन राज्यों में आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश और जम्मू एवं कश्मीर शामिल हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद को आंध्र प्रदेश का ऑब्जर्वर बनाया गया है। एआईसीसी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने बताया कि यह निर्णय सम्मानित कांग्रेस अध्यक्ष के प्रस्ताव पर संगठन सृजन अभियान के तहत लिया गया है। यह घोषणा कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारियों के लिए की गई है। ऑब्जर्वर बनाने पर पूर्व विधायक ने कल कमान का आभार जताते हुए कहा कि पार्टी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है उस पर खरा उतरूंगी और आंध्र प्रदेश में पार्टी को मजबूती प्रदान करने का कार्य करूंगी।

पुलिस ने बुण्डू में अवैध हथियारों की तस्करी का किया भंडाफोड़

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक,राँची के निर्देशानुसार चलाए गए त्वरित अभियान में पुलिस ने बुण्डू थाना क्षेत्र अंतर्गत अवैध हथियारों की सप्लाई करने आए एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। अपराधी के पास से तीन लोडेड पिस्तौल और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद किए गए हैं। बताते चले कि बीते 23 अक्टूबर को पौने 9 बजे, वरीय पुलिस अधीक्षक राँची को एक गुप्त सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति बुण्डू थाना क्षेत्र के ग्राम ऐदलहातु, NH-33 के किनारे स्थित सूर्य मंदिर तोरण द्वार के पास, किसी को हथियार सप्लाई करने वाला है। इस महत्वपूर्ण सूचना का सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए, वरीय पुलिस अधीक्षक राँची राकेश रंजन के मार्गदर्शन में एवं पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण प्रवीन पुष्कर के निर्देशन में, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बुण्डू के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने तत्परता दिखाते हुए बुण्डू थाना अंतर्गत NH-33 के किनारे, सूर्य मंदिर तोरण द्वार के पास घेराबंदी की। इसी दौरान, एक व्यक्ति काले रंग का बैग हाथ में लेकर आया। पुलिस को देखते ही वह व्यक्ति तेजी से भागने लगा, जिसे पुलिस टीम ने खेदड़कर दबोच लिया। पकड़े गए व्यक्ति से नाम-पता पूछने पर उसने अपना नाम दशरथ शुक्ला, पता-पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर बताया। संदेह के आधार पर उसकी विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान, दशरथ शुक्ला के कमर से एक लोडेड पिस्तौल बरामद की गई। इसके अतिरिक्त, उसके पास मौजूद काले रंग के बैग की तलाशी लेने पर एक काले रंग का 7.65 बोर का लोडेड पिस्टल, (दो) सिल्वर रंग का 7.65 बोर का मैगजीन। एक ओप्पो कम्पनी का एफ-17 मोबाइल फोन और एक सिल्वर रंग का एप्पल कम्पनी का आई फोन बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान, दशरथ शुक्ला ने स्वीकार किया कि वह ये सभी हथियार सुजीत सिन्हा के गिरोह के सदस्यों को देने के लिए आया था। इसके उपरांत, दशरथ शुक्ला को हिरासत में लिया गया और अग्रतर कानूनी कार्रवाई हेतु बुण्डू थाना लाया गया।●

❖ **गिरफ्तार अभियुक्त दशरथ शुक्ला का अपराधिक इतिहास :-**

☞ गोलमुरी थाना कांड सं0-224/16, धारा-135/137 विद्युत अधिनियम।

☞ गोलमुरी थाना कांड सं0-92/08, धारा-147/148/149/323/307 भा0द0वि0।

☞ गोलमुरी थाना कांड सं०-149/23, धारा-498ए/323 भा0द0वि0।

☞ गोलमुरी थाना कांड सं0-132/23, धारा-341/323/504/506/307/34 भा0द0वि एवं 3 (1)(x) ST/SC ACT.

☞ गोलमुरी थाना कांड सं0-108/20, धारा-290 भा0द0वि0 एवं धारा-11 जुआ अधिनियम।

☞ गोलमुरी थाना कांड सं0-228/07, धारा 307/34/341/323 भा0द0वि0 एवं 27 आम एक्ट।

☞ साकची थाना कांड सं0-197/20, धारा-25(1-b)a /26/27 आर्म्स एक्ट एवं धारा-26/27 भा0द0वि0A30

☞ साकची थाना कांड सं0-26/20, धारा-147/149/353/427/290 भा0द0वि0 एवं धारा, 03 prevention of public property act.

❖ **छापामारी टीम में शामिल पुलिस कर्मी :-**

☞ श्री ओम प्रकाश, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बुण्डू।

☞ श्री राम कुमार वर्मा, पु०नि० सह थाना प्रभारी, बुण्डू।

☞ पु०अ०नि० आतिश कुमार।

☞ पु०अ०नि० नन्दु पैड़ा।

☞ स०अ०नि० इन्द्रदेव उराँव।

☞ आ० अजमत अंसारी, तकनीकी शाखा, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय।

☞ आ० हैप्पी कुमार, रिजर्व गार्ड।

☞ आ० सुनिल यादव, रिजर्व गार्ड, बुण्डू थाना।

☞ आ० रमन कुमार राम, बुण्डू थाना।

टेरर नेटवर्क का पर्दाफाश
गैंगस्टर की पत्नी सहित पांच गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

झारखंड में आतंक और अपराध के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा हुआ है। रांची पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर सुजीत सिन्हा और भगोड़े प्रिंस खान के गठजोड़ का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह का संचालन सुजीत सिन्हा की पत्नी 'लेडी डॉन' रिया सिन्हा कर रही थी। पुलिस ने रिया समेत गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में इनामुल हक उर्फ बबलु खान, रवि आनंद उर्फ सिंघा, मो0 शाहिद उर्फ अफरीदी खान, मो0 सेराज उर्फ मदन और सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा शामिल हैं। इनके पास से तीन पिस्टल, सात मैगजीन, 13 जिंदा गोली, एक टाटा सफारी कार, एक आईफोन और पांच एंड्रॉएड मोबाईल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस ने इन अपराधियों से सनसनीखेज जानकारियां हासिल की है। जांच में पता चला है कि यह गिरोह पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आधुनिक हथियार मंगवाकर झारखंड में व्यापारियों और कोयला कारोबारियों से पैसों की उगाही करता था।

☞ **पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार खरीद कर पंजाब बॉर्डर पर किया जाता ड्रॉप** :- पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि धनबाद का गैंगस्टर प्रिंस खान, जो फिलहाल संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में छिपा है, पाकिस्तान के पेशावर से आधुनिक हथियार खरीदता था। इन हथियारों को ड्रोन के जरिए पंजाब बॉर्डर पर ड्रॉप किया जाता था, जहां से गिरोह के सदस्य उन्हें झारखंड के अलग-अलग इलाकों में पहुंचाते थे। हथियारों की अंतिम डिलीवरी के लिए युवतियों का इस्तेमाल किया जाता था ताकि किसी को शक न हो। इसके बदले में, सुजीत सिन्हा का गिरोह प्रिंस खान को पैसे और नए गुर्गे मुहैया कराता था। व्यवसायियों से वसूले गए पैसे हवाला के जरिए UAE और फिर पाकिस्तान भेजे जाते थे। यह गठजोड़ "कोयलांचल शांति सेना" के नाम से रांची, धनबाद और राज्य के अन्य हिस्सों में सक्रिय था और व्यवसायियों को धमकाकर एवं फायरिंग कर दहशत फैला रहा था।

☞ **लेडी डॉन' के इशारे पर होती थी हर वारदात** :- इस पूरे सिंडिकेट की कमान सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा के हाथों में थी। रिया के इशारे पर ही व्यवसायियों को धमकी भरे कॉल किए जाते थे और फायरिंग की वारदातों को अंजाम दिया जाता था। बता दे कि राजधानी राँची में हाल के दिनों में जो भी रंगदारी के कॉल प्रिंस खान के नाम पर किए गए थे वह इस गठजोड़ का ही परिणाम था। यहां तक कि कोयलांचल शांति सेना को भी रिया सिन्हा के द्वारा संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने रिया के अलावा बबलू खान उर्फ एनामुल, रवि आनंद, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शाहिद को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बबलू खान, सुजीत और प्रिंस के बीच मुख्य कड़ी था और वही हथियारों की सप्लाई चेन और पैसों के लेनदेन की देखरेख करता था। इस गिरफ्तारी से पुलिस ने एक बड़े ऑर्गेनाइज्ड क्राइम नेटवर्क की कमर तोड़ दी है। उल्लेखनीय है कि राँची के डोरंडा थाना अंतर्गत सत्यभामा अपार्टमेंट के बाहर हुई हवाई फायरिंग के लिए हथियार इन लोगों के द्वारा ही दिया गया था।

☞ **सिटी एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी** :- प्रेसवार्ता में राँची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि गहराई से पूछताछ करने पर गिरफ्तार व्यक्तियों के द्वारा बताया गया कि अपराधी सुजीत सिन्हा तथा अपराधी प्रिंस खान गिरोह के पास हथियार और गोली पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से मोगा (पंजाब) के रास्ते आता है, उसी हथियार से राँची सहित देश के विभिन्न स्थानों पर बड़े-बड़े कारोबारियों, पूंजीपतियों एवं व्यवसायियों में दहशत फैलाकर रंगदारी की वसूली करते हैं। उन्होंने बताया कि राँची में इनामुल हक उर्फ बबलु खान अपने गुर्गों के साथ मिलकर सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान के लिए लेवी वसूली का काम करते हैं। इन लोगों के द्वारा वसूली गयी राशि को सुजीत सिन्हा के गुर्गों की मदद से प्रिंस खान तक पहुंचाया जाता था, जिसे प्रिंस खान द्वारा यूएई के रास्ते पाकिस्तान भेज दिया जाता था। जिसका उपयोग अवैध हथियार की खरीदारी और अन्य अवैध कार्यों में पाकिस्तान में मौजूद उनके गुर्गों के द्वारा किया जाता है। वही रांची एसएसपी राकेश रंजन का कहना है की "यह कार्रवाई राँची पुलिस के द्वारा संगठित अपराध के खिलाफ लगातार चल रही मुहिम का हिस्सा है। ऐसे किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा जो समाज में भय या आतंक फैलाने का प्रयास करेंगे।" राँची पुलिस की इस बड़ी सफलता से शहर के कारोबारियों में राहत की भावना है। वहीं पुलिस अब इस गिरोह के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुट गई है। इस ऑपरेशन का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक (सदर) संजीव बेसरा और सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने किया।

☞ **टीम में शामिल रहे** :- सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार, मेसरा ओपी प्रभारी अजय कुमार दास, पु.अ.नि. बसंत कुमार, अभय कुमार, दीपक राणा,स.अ.नि. राम विनय राम, मिंटू सिंह, शाह फैसल,आरक्षी प्रवेश कुमार पासवान, एवं QRT बल। ●

● **ओम प्रकाश**

राजधानी में अवैध कारोबार पर नकेल कसने के लिए रांची पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में रविवार 9.11.2025 की रात्रि को नामकुम थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। एसएसपी राकेश रंजन को मिली सूचना के आधार पर नामकुम पुलिस ने नामकुम के रामपुर इलाके के सरजमडीह में छापामारी करते हुए बंगाल नंबर एक ट्रक कंटेनर से 1868 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त किया है। बता दे कि गुरुवार जब्त शराब चंडीगढ़ निर्मित हैं। जब्त शराब की कीमत 61.14 लाख बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार,रविवार की देर शाम गुप्त सूचना मिली कि शराब माफिया द्वारा भारी मात्रा में अवैध शराब लदे एक कंटेनर को रांची से बिहार भेजा जा रहा है।

सूचना मिलते ही एक्शन में रांची पुलिस :- सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रवीन पुष्कर एवं वरीय पुलिस उपाधीक्षक अमर कुमार पांडे मुख्यालय-1, राँची के दिशा निर्देशन में पु0नि0 सह थाना प्रभारी मनोज कुमार नामकुम के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर त्वरित कार्रवाई करते हुए राँची-टाटा रोड में ग्राम सरजमडीह के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी दौरान टाटा की ओर से आ रही एक संदिग्ध कन्टेनर रजि0नं0 ॅठ23क 5344 को पुलिस की टीम द्वारा रूकने का इशारा किया गया। पुलिस को देखकर कन्टेनर ट्रक का चालक गाड़ी सड़क के किनारे खड़ा कर जंगल की ओर अंधेरे का लाभ उठाकर भाग गया। कन्टेनर का भौतिक रूप से निरीक्षण करने पर कन्टेनर के पीछे गेट में सिल एवं ताला लगा हुआ पाया गया। इसके बाद कंटेनर को जब्त कर पुलिस थाना ले आई।

मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में कंटेनर को खोला गया :- दूसरे दिन सोमवार को वरीय पुलिस अधिकारी के निर्देश पर प्रखंड कार्यालय से मजिस्ट्रेट वीरेंद्र राम की उपस्थिति में कंटेनर का सील तोड़कर खोला गया। कंटेनर में अंग्रेजी शराब की सैकड़ो पेटियां भरी थी। जब्त पेटियों की गिनती की गई तो 111एसीई का 3408 बोतल, 999 पावर स्टार फाइन व्हिस्की का 2184 बोतल, वाजीर डिलक्स व्हिस्की का 7920 बोतल (सभी बोतल 750 एमएल का) एवं 180 एमएल डिस्काउंट प्रिमियम व्हिस्की का 7920 बोतल अंग्रेजी शराब मिला।

इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने दी जानकारी :- नामकोम थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि जब्त शराब चंडीगढ़ मेड है। टोटल 1868 पेटी में 49128 बोतल शराब जब्त की गई है जिसकी अनुमानित कीमत 61.14 लाख रुपए है। उन्होंने आगे बताया कि जब्त शराब असली है या नकली इसकी जांच की जा रही है।कन्टेनर ट्रक में अंकित रजिस्ट्रेशन नंबर की जाँच करने पर नंबर फर्जी पाया गया है। जिसके बाद बरामद अवैध शराब एवं कन्टेनर ट्रक को विधिवत जप्त किया गया है। आशंका जताई जा रही है कि जब्त शराब बिहार भेजने की तैयारी थी। मामले में चालक एवं मालिक पर प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस की यह सबसे बड़ी कार्रवाई :- बताते चलें कि यह

❖ **कन्टेनर ट्रक, जिसमें रजि0नं0 -WB23D 5344 अंकित है, से बरामद अवैध शराबों की विवरणी :-**

☞ 111 ACE Whisky कम्पनी का लेवल लगा हुआ 750 ML का प्लास्टिक बोतल में भरा Whisky जैसा अवैध शराब, कुल 284 कार्टून, प्रत्येक कार्टून में 12 बोतल, कुल बोतल :- 284×12=3408 बोतल, कुल मात्रा :- 2556 लीटर।

☞ 999 Power Star Fine Whisky कम्पनी का लेवल लगा हुआ 750 ML का प्लास्टिक बोतल में भरा Whisky जैसा अवैध शराब, कुल 182 कार्टून, प्रत्येक कार्टून में 12 बोतल, कुल बोतल :- 182×12=2184 बोतल, कुल मात्रा :- 1638 लीटर।

☞ WAZIR DELUXE Whisky कम्पनी का लेवल लगा हुआ 750 ML का प्लास्टिक बोतल में भरा Whisky जैसा अवैध शराब, कुल 660 कार्टून प्रत्येक कार्टून में 12 बोतल, कुल बोतल :- 660×12=7920 बोतल, कुल मात्रा :- 5940 लीटर।

☞ Discount PREMIUM Whisky कम्पनी का लेवल लगा हुआ 180 ML का प्लास्टिक बोतल में भरा पेपाल जैसा अवैध शराब, कुल 742 कार्टून प्रत्येक कार्टून में 48 बोतल, कुल बोतल :- 742×48=35616 बोतल, कुल मात्रा :- 6410 लीटरकुल कार्टून :- 1868, कुल बोतल :- 49128, कुल लीटर :- 16544, कुल अनुमानित मूल्य :- 61,14,000/- रूपया मात्र। (बोतल में अंकित मूल्य के अनुसार)।

❖ **छापीमारी दल में शामिल पुलिस की टीम :-**

☞ श्री मनोज कुमार, पु0नि0 सह थाना प्रभारी, नामकुम थाना, राँची।
☞ पु0अ0नि0 शशि रंजन, नामकुम थाना, राँची।
☞ पु0अ0नि0 जयदेव कुमार सराक, नामकुम थाना, राँची।
☞ पु0अ0नि0 मिथुन कुमार, नामकुम थाना, राँची।
☞ पु0अ0नि0 सोनु कुमार दास, नामकुम थाना, राँची।
☞ पु0अ0नि0, धर्मेन्द्र कुमार नामकुम थाना, राँची।
☞ स0अ0नि0 तारकेश्वर प्रसाद केशरी, नामकुम थाना, राँची।
☞ स0अ0नि0 प्रभुवन कुमार, नामकुम थाना, राँची।
☞ स0अ0नि0 जयप्रकाश कुमारा, नामकुम थाना, राँची।
☞ स0अ0नि0 उज्जवल कुमार सिंह, नामकुम थाना, राँची।
☞ चालक आरक्षी / 3450 बिरेन्द्र कुमार, नामकुम थाना, राँची।
☞ नामकुम थाना रिर्जव गार्ड के सशस्त्र बल।

अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर राँची पुलिस लगातार प्रयासरत रही है। पूर्व में भी पुलिस ने कई बार छापामारी कर देशी व अंग्रेजी शराब जब्त किया है। परंतु 9 नवंबर रविवार की रात जब्त की गई शराब अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई हैं। इस छापामारी में नामकुम थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज कुमार की भूमिका अहम रही।●

27 लाख के अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

झारखण्ड के चतरा जिले में अफीम तस्करों के खिलाफ पुलिस ने फिर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने संतोषी माता मंदिर के रास्ते से गुजर रही एक कार से 5.472 किलोग्राम अफीम के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक कार और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। एसपी सुमित कुमार अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए सिमरिया एसडीपीओ शुभम कुमार खंडेलवाल के नेतृत्व में पत्थलगडा थाना प्रभारी राकेश कुमार और एसआई विजय कुमार सहित सशस्त्र बलों की एक संयुक्त टीम ने एक अंतरराज्यीय गिरोह के दो तस्करों को 5 किलो 472 ग्राम अवैध अफीम की खेप के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों के पास से तस्करी में प्रयुक्त एक कार और विभिन्न कंपनियों के दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। गिरफ्तार तस्कर विक्रम कुमार गिद्धौर थाना क्षेत्र के अमीन गांव का निवासी है, जबकि दूसरा तस्कर राजन कुमार सदर थाना क्षेत्र के उंटा मोड़ का निवासी है। गिरफ्तार तस्कर विक्रम पूर्व में एनडीपीएस एक्ट के तहत उत्तर प्रदेश के बरेली में जेल की हवा खा चुका है।

एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पत्थलगडा थाना क्षेत्र के बंदरचुआं स्थित संतोषी माता मंदिर के रास्ते कुछ लोगों द्वारा चार पहिया वाहन में अवैध मादक पदार्थ की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सिमरिया एसडीपीओ शुभम कुमार खंडेलवाल के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया, ताकि सूचना की पुष्टि कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। टीम में पत्थलगडा थाना प्रभारी व पुलिस पदाधिकारी शामिल थे। टीम ने कार्रवाई करते हुए बंदरचुआं स्थित संतोषी माता मंदिर के पास, लंबोइया जाने वाली सड़क पर विपरीत दिशा से आ रही एक कार को संदेह के आधार पर रोका और वाहन की तलाशी ली। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान टीम में शामिल अधिकारियों और जवानों ने वाहन से 5 किलो 472 ग्राम अवैध अफीम और विभिन्न कंपनियों के दो मोबाइल फोन जब्त किए। अफीम जब्त होने के बाद वाहन में सवार विक्रम और राजन को भी हिरासत में ले लिया गया। तस्करों से बरामद अफीम का बाजार मूल्य लगभग 27 लाख रुपये है। उन्होंने आगे बताया कि बरामद अफीम और अन्य सामान को जब्त करते हुए पत्थलगड्डा थाना कांड संख्या 54/2025 दर्ज किया गया है। मामला धारा 111(2)(बी) भारतीय न्याय संहिता एवं एनडीपीएस एक्ट की धारा 17(सी)/18(सी)/21(सी)/25/27/28/29 के तहत दर्ज किया गया है। पूछताछ के बाद दोनों तस्करों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। छापेमारी दल में एसडीपीओ के अलावा पत्थलगडा थाना प्रभारी राकेश कुमार, एएसआई विजय कुमार सहित पत्थलगड्डा थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।●

यूपी क्राइम ब्रांच पुलिस की सूचना पर रांची पुलिस का बड़ा एक्शन

भारी मात्रा में एक ट्रक कफ सिरप जब्त

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में नशे के तस्करों पर पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही की है। पुलिस ने चान्हो के टांगरबसली मोड़ के पास शनिवार की रात भारी मात्रा में कफ सीरप से लदे ट्रक को पकड़ा है। ट्रक उत्तर प्रदेश के रास्ते राँची के चान्हो आ रहा था। यूपी क्राइम ब्रांच पुलिस की सूचना पर रांची एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर राँची पुलिस ने ट्रक के साथ उसके चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस की टीम ने 13 हजार 400 बोतल कफ सीरप जब्त किया है। वही गिरफ्तार चालक वसीम निजाम शेख है। वह महाराष्ट्र के मुंबई का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, जब्त किए गए कफ सीरप की कीमत करीब 30 लाख रुपए है। मामले का खुलासा करते हुए रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि एक नवंबर की रात रांची एसएसपी को यूपी क्राइम ब्रांच के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ट्रक पंजीयन सं0-NL01AH-5510 में अवैध रूप से कफ सिरप लोड कर रांची जिला के चान्हो थाना की ओर से कहीं अन्यंत्र जगह बेचने के लिए ले जाया जा रहा है। इसके बाद खलारी डीएसपी रामनारायण चधरी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दल बल के साथ एन0 एच0-39 पर टांगरबसली मोड़ के पास चेकिंग लगया गया। चेकिंग के दौरान ट्रक पंजीयन सं0-NL01AH-5510 को चान्हो की ओर से आते देख कर सशस्त्र बल के सहयोग से उक्त ट्रक को रोका गया। ट्रक में

लोड समान के संबंध में पुछताछ करने पर चालक ने बताया कि ट्रक में सड़ा हुआ चावल लदा हैं। जॉच के कम में उक्त ट्रक में सड़ा हुआ चावल का बोरी लोड पाया गया। चावल की बोरी को हटाकर देखने पर सफेद रंग के प्लास्टिक के 134 बोरी बन्द अवस्था में कफ सिरप पाया

❖ **गिरफ्तार अपराधी का नाम/पता :-**

☞ वसीम निजाम शेख उम्र करीब 40 वर्ष पिता निजाम शेख पता आई-ब्लॉक जनता कोलॉनी प्रेम नगर, दुबे चाल, जोगेश्वरी, ईस्ट, मुंबई जागेश्वरी ईस्ट मुंबई महाराष्ट्र।

❖ **बरामद एवं जप्त सामानों का विवरण :-**

☞ चम्छैम्क्स-100 डस, लिख हुआ 134 बोरी में 13400 बोतल ।

☞ ट्रक पंजीयन सं0- छस01।भ-5510

❖ **छापामारी दल में शामिल पुलिसकर्मी :-**

☞ श्री राम नारायण चौधरी, पुलिस उपाधीक्षक, खलारी, राँची।

☞ श्री अमित कुमार, औषधी निरीक्षक, राँची-अप

☞ पु0अ0नि0 मनोज करमाली, थाना प्रभारी, माण्डर थाना, राँची।

☞ पु0अ0नि0 बिरजु कुमार साव

☞ पु0अ0नि0 रंजीत किशोर

☞ आ0/900 सुधीर कुमार सिंह

☞ आ0/1317 ब्रजेश महतो

☞ आ0/967 जगदीश राम

☞ आ0/3479 सुनील कुमार पासवान

गया। जिसे पुलिस ने जब्त किया। इस संबंध में औषधी निरीक्षक, राँची-अप को सुचित किया गया, औषधी निरीक्षक, राँची-अप, टांगरबसली मोड़ पहुँच कर बन्द बोरी को खोलकर देखा तो उक्त सभी बोरी में कफ सिरफ PHENSEDYL-100 ML, MANUFACTURED BY: Abbott Healthcare PVT. LTD., Village-Bhatauli, Khurd, P.O.- Baddi-173205, Dist.-Solan, Himachal Pradesh, India, Batch No.-PHD24542, MFG. DATE- DEC 2024, EXP Date-Feb-2026, MRP-226-02 पाया गया। सभी मिलाकर गिनती करने पर कफ सिरफ की कुल बोतल की संख्या-13400 पाया गया। उक्त बरामद कफ सिरफ से संबंधित कागजता ट्रक चालक से मांगने पर चालक ने कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नही किया। जिसके बाद ट्रक सहित बरामद कफ सिरफ को जप्त किया गया और चालक को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी चालक वसीम निजाम शेख ने पुलिस को बताया कि उसे गाजियाबाद से ट्रक दिया गया था और कहा गया था कि राँची के नेवरी तक कफ सीरप पहुंचाना है। वहां से कोई और चालक उस ट्रक को लेकर जाएगा। इसी आधार पर वह ट्रक लेकर राँची पहुंचा था।●

रांची पुलिस ने गृहभेदन का किया खुलासा

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में पुलिस ने ठाकुरगाँव थाना क्षेत्र में हुई एक बड़ी चोरी की घटना का त्वरित खुलासा करते हुए चार चोर और चोरी का सामान खरीदने वाले एक सोनार (सुनार) को गिरफ्तार किया है। अपराधियों के पास से चोरी किए गए सभी जेवरात बरामद कर लिए गए हैं। बताते चले की राँची जिले के ठाकुरगाँव थाना क्षेत्र में बीते 20 अक्टूबर 2025 की रात कर्बला मुहल्ला उरूगुटू में एक अकेली विधवा महिला के घर में चोरी हुई थी। अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर नगद और लाखों के जेवरात उड़ा लिए थे। वादिनी माकिना खातून के लिखित आवेदन पर ठाकुरगाँव थाना में मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए, वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रवीण पुष्कर के मार्गदर्शन में पुलिस उपाधीक्षक, खलारी रामनारायण चौधरी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए गुप्त सूचना के आधार पर, इस गृहभेदन में शामिल चार मुख्य अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार चोरों में मेराज अंसारी, इमरान राय, असर अली उर्फ चाँद और अरबाज खान शामिल हैं। गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि उन्होंने चोरी का सारा सामान राजेश कुमार नामक व्यक्ति को बेचा था जो चंदवे में सोना-चाँदी की दुकान चलाता है। जिसके बाद पुलिस की टीम ने तुरंत चंदवे स्थित सोनार राजेश कुमार की दुकान पर छापा मारा और चोरी किए गए सभी जेवरात बरामद कर लिए। सोनार राजेश कुमार को भी चोरी का माल खरीदने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों में इमरान राय और असर अली उर्फ चाँद का आपराधिक इतिहास रहा है और इनके खिलाफ पहले भी चोरी के मामले दर्ज हैं। यह सफल छापेमारी ठाकुरगाँव थाना प्रभारी पु0अ0नि0 शुभम कुमार और उनकी टीम की तत्परता का परिणाम है। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को विधिवत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।●

❖ **छापामारी में गिरफ्तारी :-**

☞ मेराज अंसारी, उम्र-करीब 20 वर्ष, पे0 मजीबुल अंसारी पता- सा0 कर्बला मुहल्ला उरूगुटू, थाना- ठाकुरगाँव, जिला- राँची।

☞ इमरान राय, उम्र-करीब 22 वर्ष पे0-कलामुद्दीन राय, पता- सा0- कर्बला मुहल्ला उरूगुटू, थाना- ठाकुरगाँव, जिला-राँची।

☞ अरबाज खान, उम्र-करीब 24 वर्ष, पे0-स्व0 हुसैन खान, पता- सा0- पिथोरिया दर्जी मुहल्ला, थाना- पिथोरिया, जिला - राँची।

☞ असर अली उर्फ चाँद, उम्र करीब 25 वर्ष पिता असगर अंसारी, सा0 कर्बला महोल्ला उरुगुटु थाना-ठाकुरगाँव जिला राँची।

☞ सोनार राजेश कुमार उम्र-करीब 35 वर्ष पे0-कुँवर प्रसाद सा0 चन्दवे थाना- पिथोरिया, जिला- राँची।

❖ **गिरफ्तार अभियुक्त इमरान राय का अपराधिक इतिहास :-**

☞ पिठौरिया थाना कांड सं0-117/21, दिनांक-22.09.25 धारा-379 भा0द0वि0

☞ ठाकुरगॉव थाना कांड सं0-58/21, दिनांक-11.12.21 धारा-379/411/34 भा0द0वि0

❖ **गिरफ्तार अभियुक्त अमर अली उर्फ चॉद का अपराधिक इतिहास :-**

☞ ठाकुरगॉव थाना कांड सं0-23/20, दिनांक-03.04.20 धारा-379/411/34 भा0द0वि0

❖ **छापामारी में बरामदगी :-**

☞ चाँदी का 02 दो पिस अंगुठी वजन 10 g

☞ चाँदी का कंगन 04 पिस 60g

☞ चाँदी का बाल चोटी 01 पिस 67g

☞ चाँदी का दो जोड़ा पायल वजन 100g

☞ चाँदी का गला का हार वजन 102g

☞ सोना का एक जोड़ा कानफुल वजन 2.8 g

☞ सोना का नोजपीन 01 पिस वजन 0.1 g

❖ **छापामारी दल में शामिल :-**

☞ पु0अ0नि0 शुभम कुमार थाना प्रभारी ठाकुरगाँव थाना।

☞ पु0अ0 नि0 दिलीप कुमार ठाकुरगाँव थाना।

☞ पु0 अ0 नि0 पंकज कुमार यादव ठाकुरगाँव थाना।

☞ ठाकुरगाँव थाना रिर्जव गार्ड।

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

कुख्यात ड्रग तस्कर मौसा जी चढ़े पुलिस के हत्थे

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में फिर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के हत्थे चढ़े ब्राउन शुगर तस्कर। पुलिस ने 28.59 ग्राम ब्राउन शुगर (5.60 लाख रुपये) के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें शिवा राम (किशोरगंज, वाल्मीकि नगर), अमर कुमार यादव (रातू रोड) व सूरज कुमार शर्मा (पहाड़ी मंदिर रोड) शामिल हैं। तीनों के द्वारा पूछताछ में बताया गया कि वे सासाराम के बबन साह उर्फ मौसा जी और सूरज कुमार से ब्राउन शुगर खरीदकर राँची लाते थे तथा ऊंचे दामों में बेचते थे। इन आरोपियों के पास से ब्राउन शुगर के साथ एक बाइक भी बरामद किया गया है। यह जानकारी सिटी एसपी पारस राणा ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में दी। इस दौरान कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय व सुखदेवनगर थाना प्रभारी केके साहू व अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। सिटी एसपी ने बताया कि एसएसपी राकेश रंजन को सूचना मिली थी कि कुछ लोग बिहार के सासाराम से ब्राउन शुगर लाकर राँची स्टेशन से पहाड़ी मंदिर की ओर बाइक से आ रहे हैं। इसी सूचना पर कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में सुखदेवनगर पुलिस ने पहाड़ी मंदिर के पास जाल बिछाया। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में बनी विशेष छापेमारी टीम ने बानो मंजिल रोड, पहाड़ी मंदिर मार्ग पर निगरानी शुरू की। इसी दौरान 31 अक्तूबर को रात लगभग 12:30 बजे एक यामाहा बाइक (जेएच 01बी- 9752) में सवार तीन लोगों को बानों मंजिल रोड की ओर से आता हुआ दिखाई दिया। जिससे पुलिस के द्वारा तीनों मोटर साईकिल सवार को रोका गया। इसके बाद तीनों मोटर साईकिल सवार व्यक्तियों का नाम/पता पूछा गया और विधिवत् तलाशी ली गई। एक आरोपी जिसका नाम शिवा राम उम्र 29 वर्ष पे0 किशोर राम पता-किशोरगंज बाल्मिकी नगर नियर संतोषी मंदिर थाना-सुखदेवनगर की तलाशी लेने पर इनके पास से प्लास्टिक में लपेटा हुआ ब्राउन शूगर कुल 28.59 ग्राम बरामद किया गया। दूसरा आरोपी अमर कुमार यादव उम्र 25 वर्ष पे0 लालू यादव सा0 रानीसती मंदिर लेन रातू रोड थाना-सुखदेवनगर के पास से ब्राउन शूगर 4.30 ग्राम बरामद एवं तीसरा आरोपी सूरज कुमार शर्मा उम्र 31 वर्ष पे0 उमाकांत शर्मा सा0-कमलाकांत रोड, नावा टोली, पहाडी लेन, थाना-सुखदेवनगर जिला राँची के पास से ब्राउन शूगर करीब 2.24 ग्राम बरामद किया गया। कुल मिलाकर तीनों के पास से 28.59 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ। जिसका बाजार मूल्य 5 लाख साठ हजार रूपए आंका गया है।●

❖ **अपराधिक इतिहास :-**

☞ अमर कुमार यादव उम्र 25 वर्ष पे0 लालू यादव सा0-रानीसती मंदिर लेन रातू रोड थाना-सुखदेवनगर, जिला-राँची।

☞ सुखदेवनगर थाना काण्ड सं0-18/19 दिनांक-12.1.2019 धारा-302/201/34 भा0द0वि0।

☞ कोतवाली थाना काण्ड सं0-204/22 दिनांक-10.08.22. धारा-366 (ए) भा0द0वि0 एवं 4/8 पोक्सों एक्ट।

❖ **छापामारी टीम :-**

☞ श्री प्रकाश सोय, पुलिस उपाधीक्षक, कोतवाली, राँची।

☞ श्री दुसरू बानसिंह, पुलिस उपाधीक्षक, राँची।

☞ श्री बिनित किण्डो, पुलिस उपाधीक्षक, राँची।

☞ श्री कृष्ण कुमार साहू, पु0नि0 सह थाना प्रभारी, सुखदेवनगर।

☞ पु0अ0नि0 मेहश मुण्डा, एस0सी0/एस0टी0, थाना प्रभारी।

☞ पु0अ0नि0 प्रेम हॉसदा, एस0सी0/एस0टी0 थाना।

☞पु0अ0नि0 बजरंग टोप्पो, सुखदेवनगर थाना।

☞ पु0अ0नि0 बबलू बेसरा, सुखदेवनगर थाना।

☞ अन्य सशस्त्र बल।

प्रेमी-प्रेमिका और सोनार को सदर पुलिस ने किया गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची की सदर थाना पुलिस ने एक महिला चोर सहित तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने सदर थाना क्षेत्र में रहने वाले पवन कुमार साहू के यहां बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के द्वारा जारी की गई प्रेस रिलीज के अनुसार राँची के सदर थाना क्षेत्र के सुंदर बिहार तिरिल कोकर के रहने वाले पवन साह के यहां 7 नवंबर की रात बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। इस मामले को लेकर पवन साह के द्वारा घर पर हुई चोरी के संबंध में 8 नवंबर को सदर थाना में लिखित आवेदन दिया गया। जिसके आधार पर सदर थाना कांड संख्या-544/25 दिनांक 8/11/25 धारा-305/331 (4) दर्ज कर त्वरित अनुसंधान प्रारंभ करते हुए सदर थाना पुलिस के द्वारा चोरी कांड का सफलता के साथ खुलासा किया गया और चोरी किए गए गहने और सामान को बरामद किया गया। सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि चोरी की वारदात को अंजाम देने में लक्ष्मी नाम की युवती भी शामिल थी। वह गुमला की रहने वाली है। वहीं इस मामले में ज्वेलर्स दुकान के मालिक अनीश सोनी को भी गिरफ्तार किया गया है। अनीश सोनी चोरी के गहने को खपाने का काम किया करता था। पुलिस ने इन आरोपियों के पास से सोने की चेन- 01 अदद, सोने का कान का टॉप- 02 जोड़ा, सोने की बाली - 01 जोड़ा, सोने का जितिया - 01 अदद, चांदी की पायल - 03 जोड़ी, चांदी की बिछिया- 03 अदद, और चांदी का सिन्दूर का किया 01 अदद बरामद किया है। सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने आगे बताया कि इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों में राजा वर्मा उर्फ हर्ष वर्मा शामिल है जो सदर थाना से पूर्व में आर्म्स एक्ट में जेल जा चुका है। वही लक्ष्मी कुमारी उर्फ सुप्रिया उर्फ छोटंकी, गुमला की रहने वाली है। राज वर्मा और लक्ष्मी दोनों प्रेमी प्रेमिका है। इसके अलावा अनीस सोनी का खेलगांव थाना स्थित न्यू खटंगा में निर्मला ज्वेलर्स सोना चांदी की दुकान है। यह चोरी के गहने खपाने का काम किया करता था।●

साइबर अपराधियों के गिरोह का पर्दाफाश

● ओम प्रकाश

जामताड़ा पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक महोदय जामताड़ा राजकुमार मेहता को मिली गुप्त सूचना के आधार पर, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में पुलिस निरीक्षक प्रकाश सेठ, मनीष कुमार गुप्ता, नीतीश कुमार, हीरालाल महतो सहित अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे। टीम ने नारायणपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरा टांड़ स्थित पत्थर खदान के पश्चिमी जंगल झाड़ के पास छापामारी की।छापामारी के दौरान पुलिस ने साइबर अपराध कृत करते हुए पाँच आरोपी सिराज अंसारी, शहाबुद्दीन अंसारी,असलम अंसारी, तौसीफ अंसारी और मोहम्मद समीर को मौके से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 11 फर्जी मोबाइल फोन, 15 सिम कार्ड, 4 एटीएम कार्ड, 1 आधार कार्ड, 1 पैन कार्ड और 1 मोटरसाइकिल बरामद किए गए।

जामताड़ा एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस वार्ता में बताया कि ये सभी आरोपी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित अन्य बैंकों के ग्राहकों को कॉल कर उनके क्रेडिट और डेबिट कार्ड बंद होने या नया कार्ड जारी करने का झांसा देते थे। इसके बाद ये लोग पीड़ितों के मोबाइल में स्क्रीन शेयरिंग ऐप डाउनलोड करवाकर उनके बैंक खातों और कार्ड की गोपनीय जानकारी हासिल करते थे। इसी जानकारी का उपयोग कर वे ऑनलाइन साइबर ठगी को अंजाम देते थे। गिरफ्तार सभी साइबर अपराधी बिहार, पशिचम बंगाल और झारखण्ड के राज्यों में सक्रिय थे एवं ठगी की घटना को अंजाम देते थे। इस मामले में जामताड़ा साइबर अपराध थाना कांड संख्या 65/25, दिनांक 24.10.2025 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है।गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।●

मंजूनाथ भजन्त्री ने किया एक साल का कार्यकाल पूरा

● **ओम प्रकाश**

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने सरकार का प्रथम वर्षगांठ 28 नवंबर को मोराहबादी के ऐतिहासिक मैदान में मनाया । इस दौरान कई योजनाओं का शिलान्यास , उद्घाटन और घोषणाएं भी की वहीं पूरी तैयारी जिला उपायुक्त मंजुनाथ भजन्त्री की देखरेख में की गई।

☞ **दो बार किया पदभार ग्रहण :-** बताते चले कि 2011 बैच के आईएएस अधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने रांची उपायुक्त पद पर दो बार पदभार ग्रहण किया। चुनाव से पहले इनका तबादला किया गया था। 1 अक्टूबर 2024 को 15 दिनों के लिए वे रांची उपायुक्त बने। इसी बीच चुनाव के तरीकों की घोषणा होते ही 15 अक्टूबर को भाजपा के शिष्टमंडल ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार से मिलकर मंजूनाथ भजंत्री को रांची के उपायुक्त पद से तत्काल हटाने की मांग की थी। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सह अधिवक्ता सुधीर श्रीवास्तव ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार को ज्ञापन सौंपकर चुनाव आयोग की उस चिठ्ठी का हवाला दिया था, जिसमें आयोग द्वारा मुख्य सचिव को पत्र लिखकर 15 दिन के अंदर कार्रवाई करने को कहा गया था। खास बात है कि लोकसभा चुनाव से पूर्व मंजूनाथ भजंत्री जमशेदपुर के डीसी थे, उस दौरान भी उन्हें चुनाव पूर्व पद से हटा दिया गया था।15 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के ठीक पहले उनका तबादला हुआ था और वरुण रंजन ने पदभार लिया। लेकिन मंजुनाथ भजन्त्री ने जिस दिन पदभार लिया उसी दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंजुनाथ भजन्त्री को पुन: उपायुक्त बनाने की घोषणा की और 29 नवंबर 2024 को रांची जिला का कमान उपायुक्त के रूप में मंजूनाथ भजंत्री ने संभाला।

☞ **जनता दरबार के लिए याद रखे जएंगे :-** जिला उपायुक्त मंजुनाथ भजन्त्री के इस एक साल के कार्यकाल में काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है, इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्यो को अमली जामा पहनाया है। मुख्य रूप से मंईया सम्मान योजना, जन्म प्रमाण पत्र, व मृत्यु प्रमाण

पत्र, अबुआ आवास सहित खासकर जनता दरबार लगाकर उन्होंने एतिहासिक काम किया,जहाँ आपसी विवाद का निपटारा, जमीन विवाद को खत्म करना, जमीन मोटेशन जैसे प्रक्रिया को सरल बनाना, लंबित मामलों का निष्पादन करना अपनी प्राथमिकता में रखा और हर सोमवार को जनता दरबार लगाया । जहां सैकड़ों पीड़ितों की हर सप्ताह सुनवाई होती है। कई लोगों के समस्याओं का समाधान भी किया गया। इसके अलावा हर मंगलवार को रांची जिला अंतर्गत सभी अंचल अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई कि वे प्रत्येक मंगलवार को अपने क्षेत्र के समस्याओं का समाधान करेंगे और इसमें भी काफी सफलताएं मिल रही है । लोगों को समस्याओं से छुटकारा भी मिल रहा। सबसे बड़ी बात है कि जिला उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री में विधि व्यवस्था, भूमि विवाद का निपटारा करने सहित प्रधानमंत्री एवं अबू आवास योजना का लाभ हर ग्रामीण को मिले इसे भी पूरा कराने में जुटे रहे।इस दौरान कांटा टोली फ्लाईओवर, रातू रोड फ्लाईओवर का उदघाटन के गवाह भी रहे।

☞ **प्रचार प्रसार में करोड़ों की राशि को बचाया :-** आम जनता को सरकार की योजनाओं की जानकारी हो, इसके लिए सरकार की तमाम योजनाओं का प्रचार प्रसार करने के लिए पहले जहाँ तहां होर्डिंग, फ्लैक्स लगाये जाते थे, जहाँ लोगों की भीड़ नहीं है वहाँ भी होर्डिंग, फ्लैक्स नीजी कंपनी के माध्यम से लगाये जाते थे जिसमें लाखों खर्च होता था। यह सब देखने के बाद उपायुक्त मंजुनाथ भजन्त्री ने नया विकल्प तैयार किया, जिससे सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार तो हो रही है, लेकिन करोड़ों रुपया की बचत भी हो रही है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने इसके लिए सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार के लिए सरकार के जितने भी विभाग है, कार्यलय व परिसर है, चाहे जिला मुख्यालय, डीपीआरओ, प्रखंड कार्यालय, नगर निगम कार्यालय, वार्ड कार्यालय, पंचायत भवन, पुलिस स्टेशन, रेलवे स्टेशन ,बस स्टेशन इत्यादि जगहों पर सरकार का होर्डिंग, फ्लेक्स लगाया गया। ऐसे जगहों पर हर तरह के लोगों का आगमन रहता है जो सरकार की योजना का लाभ लेते हैं उसे अब असानी से जानकारी मिल जाती है।

☞ **अभी सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं को लेकर किया जा रहा है काम :-** आपकी योजना आपकी, सरकार आपके द्वार 2025 में मंईया सम्मान योजना, वृद्धा पेंशन,विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, मंईया सम्मान योजना, अबुआ आवास, स्कूली छात्रों के लिए योजनाएं सहित रांची नगर निगम द्वारा इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली सुविधाएं जन्म के 30 दिनों के अन्दर आने वाले बच्चों का जन्म निबंध न।मृत्यु की घटना घटित होने के 30 दिनों के अंदर मृत्यु प्रमाणपत्र के,अपने परिसर में वर्षा जल संयोजन के अधिष्ठापन की सूचना निगम रिकॉर्ड में अपडेट कराना, पेयजल संयोजन या नियमितीकरण कराना, जल कर का भुगतान, म्युनिसिपल डेड लाईसेंस के लिए आवेदन,म्युनिनिपल देह लाईसेंस का नवीकरण के लिए आवेदन, लॉज, छात्रावास एवं बैंक्वेट हॉल का पंजीकरण के लिए आवेदन, प्रधानमंत्री आवास योजना-हरी के लिए आवेदन, मुख्यमंत्री अमिक योजना के तहत् श्रमिक कार्ड के लिए आवेदन, पी.एम. स्वनिधि के अंतर्गत आवेदना, विक्रेता अमुजपि पत्र के लिए आवेदन, स्वयं सहायता समुद्र के लिए आवेदन, छोटे दुकानहारों को मुद्राली (1) के तहत आवेदन, नि:शुल्क शिविर,जहरतमंदो की पहचान करते हुए कंबल वितरणा,घर्टी के सब-कर निर्धारण एवं गृहकर का भुगताना,घृतिकर के आंकड़ों में किसी भी लिपिकीय भूर का सुधार।,ैनससक ॅेजम न्मत बेंतहमेभुगतान योजनाएं इत्यादि पर किया जा रहा है काम।●

अबुआ सरकार नहीं बल्कि ठगों की सरकार

● ओम प्रकाश

भाजपा ने हेमंत सोरेन सरकार पार्ट-2 की पहली वर्षगांठ पर सरकार के खिलाफ आरोप पत्र जारी किया। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, मुख्य सचेतक विधायक नवीन जायसवाल, प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, आरोप पत्र समिति के सदस्य रविनाथ किशोर ने आरोप पत्र जारी किया। आरोप पत्र जारी करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार के 6 साल बर्बादी के 6 साल हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय जो सात गारंटी दी थी, उस पर राज्य सरकार एक कदम भी आगे नहीं बढी। उन्होंने कहा कि यह अबुआ सरकार नहीं, बल्कि ठगों की सरकार है, जिसने युवाओं, महिलाओं, किसानों, आदिवासी, पिछड़े, दलित, बुजुर्ग, दिव्यांग, स्कूली बच्चे सभी को ठगा है। उन्होंने 1932 खतियान आधारित नीति लाने की पहली गारंटी को बड़ा धोखा बताया। यहां की भाषा-संस्कृति का संरक्षण नहीं हो रहा है, बल्कि 21वीं सदी में भी चंगाई सभा के नाम पर अंधविश्वास को बढ़ावा और संरक्षण देने में हेमंत सरकार जुटी है। उन्होंने चंगाई सभा को पूरी तरह बंद करने की मांग की। दूसरी गारंटी मंईयां सम्मान पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज लाखों बहनों को धोखा दिया जा रहा है। वोट लेकर नाम काट दिए गए। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं पोर्टल नहीं खुलने की शिकायत लेकर दर-दर भटक रही हैं, पर कोई सुनने वाला नहीं। सम्मान राशि रोहिंग्या, बांग्लादेशी घुसपैठियों के खातों में भेजी जा रही है। मरांडी ने कहा कि सामाजिक न्याय की तीसरी गारंटी भी पूरी तरह फेल साबित हुई। पंचायत चुनाव बिना ओबीसी आरक्षण के हुए। निकाय चुनाव में भी कुछ नहीं हुआ। एससी, एसटी आरक्षण पर भी धोखा दिया। मरांडी ने कहा कि चौथी गारंटी जो खाद्य सुरक्षा की थी, उसमें तो लूट ही लूट मची है। 7 किलो अनाज तो मिला नहीं उल्टे 5 किलो अनाज भी लूट लिए गए। मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र के पतना में बड़ा घोटाला जांच में उजागर हुआ। 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने के वादे को तो सरकार के मंत्री ने सिरे से नकार दिया। रोजगार और स्वास्थ्य सुरक्षा से संबंधित पांचवीं गारंटी जिसमें 10 लाख नौकरी, 15 लाख का स्वास्थ्य बीमा पूरी तरह झूठा साबित हुआ। बड़े समारोह में 8791 लोगों को नियुक्ति पत्र देकर सरकार ढिंढोरा पीट रही है, जबकि पिछले 6 वर्षों में लगभग 30 हजार से ज्यादा कर्मचारी तो रिटायर हो चुके हैं। स्वीकृत पद से आधे कर्मचारी पदाधिकारी भी आज नियुक्त नहीं। उल्टे इस सरकार ने दो लाख से अधिक पद समाप्त कर दिए। उन्होंने कहा कि छठी गारंटी शिक्षा की और जिलों में 500 एकड़ का औद्योगिक पार्क बनाने की थी। जिस पर क्या हुआ यह जग जाहिर है। सरकार बताए कितने प्रखंडों में डिग्री कॉलेज खोले गए। कितने जिलों में मेडिकल इंजीनियरिंग की यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई। किस जिले में 500 एकड़ का औद्योगिक पार्क स्थापित हुआ। 7वीं गारंटी जो किसानों को धान खरीद में 3200 रुपये एमएसपी देने की थी पूरी तरह झूठा साबित हुआ। केंद्र द्वार स्वीकृत 2300 रुपये में 100 रुपये का बोनस देकर हेमंत सरकार ने 2400 रुपये एमएसपी निर्धारित किए। इस दर में भी लक्ष्य से आधे धान की भी खरीद नहीं हुई। कई जिलों में जो धान खरीद हुई उसके पैसे आज भी बकाए हैं। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार में राज्य में शराब, जेएसएससी सीजीएल परीक्षा, डीएमएफटी फंड, मैन पावर सप्लाई, गृह विभाग सामग्री खरीद, स्पोर्ट्स किट, भवन निर्माण, सरकारी टेंडर प्रक्रिया, डिग्री, जन्म प्रमाणपत्र, सरकारी रिक्त पद, आपदा मोचन निधि, स्वास्थ्य विभाग में तुष्टीकरण घोटाले हुए। उन्होंने कहा कि अबुआ सरकार में आदिवासी समाज सर्वाधिक बदहाल है। आज राज्य में सर्वाधिक दुष्कर्म की वारदातें आदिवासी युवतियों के साथ हुई हैं। दुमका से चाईबासा तक आदिवासी प्रताड़ित हो रहे हैं। राज्य की डेमोग्राफी बांग्लादेशी रोहिंग्या घुसपैठियों से बदल रही और राज्य सरकार इनका संरक्षण कर रही। विधानसभा में पहली बार सत्ता पक्ष के लोग एसआईआर का विरोध करते हुए बेल में घुस गए। सरकार के मंत्री बीएलओ को पकड़कर बंधक बनाने की धमकी भरी भाषा बोल रहे। उन्होंने कहा कि आखिर किस बात का डर राज्य सरकार को सता रही। उन्हें तो घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। अवैध मतदाताओं को चिन्हित करने में चुनाव आयोग की प्रक्रिया का सहयोग करना चाहिए।●

मैनपावर के आभाव में चल रहा रांची का साईबर थाना

● ओम प्रकाश

झारखंड में साईबर अपराध एक डिजिटल फॉर्मेट के तहत अपराध को बढ़ा रहा है और इस डिजिटल अटैक में न जाने कितने लोग इसके शिकार हो रहे हैं। झारखंड के लगभग सभी साईबर थाने और स्थानीय थाना में सोशल मीडिया से जुड़े मामले दर्ज किया जा रहे हैं । इसमें ठगी के साथ-साथ डिजिटल अरेस्ट , ठगी, सोशल मीडिया के द्वारा फोटो से छेड़छाड़, सेक्सुअल हैरेसमेंट, फेसबुक , व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, मेल आईडी हाईजैक करने जैसे कई घटनाएं सामने आ रही है, लगातार ऐसे मामले दर्ज हो रहे हैं। झारखंड के करीब रांची ,दुमका, गिरिडीह, देवघर ,जामताड़ा ,लातेहार, पलामू, सीआईडी साइबर, रामगढ़, सरायकेला , हजारीबाग ,बोकारो, चाईबासा में साइबर थाने हैं । लेकिन रांची जिला में 10 लाख रुपए तक की ठगी का मामला दर्ज होता है, और इससे अधिक ठगी का मामला सीआईडी साईबर थाने में दर्ज किया जाता है। इसके अलावा रांची जिला छोड़कर अन्य थाना में दो लाख राशि से कम ठगी से संबंधित मामले दर्ज किए जाते है।

☞ **सिर्फ रांची में पांच सौ से अधिक साईबर थाना में केस लंबित :-** झारखंड के सभी जिले के साईबर थाने को छोड़ दें और सिर्फ रांची जिला साईबर थाना की बात करें तो रांची जिला में कम से कम 500 से अधिक केस लंबित पड़े हैं , इसके पीछे एक ही कारण है कि रांची जिला के साईबर थाना में मैनपावर की कमी है । यहां एक डीएसपी, एक थानेदार सहित आठ अनुसंधानकर्ता और टेक्निकल में मात्र चार पुलिसकर्मी छोटे से कमरे में काम कर रहे हैं।

☞ **एक अनुसंधान कर्ता के पास 80 मामले लंबित :-** रांची साईबर थाना में बताया जाता है कि अनुसंधानकर्ताओं पर साईबर ठगी सहित कई मामले का प्रेशर है। एक-एक का

अनुसंधानकर्ता पर लगभग 80 से अधिक केस लंबित है। प्रत्येक दिन 8 से 10 आवेदन आते हैं और इन सब पर जांच पड़ताल करना, इसके अलावे लंबित केस पर अनुसंधान करना, इन तमाम चीजों को देखते हुए मैन पावर को बढ़ाने की जरूरत है। अनुसंधानकर्ताओं की संख्या पढ़नी चाहिए , तकनीकी क्षेत्र में काम करने वाले पुलिस कर्मियों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है।

☞ **जागरुकता है जरुरी :-** साईबर ठगी, सोशल मीडिया जैसे अपराध को कंट्रोल करने के लिए आम लोगों के भी जागरूकता के लिए प्रचार प्रसार जरूरी है । इसके लिए जगह-जगह पर नुक्कड़ नाटक, गीत संगीत, पोस्टर बैनर, स्कूल, कॉलेज, खासकर ग्रामीण - स्लम क्षेत्रों में प्रचार प्रसार को और तेजी के साथ करने की जरूरत है। सोशल साइट के माध्यम से भी प्रचार प्रसार करने की जरूरत है। आम से लेकर खास व्यक्ति को साईबर ठगी से कैसे बचा जा सके इसकी जानकारी सबको हो, इसपर काम करने की जरूरत है।

☞ **ठगी होने पर तुरंत 1930 को दें जानकारी :-** किसी भुक्तभोगी के साथ साईबर ठगी हुई है तो इसके लिए उसे तुरंत अपने बैंक खाते को बंद करवाना चाहिए। हेल्पलाइन नंबर 1930 को इसकी जानकारी दे। अपने साईबर थाना में जाकर शिकायत दर्ज कराये। शिकायत कर्ता अपने आवेदन के साथ स्क्रीन शॉर्ट, अपडेट बैंक खाता, आधार कार्ड सभी का फोटो काफी जमा करें।

☞ **इससे बचने की है जरूरत :-** साईबर अपराधी किसी भी रूप में आपके सामने आ सकते हैं , इसलिए सबसे पहले अज्ञात फोन नंबर रिसीव नहीं करें, कोई ओटीपी मांगे तो नहीं दें, बैंक पासबुक, एटीएम, पैनकार्ड का नंबर देने से बचे, कभी-कभी आपके परिचित की फर्जी तस्वीर लगाकर भी आपसे वॉइस मैसेज या वॉइस कॉल करके पैसे की मांग कर सकता है, तो आप उसके बहकावे में नहीं आए, कोई ब्लैकमेल करने की बात कर रहा है, चाहे पुरुष हो या महिला तो आप डरे नहीं बल्कि सतर्क हो जाए और उसकी जांच पड़ताल करने के लिए अपने स्थानीय थाना से संपर्क करें।●

फोटो जर्नलिस्ट मुन्ना कामदा को प्रेस क्लब में दी गई श्रद्धांजलि

● ओम प्रकाश

वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट कामदा कुमार उर्फ मुन्ना मामा के निधन पर द रांची प्रेस क्लब में रविवार को शोकसभा का आयोजन किया गया। मुन्ना कामदा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें दो मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।इस मौके पर पत्रकारों ने उनके परिवार के आर्थिक स्थिति में सुधार करने और हर संभव मदद पहुंचाने पर जोर दिया। बता दें कि कामदा कुमार अपने पैतृक गांव बिहार के गोपालगंज लूहसी 14 नवंबर 2025 को पहुंचे थे और यहीं 17 नवंबर को उन्हें अचानक हार्ट अटैक आया जिस कारण से उनकी मृत्यु हो गई थी। 18 नवंबर को अंतिम संस्कार विधिवत तरीके से गांव में ही कर दिया गया। रांची के

लोगों को 22 नवंबर को दुखद सूचना प्राप्त हुई थी, इसके बाद पत्रकारों में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना समय पर इसलिए नहीं मिल सकी क्योंकि मुन्ना का मोबाइल लॉक था और पासवर्ड परिजन को मालूम नहीं था। अंतिम समय में मोबाइल से सीम निकाल कर उसमें जो नंबर था उस नंबर से ही जानकारी दिया गया। इस शोकसभा में द रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन, सचिव अमरकांत, संयुक्त सचिव रतन लाल,पूर्व कोषाध्यक्ष सुशील सिंह मंटू, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र गिरी,सत्यप्रकाश पाठक, एस आर पी मुकेश, रुपेश, किसलय सानू, अमित दास, परवेज कुरैशी, विपिन उपाध्याय, विजय गोप, नवल, अंजनी कुमार, अभिषेक सिन्हा, मनोज श्रीवास्तव, सतीश, विकास सहित कई पत्रकार व फोटो जर्नलिस्ट उपस्थित थे।●

नशे के सौदागरों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में नशे का धंधा करने वालों को तगड़ा झटका लगा है। पुलिस ने मादक पदार्थों के संगठित गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कांके और बरियातू थाना क्षेत्रों में लगातार दो दिनों तक चली छापेमारी में पुलिस ने नशे के दस सौदागरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों के नाम अमित कुमार गुप्ता उर्फ बिट्टू, मुकेश कुमार यादव, मुन्ना यादव, चिकू यादव, सैयद समीर, बेबी परवीन, दीपक कुमार, राजू कुमार, टुटू कुमार साव और लिच्चू महतो बताये गये। इन लोगों को अभियान चलाकर 23 और 24 नवंबर की रात कांके और बरियातु थाना क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों से पकड़ा गया है। इनके पास से ब्राउन सुगर, गांजा, कफ सिरप, नकदी और कई उपकरण जब्त किए गए। इस बात का खुलासा रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया है। सिटी एसपी पारस राणा ने मीडिया को बताया कि रांची पुलिस कप्तान राकेश रंजन के निर्देश पर शहर के तमाम इलाकों में नशा और अड्डाबाजी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी बीच गुप्त सूचना मिली थी कि कांके इलाके में नशे का कारोबार बैखौफ हो रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद एसएसपी के निर्देश पर दो अलग-अलग छापेमारी दल गठित किए गए, एक टीम का नेतृत्व डीएसपी प्रथम अमर पांडेय कर रहे थे, जबकि दूसरी टीम डीएसपी सदर संजीव कुमार बेसरा के नेतृत्व में काम कर रही थी। टीम ने आईआईसीएम के पास मैदान में छापामारी की। यहां से चार लोगों को पकड़ा गया। इनके पास से करीब 50 ग्राम ब्राउन सुगर, एक किलो गांजा, मोबाइल, पैकिंग सामग्री, लाइटर, दो ऑटो और एक स्कूटी जब्त हुई। पूछताछ में सामने आए नामों के आधार पर पुलिस ने कोंगे जयपुर गांव में सैयद समीर के घर दबिश दी। यहां से 105 ग्राम ब्राउन सुगर, 1.6 किलो गांजा, 1.81 लाख रुपये नकद, डिजिटल मशीन और बड़ी मात्रा में पैकिंग सामग्री बरामद हुई। समीर और उसकी पत्नी बेबी परवीन को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद पुलिस ने ओमनगर, गांधी नगर में दीपक कुमार के घर छापा मारा। यहां से 50 ग्राम ब्राउन सुगर, 60 हजार रुपये नकद और पैकिंग सामग्री मिली। दीपक ने बताया कि पटना के बिहटा निवासी राजू कुमार नशा सामग्री सप्लाई करता है। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। कांके क्षेत्र में पकड़े गए कुल 8 आरोपियों के पास से 202 ग्राम ब्राउन सुगर, 2.5 किलो गांजा और 2.41 लाख रुपये नकद मिले। इनकी बाजार कीमत करीब 21.50 लाख रुपये आंकी गई है। इधर, बरियातू थाना क्षेत्र के हरिहर सिंह मोड़ स्थित झोपड़पट्टी में छापेमारी के दौरान ढूंटू कुमार साव और लिच्चू महतो को पुलिस ने मौके पर ही पकड़ लिया। इनके पास मिले कार्टन से 20 बोतल नशीले कफ सिरप बरामद हुए हैं। यह सामान बिना किसी वैध दस्तावेज के रखा गया था। दोनों ने स्वीकार किया है कि यह कफ सिरप, वे बोरिया निवासी धीरज कुमार से खरीदते थे और नशे के आदि लोगों को ऊंची कीमत पर बेचते थे।औषधि निरीक्षक की पुष्टि के बाद यह कफ सिरप प्रतिबंधित श्रेणी में पाया गया है। पुलिस ने दोनों मामलों में छक्टै एक्ट और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।दोनों आरोपी पहले भी नशे और महामारी अधिनियम के मामलों में चार्जशीटेड रह चुके हैं। गिरोह के दूसरे सदस्यों की तलाश जारी है और छापेमारी अभियान आगे भी जारी रहेगा।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

झारखण्ड की पहली महिला डीजीपी बनी तदाशा मिश्रा

● **ओम प्रकाश**

झारखंड की पहली महिला डीजीपी के तौर पर आईपीएस अधिकारी तदाशा मिश्रा ने अपना योगदान दे दिया है। 6 नवम्बर गुरुवार को सरकार ने तदाशा मिश्रा को प्रभारी डीजीपी नियुक्त किया था। दूसरे दिन शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में बतौर डीजीपी के रूप में तदाशा मिश्रा ने अपना पदभार भी ग्रहण कर लिया।बता दें कि झारखंड डीजीपी अनुराग गुप्ता ने ऐच्छिक सेवानिवृत्ति को लेकर आवेदन दिया था। जिसे झारखंड सरकार के द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। उनके आवेदन की स्वीकृति को लेकर भी गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने सहमति देते हुए अधिसूचना जारी कर दी है।

☞ **1994 बैच की है आईपीएस :** 1994 बैच की आईपीएस अधिकारी तदाशा मिश्रा ने झारखंड के प्रभारी डीजीपी के रूप में अपना योगदान दे दिया है। शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में तदाशा मिश्रा ने अपना पदभार ग्रहण किया। आईपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता के वीआरएस लेने के बाद झारखंड में डीजीपी का पद रिक्त हो गया था।

☞ **बेसिक पुलिसिंग पर जोर :-** प्रभारी डीजीपी का पदभार ग्रहण करने के बाद तदाशा मिश्रा ने बताया कि फिलहाल उनकी पहली प्राथमिकता झारखंड स्थापना दिवस रहेगी। इसके अलावा बेसिक पुलिसिंग पर उनका विशेष जोर रहेगा। संगठित अपराध और नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। प्रभारी डीजीपी तदाशा मिश्रा ने बताया कि पुलिस एक टीम की तरह काम करेगी, किसी एक व्यक्ति विशेष पर सब कुछ निर्भर नहीं करेगा। एक अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता है लेकिन एक टीम सब कुछ कर सकती है। उन्होंने आगे कहा कि पब्लिक का विश्वास जीतना उनकी विशेष प्राथमिकता में है।

☞ **सीएम से मुलाकात :-** पदभार ग्रहण करने के बाद राज्य की नवनियुक्त प्रभारी पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक तदाशा मिश्रा ने मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। प्रभारी पुलिस महानिदेशक का पदभार ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। जानकारी के लिए बता दे कि 1992 बैच के आईपीएस प्रशांत सिंह और 1993 बैच के आईपीएस एमएस भाटिया झारखंड में ही पदस्थापित हैं। ऐसे में संवैधानिक संकट भी है क्योंकि इन दोनों सीनियर अफसरों के होते हुए 1994 बैच की आईपीएस तदाशा मिश्रा को झारखंड पुलिस का नया कप्तान बनाया गया है।●

बाइक पर फर्जी नंबर लगाकर घूमने वाला आरोपी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची में फर्जी नंबर प्लेट लगाकर अपराधी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। इसका खुलासा बुधवार 26 नवंबर को उस समय हुआ, जब ट्रैफिक पुलिस ने डंगराटोली चौक से एक फर्जी नंबर प्लेट लगाकर बाइक चला रहे एक शख्स को पकड़ा। पुलिस को जांच में पता चला कि बाइक सवार युवक अपने रिश्तेदार की गाड़ी पर दूसरे की नंबर प्लेट लगाकर शहर में लूट व छिनतई की घटनाओं को अंजाम देने के लिए घूम रहा था। गिरफ्तार बाइक चालक मुस्लिम अंसारी बरियातू के सत्तार कॉलोनी का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी मुस्लिम की बाइक को भी जब्त कर ली है। हालांकि वह मूलरूप से बिहार के आरा का रहने वाला बताया गया है। गाड़ी के आगे रिश्तेदार का और पीछे दूसरे का नंबर लगा चल रहा था बताया गया कि ट्रैफिक पुलिस ने जब आरोपी को पकड़ा और कागजात मांगे तो वह दस्तावेज पेश नहीं कर

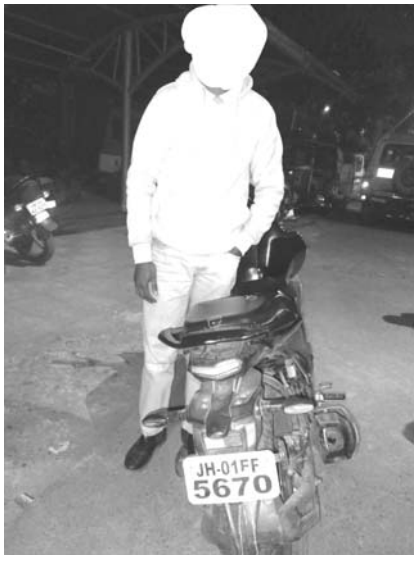

सका। आरोपी बाइक के आगे में जेएच01ईएफ-5670 नंबर लगा रखा था। वहीं, पीछे में जेएच01एफएफ-5670 लगाकर चल रहा था। पुलिस ने जब पहले नंबर की जांच की तो पता चला कि गाड़ी रसूल अंसारी के नाम से पंजीकृत है। वहीं, दूसरा नंबर कटहल मोड़ निवासी शुभम कुमार के नाम से पंजीकृत है। आरोपी मुस्लिम अंसारी पुलिस को भ्रमित करने के लिए अपनी बाइक में दो नंबर प्लेट लगा रखा था। ताकि वह पकड़ में नहीं आए। आरोपी ने बाइक के आगे में अपने रिश्तेदार का नंबर लगाया था। जबकि पीछे में शुभम नामक युवक की गाड़ी का नंबर लगा रखा था। इस वजह से शुभम के पास 11 चालान पहुंच गए। चालान पहुंचने के बाद शुभम ने ट्रैफिक एसपी को एक पत्र दिया और कहा कि वह इन इलाकों में कभी गाड़ी लेकर गया ही नहीं है। ऐसे में उसके पास चालान कैसे पहुंच रहा है। पुलिस जांच ही कर रही थी। इसी दौरान आरोपी पकड़ा गया। ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने शहरवासियों से अपने-अपने वाहन में मोटरयान अधिनियम के तहत प्रोपर तरीके से रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित कराकर ही वाहन चलाने की अपील की है। पकड़े जाने पर न सिर्फ जुर्माना होगा, बल्कि जेल भी हो सकती है।●

मंइयां सम्मान योजना में नाम जुड़वाने पहुंचे लोगों में मायूसी

● ओम प्रकाश

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन रांची नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 11 स्थित वाईएमसीए में किया गया। इस मौके पर वार्ड 11 क्षेत्र के आसपास के काफी जरूरतमंद पुरुष व महिलाएं शामिल हुई और अपना अपना आवेदन जमा कर निष्पादन की गुहार नगर निगम संबंधित विभाग एवं प्रशासक से किया। इस मौके पर जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर में लोगों की भीड़ देखी गई, तो वही मंइयां सम्मान योजना और खाद्य आपूर्ति के प्रति महिलाओं एवं पुरुषों में नाराजगी भी देखी गई। इस शिविर में मइंया सम्मान योजना का आवेदन एवं खाद आपूर्ति से संबंधित त्वरित निष्पादन नहीं हो रहा था , हालांकि कई लोगों ने खाद्य आपूर्ति से संबंधित राशन कार्ड में नाम जुड़वाने के लिए अपना आवेदन जमा किया है। लोगों ने कहा कि राशन कार्ड में नाम नहीं जोड़ने से मंईया सम्मान योजना का भी जो लाभ मिल रहा था शुरुआत में वह बंद हो गया है, इसके अलावा मंईया सम्मान

योजना से संबंधित आवेदन प्राप्त नहीं होने से भी लोगों ने कहा कि हम लोग इसी आस में आए थे कि जिन लोगों का 18 वर्ष पूरा हुआ है उन्हें मंईया सम्मान योजना से जोड़ा जाएगा , लेकिन शिविर में ऐसा नहीं हुआ। वहीं नगर निगम सहायक लोक स्वास्थ्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर किरण ने बताया कि यहां पर शिविर लगा है करीब 200 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराया है, मृत्यु प्रमाण पत्र और जन्म प्रमाण पत्र से संबंधित आवेदन आए हैं जिनका निष्पादन किया जाएगा। खाद्य आपूर्ति को लेकर भी आवेदन आए हैं, जिनका राशन कार्ड में नाम नहीं जुड़ा है उसे जुड़वाने का प्रयास किया जाएगा। मंईया सम्मान योजना को लेकर अभी तक कोई अपडेट नहीं है, जैसे कोई अपडेट आएगा तो संभवत फिर से शिविर लगाई जाएगी। इस मौके पर काफी संख्या में लोग शामिल थे और अपने आवेदन लेकर शिविर में पहुंचे थे।●

आक्रामक साजिशों के बीच संविधान की असल ताकत

● संजय सक्सेना, वरिष्ठ पत्रकार

26 नवम्बर आज केवल एक तारीख नहीं, आज की तारीख देश की आत्मा, उसके बुनियादी ढांचे और जनता की सर्वोच्चता की याद दिलाने वाला दिन है। संसद के गौरवशाली भवन में जब राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, प्रधानमंत्री और विभिन्न दलों के नेता संविधान दिवस पर अपने विचार रखते हैं तो सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों जानते हैं कि असली नैतिक शक्ति उस मोटी किताब में दर्ज जनता के अधिकारों से आती है। इसी वजह से आज की राजनीति में संविधान दिवस केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि विचारधाराओं की टकराहट, जनता के समर्थन की होड़ और भविष्य के भारत की दिशा तय करने का अहम मौका बन चुका है। सवाल यह उठता है कि जब संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ तो फिर संविधान दिवस 26 नवम्बर को क्यों मनाया जाता है। इसका उत्तर इतिहास के उस निर्णायक क्षण में छुपा है जब 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने बहस, मतभेद और भारी मंथन के बाद भारत के संविधान को औपचारिक रूप से अपनाया था। कुल 2 वर्ष 11 माह 18 दिन की लगातार मेहनत के बाद तैयार हुए इस संविधान को उसी दिन स्वीकार किया गया और यह दिन हमारे लोकतांत्रिक सफर की असली दस्तावेजी जन्मतिथि बन गया। बाद में 26 जनवरी को लागू करने के पीछे भी एक राजनीतिक और सांकेतिक निर्णय था, ताकि 1930 के पूर्ण स्वराज दिवस की याद के साथ गणराज्य की नई शुरुआत जोड़ी जा सके, इसलिए लागू होने की तारीख 26 जनवरी रखी गयी, जबकि अपनाने की ऐतिहासिक तारीख 26 नवम्बर ही रही।

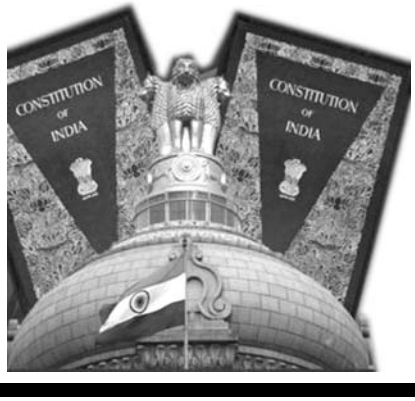

आज जो संविधान दिवस राजनीतिक बहस का केन्द्र है, वह दरअसल 2015 में एक नए रूप में सामने आया जब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर केन्द्र सरकार ने 26 नवम्बर को औपचारिक रूप से संविधान दिवस घोषित किया। इस निर्णय के पीछे तर्क यह था कि केवल गणतंत्र दिवस जैसे औपचारिक उत्सव से आगे बढ़कर साल में एक दिन ऐसा भी हो जो खास तौर पर नागरिकों को संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाए। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के बाद से हर वर्ष इस दिन विद्यालयों, महाविद्यालयों, न्यायालयों और सरकारी दफ्तरों में प्रस्तावना का सामूहिक पठन, गोष्ठियाँ, शपथ कार्यक्रम और बहसों का आयोजन होने लगा, जिसने इसे एक जीवंत राजनीतिक और सामाजिक उत्सव में बदल दिया। इस दिन संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित कार्यक्रम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सत्ता और जनमत के बीच संवैधानिक अनुबंध की सार्वजनिक पुनर्पुष्टि होती है। राष्ट्रपति जब प्रस्तावना और मूल अधिकारों पर जोर देती हैं, लोकसभा अध्यक्ष संसद की गरिमा और मर्यादा की बात

करते हैं, प्रधानमंत्री संविधान के प्रति निष्ठा दोहराते हैं, तो विपक्ष भी इस मंच को सरकार से सवाल करने और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर अपनी चिंता व्यक्त करने के लिए इस्तेमाल करता है। यही वजह है कि आज संविधान दिवस पर राजनीति गर्म होना स्वाभाविक है, क्योंकि यही मंच सत्ता के चरित्र, नीतियों और मंशा की असली परीक्षा का दिन भी बन जाता है।

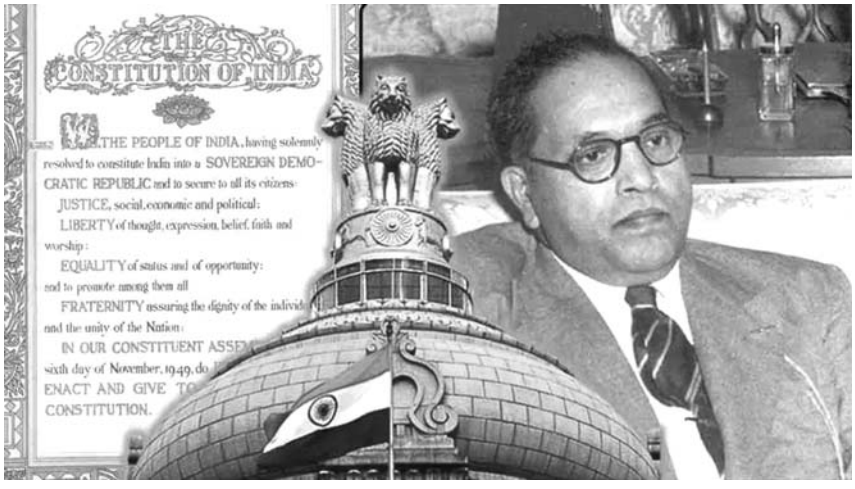

अब सवाल यह भी है कि 26 जनवरी 1950 को लागू हुए संविधान में इतने सालों में कितने बड़े बदलाव आ चुके हैं और उनका स्वरूप क्या रहा है। भारत का संविधान दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है और इसकी मजबूती का सबसे बड़ा प्रमाण यही है कि इसे समय के साथ बदलने और समाज की नई जरूरतों के अनुरूप ढलने की क्षमता दी गयी है। आज तक इसमें सौ से अधिक संशोधन हो चुके हैं, जिनमें से कई ने देश की राजनीतिक व्यवस्था, अधिकारों और शासन संरचना को गहरे तौर पर प्रभावित किया है; इन्हीं बड़े संशोधनों ने संविधान को केवल स्थिर दस्तावेज नहीं रहने दिया बल्कि एक जीवंत, बढ़ती हुई व्यवस्था में बदला है। इन बड़े परिवर्तनों में सबसे प्रमुख स्थान 42वें संशोधन को दिया जाता है, जिसे अक्सर 'लघु संविधान' कहा जाता है क्योंकि इसने प्रस्तावना से लेकर मूल कर्तव्यों और केन्द्र-राज्य संबंधों तक कई बुनियादी हिस्सों को बदल दिया। इसी संशोधन के माध्यम से प्रस्तावना में समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष और अखंडता जैसे शब्द जोड़े गये और नागरिकों के मूल कर्तव्यों की सूची पहली बार संविधान में दर्ज की गयी, जिससे अधिकारों के साथ कर्तव्यों की वैधानिक जिम्मेदारी भी रेखांकित हुई। यह संशोधन आपातकालीन दौर की राजनीति की देन था और आज भी इस पर बहस होती है कि इसने संविधान की मूल भावना को कितना मजबूत किया और कहाँ-कहाँ सत्ता के केंद्रीकरण का रास्ता खोला।

44वें संशोधन ने उसी आपातकालीन दौर की कई अतियों पर प्रहार करते हुए मूल अधिकारों की रक्षा को फिर से मजबूत किया और आपातकाल की घोषणा जैसे प्रावधानों को अधिक कठोर और जवाबदेह बनाया। इस संशोधन के जरिये यह प्रयास किया गया कि भविष्य में सत्ता किसी एक व्यक्ति या दल के हाथ में अत्यधिक केंद्रित होकर नागरिक स्वतंत्रताओं को कुचल न सके; यानी संविधान ने खुद अपने भीतर सुधार की प्रक्रिया अपनाकर लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए नई दीवारें खड़ी कीं। इसी क्रम में बाद के संशोधनों ने चुनावी व्यवस्था, पंचायती राज, नगर निकायों और आरक्षण नीति तक को नए रूप में गढ़ा। 73वें और 74वें संशोधनों ने गाँव से लेकर शहर तक स्थानीय स्वशासन की नई नींव रखी, जिससे पंचायतों और नगर निकायों को संवैधानिक दर्जा मिला और आम नागरिक के दरवाजे पर लोकतंत्र की आवाजाही बढ़ी। इन संशोधनों ने महिला सहभागिता बढ़ाने के लिए आरक्षण की व्यवस्था को मजबूती दी, जो बाद में राज्यों द्वारा अलग-अलग स्तर पर और विस्तारित की गयी; इस तरह संविधान ने लोकतंत्र को केवल राजधानी और विधानसभा भवनों तक सीमित नहीं रहने दिया बल्कि उसे मोहल्ले और गाँव की चौपाल तक पहुँचाया। इसी दौरान शिक्षा, नगर नियोजन और स्थानीय संसाधनों के नियंत्रण पर भी जनता और स्थानीय निकायों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में संवैधानिक सुरक्षा मिली।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण से जुड़े संशोधन भी संविधान में बड़े बदलाव के रूप में दर्ज हैं, क्योंकि इन्हीं के माध्यम से सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम उठाये गये। उच्चतम न्यायालय के फैसलों

और राजनीतिक सहमति के बीच टकराव और समन्वय की कठिन प्रक्रिया से गुजरते हुए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था को संतुलित किया गया, ताकि समता के आदर्श और प्रशासनिक दक्षता दोनों के बीच एक व्यावहारिक रास्ता निकल सके। हाल के वर्षों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण देने वाला संशोधन भी इसी बहस का हिस्सा है, जो दिखाता है कि संविधान की व्याख्या केवल जाति आधारित पिछड़ेपन तक सीमित नहीं रखी जा रही। इन सभी बड़े संशोधनों के बावजूद संविधान की प्रस्तावना में दर्ज न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल आदर्श आज भी वही हैं, जिन पर पूरी राजनीतिक बहस घूमती है। आज सत्ता पक्ष इन्हीं आदर्शों के नाम पर अपनी नीतियों को जनता के सामने न्यायोचित ठहराता है, तो विपक्ष भी इन्हीं आदर्शों का हवाला देकर सरकार पर हमला बोलता है कि कहीं न कहीं संवैधानिक संस्थाएँ कमजोर की जा रही हैं या अधिकारों को सीमित किया जा रहा है। इसी टकराव में नागरिकों की भूमिका निर्णायक बनती है, क्योंकि लोकतंत्र में आखिरी फैसला मतदाता के हाथ में होता है, जो संविधान को अपने वोट से जिंदा रखता है।

संविधान दिवस की राजनीति इसलिए भी अधिक तीखी हो गयी है क्योंकि यह दिन केवल उत्सव नहीं, आत्ममंथन का भी दिन बनता जा रहा है। आज जब संसद में बहस होती है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता, मीडिया की आजादी, चुनावी व्यवस्था की पारदर्शिता और संघीय ढांचे की मजबूती कितनी सुरक्षित है, तो उसका सीधा संबंध संविधान की आत्मा से जुड़ जाता है; कोई भी दल खुलकर यह स्वीकार नहीं कर सकता कि वह संविधान से ऊपर है, इसलिए सब उसकी व्याख्या अपने हिसाब से करने की कोशिश करते हैं। यही संविधान की असली ताकत है कि हर दल, हर नेता, हर आंदोलन को अंततः उसी किताब का सहारा लेना पड़ता है, जिसमें पहली पंक्ति जनता को सर्वोच्च बताती है। आज भी जब संसद के बाहर नारों, टीवी बहसों और सामाजिक माध्यमों पर आरोप-प्रत्यारोप का शोर गूंजता है, तब भी संविधान की प्रस्तावना शांत, स्पष्ट और अडिग खड़ी रहती है। यह दिन याद दिलाता है कि सरकारें आयेंगी, जायेंगी, बहुमत बदलेंगे, नारे बासी हो जायेंगे, लेकिन अगर नागरिक सचेत रहें, अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझें, तो संविधान किसी भी तानाशाही इरादे को मात दे सकता है। इसी चेतना को जिंदा रखना ही संविधान दिवस का असली उद्देश्य है, और यही वजह है कि इस दिन की राजनीति जितनी गरम होगी, जनता के लिए संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी उतनी ही बड़ी होती जाएगी।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

ममता एसआईआर के विराध के नाम पर दे रही हैं घुसपैठियों का साथ

● अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल में वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन) प्रक्रिया का जबर्दस्त विरोध कर रही हैं, क्योंकि उनका मानना है कि यह प्रक्रिया भाजपा द्वारा अल्पसंख्यकों, खासकर मुस्लिम वोटर्स को निशाना बनाने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल की जा रही है। ममता का यह भी आरोप है कि एसआईआर के तहत घुसपैठियों को वोटर लिस्ट से हटाने का नाम लेकर असली वोटरों को भी परेशान किया जा रहा है, जिससे उनका वोट बैंक प्रभावित हो सकता है। इस विरोध के पीछे दो पहलू हैं: एक तो ममता का अल्पसंख्यक वोट बैंक बचाने का प्रयास, और दूसरा पश्चिम बंगाल में चुनावी फायदे की नजर से यह विरोध। उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए असम जैसे भाजपा शासित राज्यों में इस प्रक्रिया को लागू न करने की निंदा की है। ममता ने चुनाव आयोग को कई बार पत्र लिखकर इस प्रक्रिया को अव्यवस्थित, खतरनाक और बिना तैयारी के बताया है और इसे रोकने की मांग की है।

पश्चिम बंगाल में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) को इस प्रक्रिया में काम करने में जो परेशानी हो रही है, वह तृणमूल कांग्रेस और ममता सरकार के एसआईआर विरोध के चलते है। बीएलओ यूनाइटेड फोरम के अनुसार, प्रदेश में बीएलओ को राजनीतिक संरक्षण वाले अपराधी तत्व धमका रहे हैं, जिससे वे अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहे। बीएलओ के लिए उचित सुरक्षा, ट्रेनिंग और प्रशासनिक सहूलियत नहीं मिल रही है; वे अपने स्कूलों में भी उपस्थिति दर्ज नहीं करवा पा रहे हैं और उनके ड्यूटी आवंटन में अनियमितता है। इसके अलावा, उन्हें काम का अत्यधिक दबाव, डेटा में त्रुटियां, सर्वर फेलियर जैसी तकनीकी समस्याएं झेलनी पड़ रही हैं और बिना कारण बताए डिसिप्लिनरी एक्शन की धमकियां मिल रही हैं। ममता सरकार की यह रणनीति

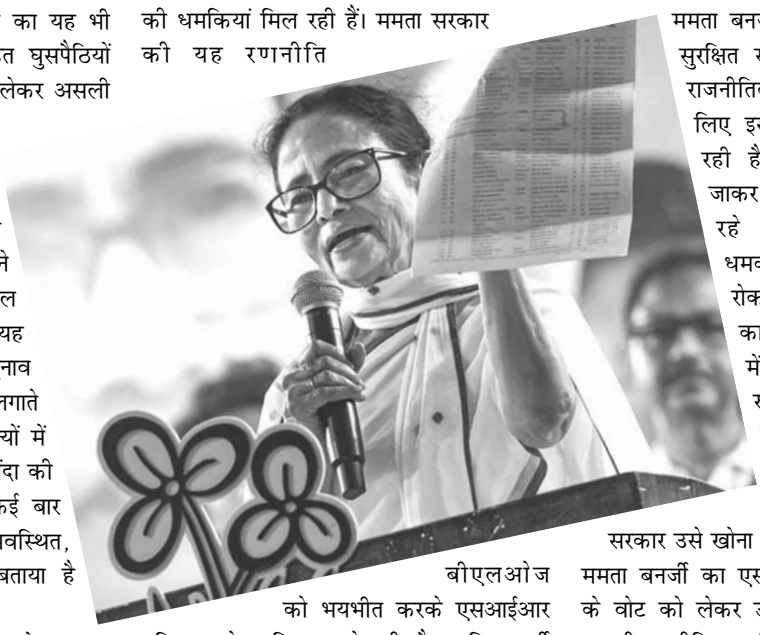

बीएलओ को भयभीत करके एसआईआर प्रक्रिया को बाधित करने की है, ताकि फर्जी वोटर सूची में बने रह सकें और घुसपैठियों या फर्जी वोटर्स को हटाने की प्रक्रिया सफल न हो। इस कारण प्रभावी तरीके से केवल पश्चिम बंगाल में ही बीएलओ को काम करने में दिक्कतें आ रही हैं। ममता ने चुनाव आयोग पर भी आरोप लगाया है कि वे एसआईआर प्रक्रिया के तहत लगने वाले दबाव और समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं, जबकि बीएलओ अपने हद से ज्यादा काम कर रहे हैं। चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया के रूप में पुलिस कार्रवाई व अन्य समर्थन नहीं मिल रहा, जिससे बीएलओ और ज्यादा दबाव में हैं।

इस प्रकार, ममता सरकार का एसआईआर विरोध और बीएलओ पर हो रहे दबाव की जड़ में सीधा राजनीतिक हित है। ममता बनर्जी अल्पसंख्यक वोटरों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ अपने राजनीतिक प्रभाव को बचाने के लिए इस प्रक्रिया का विरोध कर रही हैं। बीएलओ, जो घर-घर जाकर वोटर लिस्ट की जांच कर रहे हैं, उन्हें दंडित करने, धमकाने एवं उनकी सहायता रोकने की क्रियाएं इस विरोध का हिस्सा हैं। पश्चिम बंगाल में यह स्थिति इसलिए विशेष रूप से गंभीर है, क्योंकि यहां के वोट बैंक में अल्पसंख्यकों का बड़ा हिस्सा है और ममता सरकार उसे खोना नहीं चाहती। कुल मिलाकर, ममता बनर्जी का एसआईआर विरोध घुसपैठियों के वोट को लेकर उनकी चिंता के साथ-साथ चुनावी रणनीति का हिस्सा है, जबकि बीएलओ को इस प्रक्रिया में कानूनी, प्रशासनिक और राजनीतिक दबाव की वजह से काम करना कठिन हो रहा है, और ममता सरकार इन दबावों और बाधाओं को बढ़ा रही है ताकि एसआईआर प्रक्रिया पूरी तरह से प्रभावी न हो सके।●

कांग्रेस की अंदरूनी जंग ढ़ाई साल का

रोटेशन फॉर्मूला अब बना संकट

● अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

कर्नाटक की राजनीति में पिछले कुछ दिनों से उठ रहा तूफान अब स्पष्ट रूप से दिखाने लगा है कि राज्य की सत्ता के शीर्ष पर खींचतान किस हद तक पहुँच चुकी है। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को प्रचंड जीत मिली थी। कांग्रेस ने 224 में से 135 सीटों पर कब्जा किया था जबकि भाजपा 66 सीटों और जेडीएस 19 सीटों पर सिमट गई थी। जीत के बाद कांग्रेस ने राज्य में सरकार तो बना ली, लेकिन सत्ता के असली खेल की बिसात उसी दिन से बिछनी शुरू हो गई थी, जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर सिद्धारमैया को बिठाया गया और डीके शिवकुमार को डिप्टी सीएम बनाकर इस उम्मीद पर रखा गया कि ढाई साल बाद उनकी बारी आएगी। इसी ढाई साल के रोटेशन फॉर्मूले की घड़ी अब पास आ चुकी है। सिद्धारमैया के कार्यकाल के ढाई साल पूरे होने पर शिवकुमार के समर्थकों ने पार्टी नेतृत्व पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। उनके करीबी विधायकों का बिना पूर्व निर्धारित समय लिए दिल्ली पहुँचना और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने की कोशिशें इसी दबाव राजनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इस मुलाकात के वायरल हुए फोटो और वीडियो ने कर्नाटक में सियासी उथल-पुथल को और तेज कर दिया है।

राज्य में सत्ता परिवर्तन की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने तेवर साफ कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को पाँच साल का जनादेश मिला है और वह पाँच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने मीडिया में चल रही "नवंबर क्रांति" की चर्चाओं को हवा बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सरकार स्थिर है और अगले साल का बजट भी वही पेश करेंगे। सिद्धारमैया का यह बयान साफ दिखाता है कि वह कुर्सी छोड़ने के मूड में नहीं हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सिद्धारमैया कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड अपने नाम करना चाहते हैं और उनके लिए यह अवसर बेहद अहम है। दूसरी तरफ शिवकुमार धैर्य के साथ हाईकमान के फैसले का इंतजार करते हुए भी अपनी दावेदारी मजबूत करने का हर अवसर साध रहे हैं। वह वोक्कालिगा समुदाय के सबसे बड़े नेता हैं, दक्षिण कर्नाटक में उनकी पकड़ बेहद मजबूत है। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में इस समुदाय के कुछ हिस्सों का रुख भाजपा की ओर दिखा, लेकिन राज्य संगठन में शिवकुमार की पकड़ कम नहीं हुई। वह कांग्रेस के संकटमोचक नेता के तौर पर अपनी अलग पहचान रखते हैं। मध्य प्रदेश, गोवा और गुजरात जैसे राज्यों में कांग्रेस संकटों के दौरान उनकी सक्रियता और रणनीति को पार्टी के भीतर बड़ी ताकत माना जाता है। यही वजह रही कि 2023 कर्नाटक चुनाव से ठीक पहले सीबीआई और ईडी के दबाव के बावजूद वह डटे रहे और चुनावी जीत के बाद सिद्धारमैया के साथ सत्ता की इस नई कहानी की शुरुआत हुई। लेकिन इस कहानी में हमेशा से एक अनकहा संघर्ष रहा, जो अब खुलकर सामने आ चुका है। शिवकुमार का यह कहना कि "कोई भी पद स्थायी नहीं होता, मैं लाइन में पहले नंबर पर हूँ" उनकी महत्वाकांक्षा की खुली घोषणा है। वह लगातार अपने समर्थकों को भरोसा दे रहे हैं कि उनकी बारी आएगी। लेकिन कब आएगी, यही सवाल कर्नाटक की राजनीति को इस समय बेचैन कर रहा है। कांग्रेस हाईकमान अब इस बेचैनी को संभालने में उलझा हुआ है। भाजपा इस पूरी स्थिति को "कांग्रेस का

अंदरूनी संकट" बताते हुए हमलावर हो चुकी है। विपक्ष का आरोप है कि सत्ता संघर्ष की वजह से प्रशासनिक कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ठेकेदारों ने दावा किया है कि लगभग 33,000 करोड़ रुपये के भुगतान में देरी हो रही है। इसका असर विकास परियोजनाओं पर साफ दिखाई देता है। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सरकार पर यह भी आरोप लगाया है कि प्रदेश की जनता को राहत देने की योजनाएँ सिर्फ कागजों में चल रही हैं जबकि जमीन पर विकास ठप पड़ा है। कांग्रेस के भीतर बढ़ती बेचैनी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कई विधायक यह मानते हैं कि स्थिति अगर ऐसी ही रही तो 2028 के चुनाव में इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता खुले तौर पर हाईकमान से यह आग्रह कर चुके हैं कि स्थिति स्पष्ट की जाए और मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही रस्साकशी खत्म की जाए। आंतरिक बैठकों में इस बात पर सहमति बनी है कि पार्टी का संदेश एकजुटता का होना चाहिए न कि सत्ता संघर्ष का।

सवाल यह भी है कि अगर हाईकमान सिद्धारमैया को हटाने का जोखिम नहीं लेता, तो क्या शिवकुमार सख्त कदम उठा सकते हैं? उनके बयान अक्सर यह संकेत देते हैं कि वह

पार्टी से इतर निर्णय से खुद को नहीं जोड़ते, लेकिन राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं होता। महाराष्ट्र मॉडल की कई बार चर्चा हो चुकी है, जहां सरकारें रातों-रात पलट चुकी हैं। शिवकुमार के भाजपा से बेहतर संबंधों की भी कई बार चर्चा होती रही है। उनके खिलाफ दर्ज मामलों की मौजूदगी और एजेंसियों की सक्रियता को लेकर भी राजनीतिक संकेत निकाले जाते हैं। इसलिए अगर कांग्रेस की इस अंदरूनी लड़ाई में भाजपा अवसर तलाशती है तो यह किसी को चकित नहीं करेगा। कहा जाता है कि सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच समझौता ही कांग्रेस की जीत की नींव था। लेकिन अब वही समझौता कांग्रेस की सत्ता को डस्टेबलाइज कर रहा है। हाईकमान के सामने एक तरफ सिद्धारमैया की ओबीसी राजनीति है, तो दूसरी तरफ शिवकुमार की संगठनात्मक पकड़ और वोक्कालिगा वोटबैंक। दोनों नेताओं की अपनी मजबूती और अपनी-अपनी सीमाएँ हैं। ऐसे में किसी भी पक्ष को नाराज करना कांग्रेस के लिए जोखिम भरा होगा। बेंगलुरु में हवा यह कह रही है कि आने वाले दिनों में कुछ बड़ा होने वाला है। अगर सिद्धारमैया को हटाया जाता है तो वह इसे अपनी राजनीतिक विरासत के खिलाफ कदम मान सकते हैं और नाराजगी खुलकर सामने आ सकती है। वहीं अगर शिवकुमार की दावेदारी को टाल दिया गया तो उनके समर्थक इसे वादाखिलाफी मानकर सड़कों पर उतर सकते हैं। कांग्रेस के भीतर उठती यह लहर आने वाले महीनों में सुनामी भी बन सकती है।राज्य की जनता को उम्मीद थी कि प्रचंड बहुमत से मिली सरकार विकास की नई इबारत लिखेगी। लेकिन आज हालत यह है कि राज्य की राजनीति कुर्सी के लिए टकराती दो आकांक्षाओं में उलझी पड़ी है। कांग्रेस हाईकमान के लिए इस संघर्ष को सुलझाना जितना जरूरी है, उतना ही मुश्किल भी। कर्नाटक की सत्ता की इस जंग में कौन आगे निकलता है और कौन किनारे होता है, यह फैसला आने वाले कुछ हफ्तों में हो जाएगा। लेकिन इतना तय है कि इस राजनीतिक दांव-पेच ने कर्नाटक में सत्ता के भविष्य को अनिश्चितता की आग में झोंक दिया है।●

बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेगी कांग्रेस

● अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

मुंबई की राजनीति में वह क्षण एक बार फिर सामने है, जब चुनाव सिर्फ एक स्थानीय निकाय का नहीं, बल्कि पूरे राज्य की दिशा तय करने वाला माना जाता है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के दिसंबर-जनवरी में प्रस्तावित चुनावों को लेकर इस बार सबसे बड़ा राजनीतिक धमाका तब हुआ, जब कांग्रेस ने महा विकास आघाड़ी (एमवीए) में बने रहने के बावजूद अकेले चुनाव मैदान में उतरने का निर्णय ले लिया। यह फैसला जितना साहसिक दिखाई देता है, उतना ही यह संकेतों और संदेशों से भरा हुआ भी है। मुंबई जैसे आर्थिक और राजनीतिक रूप से अत्यंत प्रभावशाली शहर में जहां हर सीट का महत्व है, वहां कांग्रेस का यह कदम पूरी राजनीति की रफ्तार बदल सकता है। मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ और संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने यह मांग लंबे समय से उठाई थी कि पार्टी को बीएमसी जैसे विशाल मंच पर अपनी स्वयं की पहचान को सामने रखना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में गठबंधन राजनीति ने कांग्रेस के लिए उम्मीद से कम परिणाम दिए, विशेषकर स्थानीय निकायों में। वर्ष 2017 के बीएमसी चुनाव में कांग्रेस 31 सीटें लेकर तीसरे स्थान पर रही थी, जबकि भाजपा 82 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। लेकिन इस बार समीकरण बिल्कुल बदल चुके हैं और यही कारण है कि कांग्रेस ने यह दांव खेला है। पार्टी के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला ने भी स्पष्ट कर दिया कि स्थानीय इकाई ने जबरदस्त उत्साह से यह मांग की, और नेतृत्व ने उनका मत स्वीकार किया।

कांग्रेस का यह फैसला यूं ही नहीं हुआ। बिहार विधानसभा चुनावों में जिस तरह गठबंधन का हिस्सा होकर कांग्रेस को उम्मीद से कम सीटें मिलीं, उससे पार्टी कार्यकर्ताओं में यह विश्वास पैदा हुआ कि स्वतंत्र लड़ाई अधिक फायदेमंद साबित हो सकती है। कई विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस अगर बिहार में अकेले लड़ती, तो वह कम से कम छह सीटें जीत सकती थी और उसका वोट प्रतिशत 12 से 14 प्रतिशत तक जा सकता था। लेकिन गठबंधन की मजबूरी ने कांग्रेस को वह अवसर नहीं दिया। कार्यकर्ताओं और जमीनी नेताओं का उत्साह लगातार घट रहा था, और यही हताशा मुंबई में बड़े बदलाव का कारण बनी। मुंबई में कांग्रेस की स्थिति बिहार जितनी कमजोर नहीं है। यहां उसका परंपरागत वोट बैंक अभी भी काफी स्थिर है मुस्लिम वोटर लगभग 20-22 प्रतिशत, दलित 10-12 प्रतिशत और दक्षिण भारतीय समुदाय 8-10 प्रतिशत। यह तीनों समूह लंबे समय से कांग्रेस के कोर सपोर्टर रहे हैं। 2017 के चुनावों में जिन इलाकों में मुस्लिम बहुलता थी, वहां कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया था। आज भी मुंबई के दक्षिण और मध्य इलाकों तथा बांद्रा, अंधेरी, वर्ली जैसे क्षेत्रों में कांग्रेस का संगठन मजबूत माना जाता है। यही नहीं, पार्टी ने हाल के वर्षों में 50,000 से अधिक नए सदस्य जोड़े हैं और 1000 से अधिक टिकट आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह संगठनात्मक ऊर्जा कांग्रेस को अकेले मैदान में उतरने का आत्मविश्वास देती है। लेकिन कांग्रेस की इस चाल के पीछे सिर्फ आत्मविश्वास ही नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति भी है। पार्टी को सबसे अधिक असहजता एमएनएस से बढ़ती नजदीकियों को लेकर थी। जब उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच हाल के महीनों में सहयोग के संकेत मिले मतदाता सूची में गड़बड़ियों के विरोध में हुई संयुक्त रैली इसका उदाहरण है तो कांग्रेस की चिंता गहराने लगी। राज ठाकरे की राजनीति पर कांग्रेस हमेशा सवाल उठाती रही है, खासकर 'मराठी मानूस' और प्रवासी- विरोधी अभियानों के कारण। वर्षा गायकवाड़ ने खुलकर कहा कि कांग्रेस कभी भी एमएनएस के साथ हाथ नहीं मिला सकती। यदि यह गठबंधन और मजबूत होता, तो न सिर्फ कांग्रेस को कम सीटें मिलतीं बल्कि उसका सेक्युलर वोट बैंक भी बिखर सकता था।उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस के अकेले लड़ने के फैसले पर कहा कि हर दल को अपने निर्णय लेने की स्वतंत्रता है और शिवसेना (यूबीटी) भी उसी तरह स्वतंत्र है। यह बयान दिखाता है कि एमवीए में सतही शांति के बावजूद अंदरूनी तनाव मौजूद है। कांग्रेस का मानना है कि यदि

शिवसेना और एमएनएस मिलकर एक मजबूत मराठी फ्रंट बनाते हैं, तो कांग्रेस को सिर्फ 50-60 सीटें मिल सकती थीं, जबकि वह कम से कम 100 से अधिक सीटों पर लड़ने का दावा रखती है। कांग्रेस को यह भी आशंका है कि 'मराठी बनाम अन्य' की राजनीति में वह 'आउटसाइडर' बन जाएगी, जिससे उसके कोर वोटर्स दूर हो सकते हैं।

कांग्रेस की रणनीति में यह पहलू बेहद महत्वपूर्ण है कि अकेले लड़ने से उसे मुस्लिम और दक्षिण भारतीय वोटों का और अधिक एकजुट समर्थन मिल सकता है। एमएनएस के साथ शिवसेना की नजदीकी बढ़ने से मुस्लिम वोटर असहज हो सकते थे, और कांग्रेस इसी भावना का लाभ उठाकर स्वयं को एकमात्र मजबूत सेक्युलर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। यह कांग्रेस के लिए सिर्फ वोटों की राजनीति नहीं, बल्कि अपनी वैचारिक स्थिति का भी बयान है। हालांकि इस फैसले से सबसे अधिक लाभ भाजपा को होने की आशंका है। भाजपा 2017 से अब तक बीएमसी में सबसे बड़ी ताकत रही है। यदि विपक्ष विभाजित होकर लड़ता है, तो भाजपा को बहुत फायदा मिल सकता है। लेकिन कांग्रेस का तर्क है कि 'कब तक हम अपनी कीमत पर दूसरों का फायदा कराते रहेंगे?' पार्टी का मानना है कि एमवीए में उसकी भूमिका लगातार छोटी होती जा रही थी, और अब उसे अपनी ताकत और कमजोरी का आकलन खुद करना होगा। मुंबई कांग्रेस के दो लाख से अधिक सक्रिय कार्यकर्ता, वर्षों से सड़कों पर सक्रिय पार्षद और मजबूत बूथ संरचना कांग्रेस के फैसले को वजन देती है।

यह सिर्फ चुनाव लड़ने का नहीं, बल्कि अपना खोया हुआ राजनीतिक आधार पुनः हासिल करने का मौका है। मुंबई जैसे शहर में जहां हर समुदाय की राजनीतिक समझ अलग होती है, कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह इस विविधता के भीतर अपनी जगह दोबारा बनाए। लेकिन अगर उसका वोट बैंक एकजुट हो गया, तो अकेले लड़ने का यह दांव उसके लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है।

बहरहाल, यह फैसला कांग्रेस के लिए जोखिम और अवसर दोनों लेकर आया है। मुंबई की बीएमसी का बजट 40,000 करोड़ रुपये से अधिक है देश की किसी भी नगरपालिका से बड़ा। यहां की राजनीति सिर्फ वार्डों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि राज्य और राष्ट्रीय राजनीति तक असर डालती है। कांग्रेस ने इस चुनाव में अपने भविष्य को दांव पर लगा दिया है। अगर यह दांव सफल रहा, तो महाराष्ट्र की राजनीति में कांग्रेस की वापसी की कहानी लिखी जाएगी; लेकिन अगर यह असफल हुआ, तो पार्टी को गहरे संगठनात्मक पुनर्विचार की जरूरत पड़ेगी। मुंबई की राजनीति अब एक नए मोड़ पर है एक तरफ शिवसेना का अपना अस्तित्व बचाने का संघर्ष, दूसरी तरफ भाजपा की आक्रामक रणनीति और अब कांग्रेस का अपने पैरों पर खड़े होने का ऐलान। यह चुनाव सिर्फ एक निकाय का नहीं, बल्कि मुंबई की पहचान, उसकी राजनीति, और महाराष्ट्र की सत्ता संतुलन का भी फैसला करेगा। कांग्रेस ने अपनी चाल चल दी है, अब जनता की बारी है कि वह तय करे कि क्या यह आत्मविश्वास मुंबई में नई राजनीति का द्वार खोलेगा या फिर विपक्ष को और ज्यादा विभाजित कर देगा।●

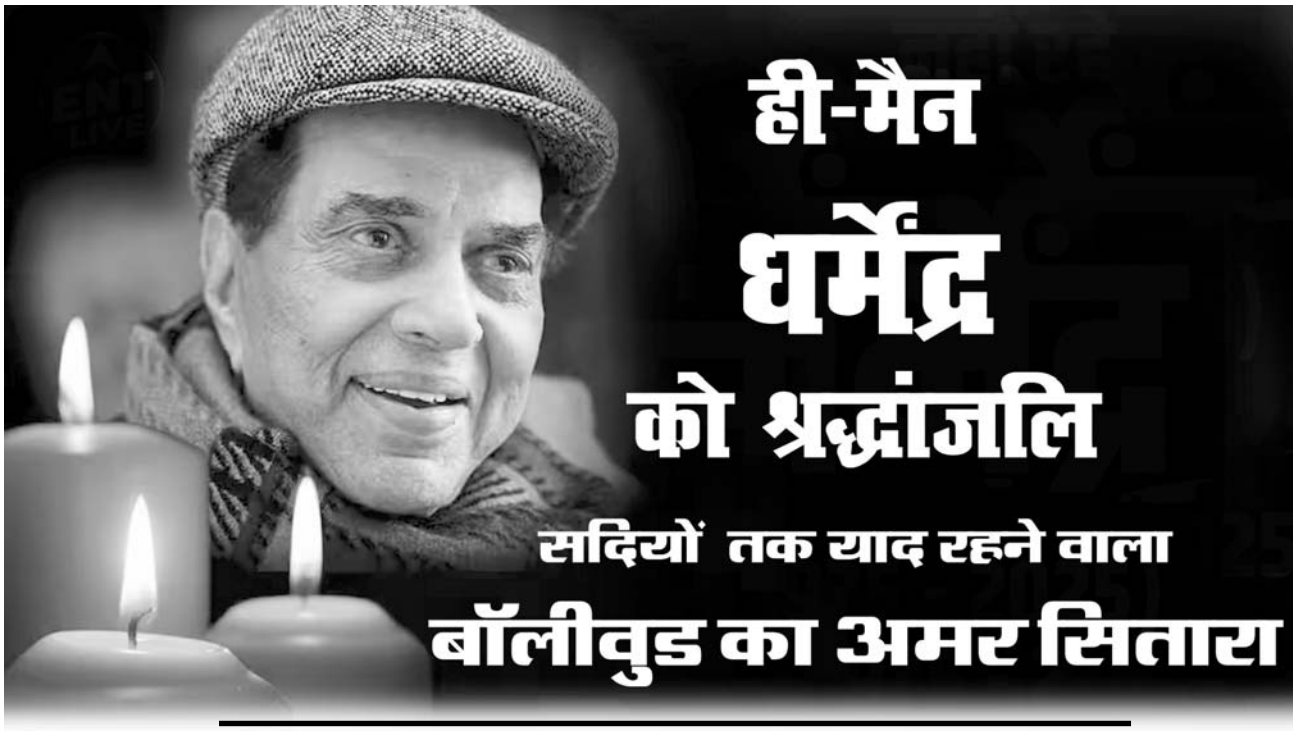

ही-मैन धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि

सदियों तक याद रहने वाला बॉलीवुड का अमर सितारा

● अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

हिंदी सिनेमा के रूपहले पर्दे पर एक ऐसा नाम जिसने सात दशक तक अपनी चमक से परचम लहराया, वह नाम था धर्मेंद्र। पंजाब की मिट्टी से उठकर बॉलीवुड की सबसे बुलंद ऊंचाइयों तक पहुंचने वाले इस अभिनेता ने जो सफर तय किया, वह किसी सपने से कम नहीं। वह सिर्फ सुपरस्टार नहीं थे, बल्कि ऐसे कलाकार थे जिनके संवाद, जिनकी मुस्कान और जिनकी बहादुरी का अंदाज लोगों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेगा। उन्हें ही-मैन कहा गया, ग्रीक गॉड कहा गया, और यही दर्जे उन्हें उनकी प्रतिभा, सरलता और अदम्य हौसले ने दिलाए। आज लाखों-करोड़ों प्रशंसकों के दिलों में एक टीस है, दुख है और कहीं न कहीं एक मलाल भी। उन्होंने अपने चहेते सितारे को वह विदाई नहीं दे पाई, जिसके वे सच्चे हकदार थे। अंतिम पलों तक अस्पताल से घर तक जो गोपनीयता बरती गई, उसने उनके चाहने वालों को बेचैन रखा। किसी महानायक को विदा देने का अपना एक तरीका होता है। लोगों को उनकी झलक आखिरी बार देखने का हक होता है। पर इस बार यह हक छिन गया। यही सोचकर हर धर्मेंद्र प्रेमी का दिल भारी है। लेकिन जाने वाले चले जाते हैं रह जाता है उनका काम, उनका प्यार और उनकी अमर कहानी। धर्मेंद्र की कहानी ऐसी ही है। गांव के साधारण लड़के धरम सिंह देओल का मुंबई जाकर धर्मेंद्र बन जाना, और वहां लाखों दिलों पर राज करना। मिनर्वा सिनेमा में एक फिल्म देखते हुए उनके दिल में जो सपना जागा था, उसने पूरी दुनिया को चमत्कृत कर दिया। छठीं में पढ़ता एक सीधा-सादा लड़का, जिसे अपने स्कूल में पहली बार किसी से मासूम प्यार हुआ। वही

लड़का बाद में भारतीय सिनेमा का सबसे आकर्षक चेहरा बना।

धर्मेंद्र ने अभिनय की शुरुआत उन फिल्मों से की, जिनमें उन्होंने भावनाओं की गहराई और इश्क की सादगी दिखाई। लेकिन असली तूफान तब आया, जब वह ऐक्शन के राजा बन गए। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग को बॉलीवुड में नया स्थान दिया। मजबूत कंधे, दमदार आवाज, और सामने खड़ा विलेन हो या हालात धर्मेंद्र कभी पीछे नहीं हटते थे। शोले में वीरू के किरदार ने पूरे देश को हिला दिया। वह सिर्फ मजाकिया बहादुर ही नहीं थे, बल्कि दोस्ती का सबसे खूबसूरत प्रतीक भी थे। 'बसंती, इन कुत्तों के सामने मत नाचना'- यह सिर्फ संवाद नहीं था, एक मर्द की असली संवेदनशीलता की पहचान था उनकी फिल्में जैसे मेरा गाँव मेरा देश, यादों की बारात, जुगनू, शालीमार, चरस, द बर्निंग ट्रेन हर दशक में धर्मेंद्र के नाम की गारंटी ही फिल्म की सफलता की गारंटी थी। ऐसा कम होता है कि दो-दो सुपरस्टार राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन के दौर में कोई तीसरा कलाकार उसी दमखम से छाया रहे, पर धर्मेंद्र छाए रहे क्योंकि वह राजनीति और कैंपबाजी से दूर थे। वह किसी गुट का हिस्सा नहीं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री के चहेते थे। उनके चेहरे पर कभी अहंकार की झलक नहीं आई। जितने बड़े स्टार, उतने ही जमीन से जुड़े इंसान।और जब वह रोमांस करते थे तो पर्दा पिघल जाता था। दर्शक मान लेते थे कि प्रेम

इतना ही सहज, उतना ही खरा होता है। हेमा मालिनी के साथ उनकी जोड़ी तो आज भी दिलों में ताजा है। वह रिश्ते में भी उतने ही सच्चे थे, जितने पर्दे पर दिखाई देते थे। उनकी हंसी में पंजाब की मिट्टी की खुशबू थी, उनकी आंखों में जज्बातों की सच्चाई।

समय बदला, दौर बदला, पर धर्मेंद्र की चमक नहीं घटी। जब कई बड़े सितारे अस्सी के दशक में फ्लॉप होने लगे थे, वह तब भी हिट पर हिट देते रहे लोहा, हुकूमत, कातिलों के कातिल जैसी फिल्में इस बात की गवाह हैं। यही कारण था कि उनकी फैन-फॉलोइंग तीन-तीन पीढ़ियों तक फैली। दादा भी उनके दीवाने, बेटा भी और पोता भी।आज जब वह हमारे बीच नहीं हैं, तो लोग टूटे हुए हैं। सोशल मीडिया से गलियों तक बस एक ही सवाल आखिर क्यों उनके अंतिम संस्कार में वह राष्ट्रीय सम्मान नहीं मिला, जिसके वह हकदार थे? क्यों वह चेहरे जिन्हें आखिरी बार देखकर लोग चौन पाते, उन्हें देखने का मौका किसी को नहीं मिला? क्यों ही-मैन को एक गहरे शीशों वाली एंबुलेंस में चुपचाप ले जाया गया? उनके चाहने वालों की पीड़ा यह सोचकर और बढ़ जाती है कि उनकी अंतिम यात्रा चुपके से पूरी हो गई, जबकि वह पूरी दुनिया के नायक थे। पर शायद उनका परिवार नहीं चाहता था कि उनका आखिरी दृश्य भीड़, शोर और अफरातफरी में बदले। धर्मेंद्र जिंदगी भर शोहरत में रहे, शायद जाना उन्होंने सादगी से चाहा। फिर भी दिल तो फैंस का ही होता है, उसकी उम्मीदें हमेशा कुछ और चाहती हैं। धर्मेंद्र की जिंदगी में जितने चकाचौंध वाले दिन थे, उतनी ही भावुक यादें भी थीं। वह अपने स्कूल, अपनी मिट्टी, अपने साहनेवाल को कभी नहीं भूले। जब भी जाते, बचपन के दोस्तों से मिलते, अपने पिता की पुरानी कुर्सी देखकर भावुक हो जाते। यह वही धर्मेंद्र थे सुपरस्टार भी और बहुत बड़ा इंसान भी।आज जब हम उनकी फिल्मों के दृश्य याद करते हैं शोले का टंकी वाला वीरू, चुपके-चुपके का विनम्र प्रोफेसर, मेरा गाँव मेरा देश का बदला लेने वाला हीरो तो महसूस होता है, यह कलाकार कभी बुजुर्ग नहीं हुआ। वह हमेशा जवान रहा, हमेशा जिंदादिल रहा। यह विडंबना ही है कि जिसे दुनिया ने हाथों-हाथ सिर पर बैठाया, उसी दुनिया से उनका अंतिम मिलन अधूरा रह गया। लेकिन यह अधूरापन ही उनके प्रति लोगों का सच्चा प्रेम है। जब जनता किसी कलाकार के जाने पर रो पड़ती है तो यही सबसे बड़ा राष्ट्रीय सम्मान है। उन्हें सलामी बंदूकों से नहीं, करोड़ों दिलों से मिली। धर्मेंद्र जैसे सितारे मरते नहीं, वे सिर्फ पर्दे के पीछे चले जाते हैं। उनकी आवाज, उनकी हंसी, उनके संवाद, उनका अंदाज हमेशा जिंदा रहेगा। आने वाली पीढ़ियाँ भी जब वीरू की शरारतें देख हंसेंगी, जब गांव के नायक को बंदूक थामे देख रोमांचित होंगी तब धर्मेंद्र फिर से परदे पर लौट आएंगे। आज हम सिर्फ इतना कहना चाहते हैं कि धरम जी, आपने हमें प्यार, हिम्मत और सादगी सिखाई। आप चले गए, पर हम आपको भूल नहीं पाएंगे और आपकी विरासत सदियों तक जिंदा रहेगी। ईश्वर आपकी आत्मा को शांति दे। अफसोस यह है कि हम आपको आखिरी बार देख भी न पाए, पर विश्वास यह है कि आप हर दिल में हमेशा दिखाई देंगे।●

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा

ज्योतिषचार्य

(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान

प्रताप चौक, सहरसा-852201,

(बिहार)

मो० :- 9470480168

मेष राशि :- मेष राशि के जातकों के लिए यह माह काफी अच्छा बीतने वाला है,इस राशि के जातकों को मान-सम्मान में वृद्धि होगी,परिवार और मित्रों से पूरा सहयोग प्राप्त होगा,अगर आप किसी बिजनेस में धन निवेश करने की सोच रहे हैं तो इस माह कर सकते हैं, इससे आपको लाभ मिलेगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में भी प्रगृति हासिल होगी।

वृषभ राशि :- अपनी वाणी में थोड़ा संयम बनाए रखें, वरना बनते-बनते काम बिगड़ सकते हैं, प्रॉपर्टी संबंधी कामों में आपको सफलता प्राप्त होगी, नौकरी करने वाले लोगों को पदोन्नति मिल सकती है या फिर नई नौकरी के लिए ऑफर मिल सकते हैं,जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा!

मिथुन राशि :- फालतू के खर्चे बढ़ेगे, नौकरी और बिजनेस में थोड़ी सी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है,लेकिन अपनी मेहनत से जल्द ही इन समस्याओं से निकल जाएंगे,इस माह में इस राशि के जातक अपनी सेहत का खास ख्याल रखें,संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिल सकता है, इस राशि के जातक अपनी वाणी में थोड़ा सा कंट्रोल रखें नहीं कई वर्षों से बनाएं हुए रिश्ते क्षणभर में टूटकर बिखर जाएंगे।

कर्क राशि :- लंबे समय से लटके हुए मामले में आज निपटने के आसार दिख रहे हैं, इस राशि के जातक छोटी-मोटी उलझनों को इग्नोर करने की कोशिश करें,बीमारी का खास ख्याल रखें वरना किसी रोग की गिरफ्त में आ सकते हैं। अविवाहित लोगों को कोई अच्छा पार्टनर मिल सकता है,जिससे शादी की बात बन सकती हैं।

सिंह राशि :- इस माह काम को बोझ बढ़ेगा, अगर आप नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो यह माह आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है, किसी भी निर्णय को लेने से पहले सौ बार सोचे, किसी भी निर्णय को भावनाओं में बहकर या फिर गुस्से में न लें अन्यथा बाद में पछताने के अलावा कुछ नहीं मिलेगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा।

कन्या राशि :- ये माह मिला जुला जाने वाला है,किसी शुभ समाचार की प्राप्ति होगी, आपके लिए अधिकार और उपलब्धियों से भरपूर यह माह रहेगा, काम को लेकर थोड़ा सोच-विचार करना लाभकारी साबित होगा,लव पार्टनर के साथ किसी भी बात को खींचने के बजाय उसे आराम से बैठकर सुलझा लें तो बेहतर हो सकता है।

तुला राशि :- जातक किसी भी चीज में इन्वेस्ट सोच-समझ करें, हो सकता है अभी फायदा नजर आ रहा हो लेकिन बाद में अपनी निर्णय में पछतावा हो सकता है। कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा में जा सकते हैं। शैक्षिक क्षेत्र में जल्द ही कोई निर्णय लेना होगा,किसी योग्य व्यक्ति के साथ यात्रा का अवसर मिलेगा। तनाव को दूर करने का प्रयत्न करे।

वृश्चिक राशि :- इस राशि के जातकों के लिए ये माह काफी खास साबित हो सकता है,अपनी बुद्धिमत्ता से लोगों के बीच काफी फेमस हो सकते हैं, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि इस माह आप बोले कम और सुनने की क्षमता को ज्यादा लगाएं, तभी आपको ज्यादा लाभ मिलेगा। माता-पिता की सेहत का खास ख्याल रखें, उनकी सेहत को लेकर आप थोड़ा परेशान हो सकते हैं।

धनु राशि :- इस माह मानसिक शांति और सुकून मिलेगा, जिससे चिंता मुक्त होंगे,कार्यक्षेत्र में काम का बोझ अधिक होगा, अधिक मेहनत और समय देना होगा, लेकिन भविष्य में इस मेहनत का फल आपको अवश्य मिलेगा,व्यापार से जुड़े लोगों को निवेश करने का फायदा मिलेगा, इस राशि के जातक हर एक छोटी से छोटी बात को दिल में लगाने से बचें, वरना आपको ही ठेस पहुंचेगी।

मकर राशि :- इस राशि के लोगों के लिए ये माह करियर की दृष्टि से काफी लाभकारी साबित हो सकता है, नौकरी के लिए कई अवसर मिलने के आसार है,आप अपनी वाणी से लोगों के दिलों में राज करेंगे,घर परिवार संबंधित कोई मसला है तो उसे जरूर सुलझा लें,क्योंकि इससे आपके अपनों के ही भावनाओं को ठेस पहुंचेगी,संबंधों को कुछ ऐसी दिशा मिली है कि ये सहानुभूति देने वाले हो गए हैं। हर तरह के संबंध और भागीदारी महत्वपूर्ण होगी।

कुंभ राशि :- इस राशि के जातकों की नए कार्यों में दिलचस्पी पैदा होगी,माह की शुरुआत में खर्च अधिक बढ़ेगा जिसके कारण बजट थोड़ा बिगड़ सकता है। नौकरी की तलाश इस माह पूरा हो सकता है। इस राशि के जातकों को कई बड़ा अवसर हाथ लग सकता है। जीवन साथी के साथ संबंधों में गहराई आएगी,ऐसे आरामदायक और सुकून भरे माहौल में सुस्ताने का अपना अलग मजा होगा।

मीन राशि :-किसी पूजा स्थल जाने का प्लान बना रहे हैं तो माह के मध्य में जाये,सेल्स से जुड़े लोगों को कस्टमर से मेलजोल बना कर रखना होगा, ऑफिस मे मिल जुल कर रहना होगा, जो लोग टीम को लीड करते हैं उनको अधीनस्थों के कार्यों पर निगाह रखनी होगी!

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

★ महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण कानून कौन-कौन से हैं?

भारत में महिलाओं के लिए कई महत्वपूर्ण कानून बनाए गए हैं, जो उनके अधिकारों की रक्षा करते हैं और उनको समाज में समानता दिलाने का प्रयास करते हैं, जिनके तहत महिलाओं के लिए संविधान में अधिकार दिये गये हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 महिलाओं को समानता, भेदभाव के खिलाफ संरक्षण और समान अवसर का अधिकार देते हैं। अनुच्छेद 15 (3) के तहत महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान बनाए जा सकते हैं।

★ महिलाओं की सुरक्षा के लिए क्या कानून है?

☞ **घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, 2005 :-** महिलाओं को घरेलू हिंसा से सुरक्षा प्रदान करता है।

☞ **कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 :-** कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ शिकायत का अधिकार।

☞ **दहेज निषेध अधिनियम, 1961 :-** दहेज जैसी कुप्रथा से महिलाओं की रक्षा।

☞ **मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 :-** कामकाजी महिलाओं को गर्भावस्था में लाभ, छुट्टियाँ और सुरक्षा।

❖ **संपत्ति और उत्तराधिकार :-**

☞ **हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 :-** हिंदू महिलाओं को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार/मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986: मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद संपत्ति और भरण-पोषण का अधिकार।

❖ **अन्य महत्वपूर्ण कानून :-**

☞ **समान वेतन का अधिकार (1976) :-** महिलाओं को समा समान वेतन का अधिकार मिलता है। गर्भावस्था में लाभ, छुट्टियाँ और सुरक्षा द्य संपत्ति और उत्तराधिकार।

☞ **हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 :-** हिंदू महिलाओं को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार।

☞ **मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 :-** मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद संपत्ति और भरण-पोषण का अधिकार।

☞ **अश्लील चित्रण (निषेध) अधिनियम, 1986 :-** महिलाओं के अभद्र चित्रण के खिलाफ सुरक्षा।

☞ **राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 :-** महिलाओं के अधिकारों की निगरानी के लिए आयोग।

☞ **महिलाओं के कानूनी अधिकारों का महत्व :-** इन कानूनी प्रावधानों और अधिकारों का उद्देश्य महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और समानता दिलाना है, ताकि वे समाज में सुरक्षित और सशक्त महसूस करें।

★ भारत में घरेलू हिंसा के लिए शिकायत कैसे दर्ज कराएं?

भारत में घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज कराने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं :-

☞ नजदीकी पुलिस स्टेशन जाकर लिखित शिकायत दें। शिकायत में हिंसा के सभी विवरण जैसे कब, कहां, कैसे हुए, विस्तार से बताएं। यदि शरीर पर चोट के निशान हों तो मेडिकल प्रमाणपत्र (मेडिकल रिपोर्ट) लेना जरूरी है और इसे शिकायत के साथ जमा करें। पुलिस को आपकी शिकायत पर प्राथमिकी (फिर) दर्ज करनी होगी।

☞ महिला हेल्पलाइन नंबर 181 (राष्ट्रीय महिला आयोग की) या 1091 (स्थानीय महिला हेल्पलाइन) पर कॉल कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकते हैं। ये 24 घंटे उपलब्ध हैं।

☞ घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के तहत जिले में नियुक्त संरक्षा अधिकारी (प्रोटेक्शन ऑफिसर) से संपर्क करें जो आपकी शिकायत दर्ज करेंगे और कानूनी प्रक्रिया में मदद करेंगे।

☞ आप चाहें तो परिवार न्यायालय में शिकायत भी दर्ज करवा सकते हैं और सुरक्षा आदेश, निवास आदेश, आर्थिक राहत आदि के लिए आवेदन कर सकते हैं।

☞ शिकायत के दौरान प्रमाण जुटाएं जैसे चिकित्सा रिपोर्ट, फोटो, वीडियो, साक्षी आदि ताकि मामला मजबूत रहे।

☞ यदि पुलिस एफआईआर दर्ज करने से मना करे, तो वरिष्ठ अधिकारियों या महिला आयोग से संपर्क किया जा सकता है।

☞ विभिन्न गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) और वन स्टॉप सेंटर भी पीड़ित महिला को काउंसलिंग और कानूनी मदद प्रदान करते हैं।

इस प्रकार, घरेलू हिंसा के खिलाफ शिकायत दर्ज करना सहज प्रक्रिया है जिसमें पुलिस, महिला आयोग, हेल्पलाइन नंबर, संरक्षण अधिकारी और न्यायालय सभी शामिल हैं। इससे महिलाओं को संरक्षण और न्याय दिलाने में मदद मिलती है।

★ घरेलू हिंसा के लिए संरक्षण आदेश कैसे और कहाँ मिलते हैं?

भारत में घरेलू हिंसा के लिए संरक्षण आदेश (प्रोटेक्शन ऑर्डर) घरेलू हिंसा से महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने वाला कानूनी उपकरण है, जो मजिस्ट्रेट कोर्ट से प्राप्त किया जाता है। इसे पाने के लिए महिला को सबसे पहले उस व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज करनी होती है जो घरेलू हिंसा करता है, जैसे पति या परिवार के अन्य सदस्य। इसके बाद, महिला कोर्ट में संरक्षण आदेश के लिए आवेदन करती है, जिसमें घरेलू हिंसा के सभी विवरण और खतरे की स्थिति बताई जाती है। संरक्षण आदेश मिलने के बाद, कोर्ट उस व्यक्ति को घरेलू हिंसा करने से रोकेगा, पीड़ित से दूरी बनाए रखने का आदेश देगा, पीड़ित के घर, कार्यालय या बच्चों के स्कूल के पास आने से रोकेगा, पीड़ित से संपर्क करने से मना करेगा, संबंधित संपत्ति के संबंध में भी आदेश दे सकता है। अगर संरक्षण आदेश का उल्लंघन होता है, तो महिला पुलिस में शिकायत कर सकती है और कोर्ट द्वारा संबंधित व्यक्ति के संबंध में भी आदेश दे सकता है। अगर संरक्षण आदेश का उल्लंघन होता है, तो महिला पुलिस में शिकायत कर सकती है और कोर्ट द्वारा संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती है। संरक्षण आदेश के लिए आवेदन नजदीकी परिवार न्यायालय या मजिस्ट्रेट कोर्ट में किया जाता है। इसके लिए घरेलू हिंसा से संबंधित शिकायत और सहायक सबूत जैसे मेडिकल रिपोर्ट, गवाह इत्यादि जरूरी होते हैं। संरक्षण आदेश के साथ-साथ निवास आदेश और भरण-पोषण से संबंधित अन्य कानूनी सहायता भी अदालत से प्राप्त की जा सकती है। सरकारी संरक्षण अधिकारी (प्रोटेक्शन ऑफिसर) भी पीड़ित महिला को आवेदन प्रक्रिया और अन्य कानूनी सहायता में मदद करते हैं। इसके अलावा महिला हेल्पलाइन 181 और वन स्टॉप सेंटर आपकी सहायता के लिए उपलब्ध हैं। इस प्रकार, संरक्षण आदेश महिला को घरेलू हिंसा से तत्काल सुरक्षा प्रदान करता है और उसका कानूनी अधिकार है कि वह इसे आसानी से प्राप्त कर सके।

जन-जन की आवाज है केवल सच

आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं को सपोर्ट करें

आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा

www.kewalsach.com

www.kewalsachlive.in

-: सम्पर्क करें :-

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,
कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

गुरू गोविन्द सिंह
केवल सच सम्मान-2025

Kewalsach news

दिनांक -21 दिसंबर 2025

स्थान - कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली